निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 का उद्घाटन करते राज्यपाल

• बोकारो, शुक्रवार 30 जनवरी 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 253 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार

CBC 35101/13/0090/2526

अब VB - G RAM G से गाँव में ग्रामीण हाट बनेंगें,
खेती और कौशल के काम भी होंगे
कमाई का रास्ता खुलेगा, और हमें
125 दिन का रोज़गार मिलेगा!

Viksit Bharat - Guarantee for Rozgar
and Ajeevika Mission (Gramin) : VB - G RAM G

(विकसित भारत - जी राम जी) Act, 2025

125 दिन
की रोज़गार गारंटी

संक्षिप्त समाचार

ट्रक की टक्कर से वृद्ध की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना क्षेत्र के पदम चौक स्थित लाइन मस्जिद मोड़ पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रहे 58 वर्षीय वृद्ध को कुचल दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रानीडीह-भोरानडीहा निवासी चिंतामन दास के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार चिंतामन दास किसी तरह जीवन यापन करते थे।

दसवीं के छात्र ने लगाई फांसी

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बजरंग नगर में 15 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान हजारीबाग जिले के चलकुस्सा प्रखंड के मसौनी गांव निवासी मुंशी यादव के पुत्र सचिन यादव के रूप में हुई है। सचिन कक्षा 10वीं का छात्र था। वह इसी वर्ष मैट्रिक बोर्ड परीक्षा देने वाला था। ।

रामगढ़ में स्कूली बच्चे के अपहरण की कोशिश

रामगढ़ (नबिटा ब्यूरो)। रामगढ़ थाना क्षेत्र के छतर मांडू में ट्यूशन से लौट रहे एक स्कूली बच्चे के अपहरण का प्रयास किया गया। यह घटना छतर मांडू थाना क्षेत्र के असना टोला की है। जानकारी के अनुसार बच्चा गुरु नानक स्कूल का छात्र है, जो रोज की तरह स्कूल से लौटने के बाद ट्यूशन पढ़कर घर जा रहा था। इसी दौरान गांव के ही एक युवक ने उसे जबरन चारपहिया गाड़ी में बैठा लिया।

दो छात्राएं लापता

पाकुड़ (नबिटा ब्यूरो)। जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र से दो नाबालिग छात्राएं लापता हो गई हैं। 27 जनवरी को स्कूल जाने के बाद से वे घर नहीं लौटीं। इस मामले को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने गुरुवार को अमड़ापाड़ा मुख्यालय के पार्क रोड पर धरना प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने लड़कियों की जल्द बरामदगी की मांग की।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट में इन विनियमों को सामान्य वर्गों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। ऐसे में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगी दी। अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं। कोर्ट के कहा कि नए यूजीसी नियमों का दुरुपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट

याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया। वहीं याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने कहा कि आज सीजेआई ने हमारी दलीलों की सराहना की। हमें कहना होगा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है। जैसा कि हम खास तौर पर तीन मुद्दों के बारे में बात कर रहे थे, एक है सेक्शन 3ए जो जातिगत भेदभाव के बारे में बात करता है और उस खास सेक्शन में, सामान्य जाति को बाहर रखा गया है और बाकी सभी जातियों को शामिल किया गया है। तो, यह खास सेक्शन यह संदेश दे रहा है कि एससी, एसटी और ओबीसी के साथ सामान्य जाति द्वारा भेदभाव किया जा रहा है।

पेट्रोल छिड़क तीन लोगों को जिंदा जलाने का प्रयास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के जोरापोखर थाना क्षेत्र में जमीन विवाद का मामला हिंसक रूप ले लिया। बात इस कदर बिगड़ गई कि तीन लोगों पर पेट्रोल उड़ेलकर जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। घटना को लेकर इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस के अनुसार डिगवाडीह इलाके में गुमटी (दुकान) को लेकर हुए विवाद में मदन राम नामक शख्स पर अपने ही चचेरे भाई उत्सव राम, विवेक राम और विनायक गुप्ता पर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाने का आरोप लगा है। मदन राम का एक राजनीतिक पार्टी से ताल्लुक बताया जाता है। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दहशत में आ गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर के अनुसार उत्सव राम की हालत गंभीर बनी हुई है जबकि अन्य दोनों झुलसे लोगों का इलाज जारी है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मदन राम और उत्सव राम के बीच वर्षों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। परिजनों का कहना है कि इससे पहले भी कई बार जानलेवा हमले की कोशिश की जा चुकी है लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद जोरापोखर थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची और तीनों झुलसे लोगों का बयान लिया। पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और न्याय की मांग की है। वहीं इस संबंध में जोरापोखर थाना के एसआई विपिन कुमार ने कहा कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। बयान और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सौ एकड़ में लगी अवैध अफीम की खेती को किया नष्ट

नवीन सिन्हा / नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हज़ारीबाग। चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत हज़ारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चौपारण थाना अंतर्गत ग्राम अंजन में वन विभाग एवं चौपारण पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ग्राम अंजन के विभिन्न दुर्गम इलाकों में लगभग 100 एकड़ भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को चिन्हित किया गया। मौके पर ही पूरी फसल को नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान घटनास्थल से 14 डिलीवरी पाइप बरामद किए गए, जिन्हें वहीं नष्ट कर दिया गया। पुलिस द्वारा अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों के नाम-पते का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होने के बाद उनके विरुद्ध संबंधित धाराओं में कांड दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी

है। इस संयुक्त अभियान में बरही एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल, पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, एसआई सुबिन्दर राम, एसआई दिव्य प्रकाश, एएसआई बदल महतो, एएसआई कमरुद्दीन, सशस्त्र बल एवं वन विभाग के वनपाल कुलदीप कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल थे। उल्लेखनीय है कि पुलिस द्वारा ड्रोन की सहायता से दुर्गम क्षेत्रों में अवैध अफीम की खेती को चिन्हित कर विनष्ट किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक हज़ारीबाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी है।

बाबा राइस मिल से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड की राजधानी रांची में आयकर विभाग की टीम ने बाबा राइस मिल और उसके संचालक से जुड़े ठिकानों पर बड़ी छापेमारी शुरू की है। गुरुवार को आयकर विभाग की कई टीमें एक साथ कांके रोड, रातु रोड समेत अलग-अलग इलाकों में पहुंचीं और दस्तावेजों की जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई सिर्फ रांची तक सीमित नहीं है बल्कि झारखंड और बिहार के कई जिलों में एक साथ छापेमारी की जा रही है। पिस्का नगड़ी थाना क्षेत्र के बंधेया स्थित आटा और चावल मिल के बाबा राइस प्लांट पर भी आयकर विभाग की टीम पहुंची है। यहां मशीनों, स्टॉक रजिस्टर, बिल-बुक और कंप्यूटर रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। इसके अलावा नगड़ी के बांध टोली इलाके में स्थित बाबा राइस के दूसरे प्लांट पर भी एक अलग टीम ने छापा मारा है। दोनों जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और किसी को भी बिना अनुमति अंदर-बाहर जाने नहीं दिया जा रहा।

समस्याओं का समाधान खोजने वाले केंद्र बनें विश्वविद्यालय-कॉलेज : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर द्वारा आयोजित 48वें इनवायरमेंटल म्यूटाजेन सोसाइटी ऑफ इंडिया की वार्षिक बैठक सह अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। मौके पर राज्यपाल ने कहा कि बदलते पर्यावरण से उत्पन्न होने वाली नई समस्याओं पर शोध जरूरी है। सेमिनार में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अलावा कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति अंजलि गुप्ता, को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह समेत कॉलेज के कई शिक्षक मौजूद रहे। इस मौके पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि आज बढ़ते औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है। मानव जीवन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसका सीधा साधा असर दिल्ली जैसे शहरों में देखने को मिल रहा है। दिल्ली वाले लोग ही बता सकते हैं कि प्रदूषण से उनका क्या हाल हो रहा

है। ऐसे में को-ऑपरेटिव कॉलेज के सेमिनार का विषय काफी गंभीर है। इस अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में आनुवांशिक गुणों में बदलाव, डीएनए की प्रकृति और उसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर प्रभाव विषय पर आयोजित यह विषय पर्यावरणीय समस्या और बढ़ते प्रदूषण के कारण हो रही समस्या के समाधान पर चर्चा महत्वपूर्ण है। इसमें जो निष्कर्ष निकलेगा मानव कल्याण के लिए काम आएगा। राज्यपाल ने कहा कि इस सेमिनार में उपस्थित वैज्ञानिक और शोधकर्ता अपने ज्ञान एवं अनुसंधान को समाज के हित की दिशा में कार्य करें। झारखंड के विश्वविद्यालयों में शोध की दिशा में गुणवत्तापूर्ण प्रयास हो रहे हैं। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को समाज की समस्याओं के समाधान के अध्ययन का केंद्र बनना चाहिए। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण आवश्यक है। इस दिशा में शोधकर्ता लगातार अनुसंधान करते रहें। वहीं सेमिनार में ईएमएसआइ की अध्यक्ष वाणी प्रिया गांगुली ने संस्था का विस्तृत परिचय दिया। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जुड़े हुए हैं जो लगातार पर्यावरण और स्वास्थ्य की समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सोच है कि समाज में हर व्यक्ति स्वस्थ रहे।

जेवर दुकान में लूट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के लालपुर इलाके में गुरुवार की दोपहर लक्ष्मी ज्वेलर्स में लूट की सूचना पर पुलिस तुरंत एक्शन में आई और दो आरोपियों को धर दबोचा है। हालांकि यह मामला लूट का है या पैसे के लेन-देन का पुलिस इसकी जांच कर रही है। गुरुवार की दोपहर पुलिस कंट्रोल रूम में लक्ष्मी ज्वेलर्स के मालिक के द्वारा यह सूचना दी गई की उनके जेवर दुकान को लूटने की कोशिश की जा रही है। कंट्रोल रूम में सूचना आते ही न सिर्फ लालपुर पुलिस एक्टिव हुई, बल्कि आसपास के थानों की टीम भी तुरंत एक्शन मोड में आ गई। जिन दो लोगों पर जेवर दुकान से गहने लेकर भागने का आरोप था, उन्हें तुरंत धर दबोचा गया।

झारखंड में नगर निकाय चुनाव को लेकर नामांकन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नगर निकाय चुनाव में यदि आप किस्मत आजमाना चाहते हैं तो आपके लिए यह खबर बेहद ही महत्वपूर्ण है। थोड़ी सी भी कोताही बरतेंगे तो प्रत्याशी बनने से दूर हो जायेंगे। 29 जनवरी से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऐसे में इस चुनाव में किस्मत आजमाने की चाहत रख रहे लोगों को आयोग के प्रावधानों को जरूर ध्यान में रखना चाहिए। नामांकन के समय प्रत्याशी अपने साथ अधिकतम तीन समर्थकों को लेकर जाएंगे। आगामी 4 फरवरी तक दिन के 11 बजे से 3 बजे तक होने वाले नॉमिनेशन को लेकर जारी गाइडलाइन की जानकारी देते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने कहा कि नामांकन स्थल के सौ मीटर के दायरे में प्रत्याशी अपने तीन समर्थकों के साथ जाएंगे। आयोग के सचिव ने कहा कि नामांकन को लेकर दो-दो बार निर्वाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है और स्पष्ट गाइडलाइन दी गई है। नामांकन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और अभ्यर्थियों के द्वारा समर्पित कागजात को विशेष रूप से जांच करने को कहा गया है। नगर निकाय चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता राज्य के शहरी क्षेत्र में लागू है। आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इधर रांची सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 को लेकर जारी आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः पालन कराने के लिए दिशा निर्देश जारी किया है। जारी निर्देश के तहत जिला प्रशासन ने इस अवधि में विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार हेतु जन-सभा/जुलूस के दौरान राजनीतिक प्रतिद्वंदिता एवं प्रतिस्पर्धा के कारण शस्त्र एवं शक्ति प्रदर्शन कर मतदाताओं को प्रभावित/आतंकित किए जाने तथा विधि-व्यवस्था भंग होने की आशंका जताई है। इसके अतिरिक्त मतदाताओं को डराने, धमकाने, जातीय, साम्प्रदायिक तथा धार्मिक विद्वेष की भावना फैलाने के लिए आवंछित/असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने के कारण विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण लोक शांति भंग हो सकती है।

आर्थिक सर्वे 2026: अगले साल थोड़ी धीमी रहेगी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट से ठीक पहले गुरुवार को संसद के पटल पर 'आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26' रखा। सरकार ने अपनी इस रिपोर्ट कार्ड में बताया है कि आने वाले वित्त वर्ष (2026-27) में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। सर्वे के मुताबिक अगले वित्त वर्ष यानी वित्तीय वर्ष 2027 में भारत की जीडीपी विकास दर 6.8% से 7.2% के बीच रहने का अनुमान है। यह मौजूदा वित्त वर्ष के अनुमान से कम है। सरकार का मानना है कि इस साल अर्थव्यवस्था 7.4% की दर से बढ़ेगी, जो कि उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन है। सर्वे में रोजगार को लेकर सकारात्मक आंकड़े पेश किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए बेरोजगारी दर में लगातार गिरावट आई है। यह 2017-18 के 6% से घटकर 2023-24 में 3.2% पर आ गई है। साथ ही शहरी बेरोजगारी दर में भी मामूली सुधार देखा गया है। सरकार का पूरा जोर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा पर है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल सरकार ने अपने पूंजीगत व्यय का 75% हिस्सा सिर्फ तीन क्षेत्रों में खर्च किया। ये हैं- रक्षा, रेलवे, सड़क परिवहन। विदेशी निवेश के मामले में सेवा क्षेत्र सबसे आगे रहा है, जिसे कुल इक्विटी प्रवाह का 19.1% मिला। इसके बाद कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर का नंबर आता है। हालांकि रिसर्च और डेवलपमेंट को लेकर चिंता जताई गई है। सर्वे में कहा गया है कि भारत में औद्योगिक

अनुसंधान कम है और यह मुख्य रूप से दवा, आईटी और रक्षा क्षेत्रों तक ही सीमित है। इसे बढ़ाने की जरूरत है। सरकार की ओर से पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2026 में दो बड़ी बातें सामने आई हैं- पहला, भारत अब जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरा, तमाम चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने की ओर तेजी से बढ़ रही है। सर्वे में साफ कहा गया है कि वैश्विक हालात अब पहले जैसे नहीं रहे। सबसे बड़ी चिंता अमेरिका को लेकर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 50% तक टैरिफ (आयात शुल्क) लगा दिया है। इसका सबसे बुरा असर भारत के कपड़ा उद्योग, जेम्स एंड ज्वैलरी और लेदर सेक्टर पर पड़ा है। रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले और यूक्रेन मुद्दे के कारण अमेरिका ने यह सख्त कदम उठाया है। सर्वे में माना गया है कि आज के दौर में अच्छी इकोनॉमी होने के बावजूद देशों को करेंसी और ग्लोबल मार्केट की अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। सर्वे बताता है कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील लटकने और वहां टैरिफ बढ़ने के कारण भारत ने अपनी रणनीति बदल ली है। भारत ने यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौता फाइनल कर लिया है। इसके अलावा यूके, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ हुई डील से भारत अब सिर्फ एक देश (अमेरिका) पर निर्भर नहीं रहेगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाना है, जिसके लिए जानकारों के मुताबिक 8% की ग्रोथ जरूरी है। फिलहाल, सरकार का पूरा फोकस 'रिफॉर्म्स' पर है ताकि 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल किया जा सके।

THE EASTERN VOICE

'English Daily Newspaper

Regional Newspaper in whole Bihar & Jharkhand

Email Id-theeasternv@gmail.com

Bihar Office:-Satyendra Nagar,Aurangabad (BiharJharkhand)
Office:-31-Co-operative Colony,Bokaro Steel City, Bokaro (Jharkhand)

Contact:- 6206165107, 7295863300

सोहराय महोत्सवः आदिवासी अस्मिता का राजकीय पुनर्जागरण

संस्कृति के सम्मान की ऐतिहासिक शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा/पूर्णिया। प्रखंड अंतर्गत बरदेला पंचायत के शीशा टोला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राजकीय सोहराय महोत्सव के दूसरे दिन यह स्पष्ट हो गया कि यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, सांस्कृतिक चेतना और परंपरागत गौरव का ऐतिहासिक पुनर्जागरण है।

पीढ़ियों से प्रकृति-पूजक आदिवासी समाज द्वारा मनाया जाने वाला यह महापर्व सभ्यता और संस्कृति को जीवित रखने का एक जीवंत प्रतीक रहा है। किंतु वर्षों तक उपेक्षित रही इस महान परंपरा को पिछले वर्ष राजकीय दर्जा मिलने के बाद अब सरकारी संरक्षण, प्रशासनिक सम्मान और सार्वजनिक पहचान प्राप्त हुई है जो एक सांस्कृतिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन शीशा टोला मैदान ढोल, मांदर, पारंपरिक गीतों और जनजातीय नृत्य की गूंज से थर्रा उठा। रंग-बिरंगे पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने ऐसा सांस्कृतिक दृश्य रचा, जिसने यह साबित कर दिया कि आधुनिकता की आंधी भी परंपरा की जड़ों को उखाड़ नहीं सकती। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था की सतर्क निगरानी और नागरिक सुविधाओं का व्यापक इंतजाम इस बात का संकेत था कि सरकार अब आदिवासी संस्कृति को केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि संरक्षित धरोहर मानने लगी है। यह आयोजन महज सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश, एक सांस्कृतिक आंदोलन और एक राजनीतिक-सांस्कृतिक घोषणा बनकर उभरा है – कि आदिवासी परंपरा अब हाशिये पर नहीं, बल्कि मुख्यधारा के मंच पर सम्मान के साथ खड़ी है। सोहराय महोत्सव ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिस समाज की संस्कृति जीवित रहती है, वही समाज इतिहास में अमर रहता है। यह महोत्सव आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कृति की मशाल और पहचान का दीपस्तंभ बनता जा रहा है।

माईका भंडारण के विरुद्ध छापामारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी रामनिवास यादव के निर्देश आलोक में तिसरी प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम चकलमुण्डा पंचायत खिजुरी में गुप्त सूचना के आधार पर अवैध माईका भंडारण के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया गया अंचल अधिकारी तिसरी अखिलेश प्रसाद के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई जांच के दौरान विभिन्न परिसरों में काफी मात्रा में अवैध माईका का भंडारण पाया गया, जिसे तिसरी थाना के सहायक अवर निरीक्षक लव कुमार की उपस्थिति में विधिवत सील कर दिया गया है। बरामद माईका की कुल मात्रा लगभग 54.5 टन आँकी गई है, जिसमें एक स्थल से लगभग 4.5 टन तथा दूसरे स्थल से लगभग 50 टन माईका बरामद किया गया। साथ ही खनन एवं खनिज अधिनियम सहित अन्य सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, खोरीमहुआ अनिमेष रंजन ने कहा कि अनुमंडल प्रशासन अवैध खनन भंडारण एवं खनिज के अवैध व्यापार के विरुद्ध निरंतर सघन अभियान चला रहा है।

बेहतर राजस्व देने वाले व्यवसाईयों को खनन विभाग ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू के तीन पट्टेधारी व्यवसाईयों को खनन विभाग ने बेहतर राजस्व देने पर गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया है। सर्वाधिक राजस्व देने वाले छतरपुर के पट्टेधारी रामाशीष सिंह को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसी तरह उमाकांत जायसवाल उर्फ मुन्ना जायसवाल को द्वितीय पुरस्कार व तृतीय पुरस्कार अभिषेक आनंद को प्रदान किया गया है। तीनों छतरपुर क्षेत्र में पट्टेधारी व्यवसायी हैं। इन तीनों व्यवसायियों ने क्रमशः अधिक राजस्व खनन विभाग को दिया है। गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण के बाद पलामू जिला खनन विभाग परिसर में तीनों व्यवसाईयों को पलामू अंचल के खान उपनिदेशक अजीत कुमार व पलामू जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से तीनों व्यवसाईयों को सम्मानित किया। इसकी जानकारी देते हुए जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने कहा कि पूरे झारखंड में वैध रूप से पत्थर को चालान के माध्यम से प्रेशन के लिए पलामू जिला खनन विभाग ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। पलामू जिले से राजस्व की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस पर उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

मौके पर पलामू अंचल के खान उपनिदेशक अजीत कुमार ने पट्टेधारी व्यवसाईयों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि नियम संगत तरीके से खनन करने व राज्य सरकार को नियमानुसार राजस्व भुगतान करने वालों को विभाग हमेशा स्वागत करेगा। मौके पर पलामू जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने कहा कि पट्टेधारी राज्य सरकार को राजस्व तो देते ही हैं, इसके अलावा इनकम टैक्स, पर्यावरण शुल्क का भी भुगतान करते हैं। उन्होंने कहा कि पट्टेधारियों द्वारा डीएमएफटी मद में योगदान देने से शिक्षा व चिकित्सा में भी संबंधित क्षेत्र में विकास किया जाता है। साथ ही साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार व विकास कार्यों के लिए खनिज उपलब्ध कराते हैं। इनका योगदान राज्य व समाज के विकास में अति महत्वपूर्ण होता है।

प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद गुप्ता आज पूर्णिया में

विवि की नीतिगत दिशा पर पड़ेगा सीधा असर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया । बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद गुप्ता आज पूर्णिया पहुंच रहे हैं।

उनका यह दौरा केवल एक औपचारिक सहभागिता नहीं, बल्कि पूर्णिया विश्वविद्यालय की भावी नीतियों, प्रशासनिक संरचना और वित्तीय प्राथमिकताओं को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद गुप्ता पूर्णिया विश्वविद्यालय की वित्तीय समिति के सदस्य भी हैं, ऐसे में सीनेट की बैठक में उनकी भूमिका निर्णायक रहने की संभावना है। बैठक के दौरान शैक्षणिक गुणवत्ता, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, बजट प्रबंधन और संस्थान के दीर्घकालिक विकास से जुड़े प्रस्तावों पर गंभीर विमर्श होने की उम्मीद है। शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में यह बैठक मील का पत्थर साबित हो सकती है। विश्वविद्यालयी कार्यों के उपरांत प्रो. (डॉ.) गुप्ता भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों से भी संवाद करेंगे। इस दौरान संगठनात्मक समीक्षा, जमीनी मुद्दों पर चर्चा और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर रणनीतिक विचार-विमर्श की संभावना है। यह संवाद संगठन में नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य कर सकता है।शिक्षा और संगठनात्मक नेतृत्व के समन्वय के रूप में प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद गुप्ता का आज का यह दौरा पूर्णिया के लिए निर्णायक और दूरगामी प्रभाव वाला माना जा रहा है, जो आने वाले समय में शैक्षणिक और प्रशासनिक विकास की रूपरेखा तय कर सकता है।

राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त डीएम का भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने पुष्प-गुच्छ देकर किया अभिनंदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार को चुनाव के दौरान असाधारण प्रशासनिक दक्षता, निष्पक्ष निर्णय क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्त संरक्षण के लिए 25 जनवरी को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाना पूरे जिले के लिए गौरव, गरिमा और प्रशासनिक उत्कृष्टता की ऐतिहासिक उपलब्धि है।

यह सम्मान अंशुल कुमार की उस अडिग नेतृत्व क्षमता, त्वरित निर्णय शक्ति और पारदर्शी प्रशासनिक दृष्टिकोण का प्रमाण है, जिसके बल पर चुनाव जैसी संवेदनशील प्रक्रिया को पूर्ण शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और अनुकरणीय तरीके से संपन्न कराया गया।इसी गौरवपूर्ण सम्मान के उपलक्ष्य में 29 जनवरी को भारतीय जनता पार्टी पूर्णिया जिला अध्यक्ष मनोज सिंह के नेतृत्व में एक भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी

के कार्यालय पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की तथा पुष्प-गुच्छ भेंट कर औपचारिक अभिनंदन एवं सम्मान प्रकट किया। प्रतिनिधिमंडल ने डीएम को बधाई देते हुए उनके निर्णायक प्रशासन, अनुशासित कार्यशैली और जनहितैषी नेतृत्व की सराहना की।

जिला अध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि डीएम अंशुल कुमार ने चुनाव जैसे चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील लोकतांत्रिक दायित्व को पूर्ण पारदर्शिता, कठोर प्रशासनिक निगरानी और शांतिपूर्ण व्यवस्था के साथ संपन्न कर यह सिद्ध कर दिया कि सुदृढ़ प्रशासन ही मजबूत लोकतंत्र की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रपति सम्मान सिर्फ एक अधिकारी का नहीं, बल्कि पूरे पूर्णिया जिले की प्रतिष्ठा का प्रतीक है।

प्रशासनिक क्षेत्र में श्री कुमार की पहचान एक कठोर, ईमानदार, दूरदर्शी और परिणामोन्मुख अधिकारी के रूप में स्थापित हो चुकी है। उनकी कार्यशैली में कानून-व्यवस्था पर मजबूत पकड़, त्वरित निर्णय, जनसंवेदनशीलता और विकासोन्मुख दृष्टि का प्रभावशाली समन्वय दिखाई देता है, जिसने पूर्णिया को राष्ट्रीय मंच पर नई प्रशासनिक पहचान दिलाई है।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अरुण राय पुलक, संजय पोद्दार, पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रकाश दास, सोशल मीडिया जिला संयोजक शुभम झा, जिला सह-संयोजक अमन भारती, जिला कार्य समिति सदस्य सुनील भंसाली सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित रहे। सभी ने डीएम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनसे आगे भी इसी निष्ठा, दृढ़ता और ईमानदारी के साथ जनसेवा जारी रखने का आग्रह किया।

प्लेन दुर्घटना में अजीत पवार के निधन पर शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। राजनीतिक जगत और समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। महाराष्ट्र के वरिष्ठ और प्रभावशाली नेता अजीत पवार की प्लेन दुर्घटना में असामयिक मृत्यु ने सबको स्तब्ध कर दिया है। उनके निधन की खबर से न केवल उनके समर्थक, बल्कि पूरे राजनीतिक परिदृश्य में शून्यता का अनुभव किया जा रहा है।डॉ. ए.के. गुप्ता ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा, अजीत पवार का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने न केवल महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया, बल्कि अपने समाजोपयोगी दृष्टिकोण और निष्पक्ष नेतृत्व के माध्यम से हमेशा जनता की सेवा की। उनकी दूरदर्शिता और जनहितकारी कार्यों को हम सदैव याद रखेंगे। यह घटना हमारे लिए गहन शोक का विषय है।अजीत पवार की राजनीतिक यात्रा अत्यंत समर्पित और प्रेरणादायक रही। भारतीय राजनीति में उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण विकास, कृषि सुधार और समाजिक कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से अनेक जनहितकारी योजनाओं का कार्यान्वयन हुआ, जिससे असंख्य लोगों के जीवन में सुधार आया।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अजीत पवार का जाना केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए भी एक बड़ा क्षति है।

उनके शांत और दूरदर्शी नेतृत्व की कमी राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय तक महसूस की जाएगी। डॉ. ए.के. गुप्ता ने परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ह्लइस कठिन समय में उनके परिवार और समर्थकों के साथ हमारी संवेदना है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे। अजीत पवार का जीवन और योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा, और उनकी यादें आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

यूजीसी के नए प्रावधान देश के युवाओं के बीच भेदभाव का बीज : अविनाश वर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश कुमार वर्मा ने यूजीसी के नए नियम प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन रेगुलेशन 2026 पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि 28 दिसंबर 1953 को एक वैधानिक संस्था के रूप में स्थापित हुई। इसके पहले अध्यक्ष डॉ शांति स्वरूप भटनागर बनाए गए। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व प्रबंधन के बीच में समन्वय स्थापित करने के साथ एकरूपता व कुशल प्रबंधन था। मगर आज देश जिन हालातों से गुजर रहा है। जहां देश में कई प्रकार की चुनौतियां व समस्याएं खड़ी है।

उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे में अचानक व बेवजह देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों के बीच अगड़ा- पिछड़ा को आधार बनाकर जाति व समुदाय विशेष को निशाना बनाना, किसी को उकसाना, देश के

नौनिहालों के बीच भेदभाव के बीज बोना कहां तक उचित है।

अविनाश वर्मा ने कहा कि जिस देश में जन्म के साथ यह बताया गया कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई हम सब हैं भाई-भाई, जहां गांव के मंचों से लेकर प्राचीर लाल किले से प्रतिवर्ष देश को आह्वान किया गया कि जात-पात से ऊपर उठकर देश के विकास में अपने को समर्पित करना ही देशभक्ति की पहचान है, ऐसे में ऐसे प्रावधान क्यों।

उन्होंने कहा कि वास्तव में सत्ता में बैठे कुछ लोग ही नहीं चाहते हैं कि देश में सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रहे।

उन्होंने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई का अनुरोध स्वीकार कर लिया है जो फिलहाल स्वर्ण समाज के विद्यार्थियों व आंदोलन कर रहे लोगों के लिए राहत वाली बात है। अविनाश वर्मा ने संबंधित मंत्रालय के साथ सरकार में बैठे सक्षम माननीयों से भी यूजीसी के अंतर्गत नए नियमों पर पुनर्विचार के साथ देश हित में निर्णय लेने का आग्रह किया है।

श्री शर्मा ने कहा कि इतिहास के पन्नों में कोई युद्ध इसलिए नहीं याद किया जाता कि कौन जीता- कौन हारा बल्कि युद्ध इसलिए याद किया जाता है कि किसने पीठ पर गोलियां खाई व किसने सीने पर गोलियां।?मगर अब स्वर्ण समाज सिर्फ अपने बच्चों के सीने पर गोली लगते नहीं देख सकता।

केरेडारी कोल माइनिंग प्रोजेक्ट में गतिरोध

केरेडारी (हजारीबाग)। केरेडारी कोल माइनिंग प्रोजेक्ट में चल रही कार्य बंदी को लेकर विवाद और गहराता जा रहा है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि यूनियन द्वारा की गई बंदी पूरी तरह गैरकानूनी है। कंपनी के अनुसार, आधे से अधिक वर्कर आज भी काम करना चाहते हैं, लेकिन बंदी और मौजूदा हालात के कारण खनन कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है। बीजीआर माइनिंग ने स्पष्ट किया है कि मजदूरी बढ़ोतरी से जुड़ा मामला जब वर्करों द्वारा लेबर कोर्ट में ले जाया गया है, तो कंपनी कोर्ट के फैसले का सम्मान करेगी और निर्णय आने के बाद ही काम शुरू करेगी। फिलहाल नो वर्क, नो पेमेंट के आधार पर सभी माइनिंग गतिविधियां बंद रखी गई हैं। इस बंदी का व्यापक असर केरेडारी और आसपास के इलाकों में देखने को मिल रहा है। खनन कार्य बंद होने से स्थानीय बाजारों में रौनक गायब हो गई है और मजदूरों, व छोटे व्यापारियों को आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। स्थानीय बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है ।आधे से ज्यादा वर्कर काम शुरू होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

गिरिडीह। नावाडीह सामाजिक दायित्व के तहत मर्सी हॉस्पिटल गिरिडीह द्वारा नावाडीह शिव मंदिर परिसर में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 200 से अधिक ग्रामीण एवं शहरी जरूरतमंद मरीजों ने विभिन्न बीमारियों की जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया।शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराना था।शिविर में मर्सी हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम द्वारा एनीमिया, हृदय मधुमेह ब्लड प्रेशर स्त्री रोग सामान्य रोग बच्चों के स्वास्थ्य आंख हड्डी एवं जोड़ दर्द से संबंधित समस्याओं की जांच की गई। मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं शिविर में मर्सी हॉस्पिटल के डॉ. पी.एच. मिश्रा सीईओ मर्सी हॉस्पिटल डॉ. प्रियंका ने अपनी सेवाएं दीं और सैकड़ों मरीजों की व्यक्तिगत जांच कर उन्हें सही उपचार व परामर्श दिया इस अवसर पर डॉ. पीएच मिश्रा ने कहा मर्सी हॉस्पिटल समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे स्थानीय ग्रामीणों एवं समाजसेवियों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायक हैं शिविर में बड़ी संख्या में महिलाएं बुजुर्ग और बच्चे शामिल हुए।

वरिष्ठ पत्रकार विनय विनीत का दिल्ली में निधन, पत्रकारिता जगत में शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। पत्रकारिता जगत ने अपना एक सशक्त स्तंभ और जनसरोकारों की बुलंद आवाज खो दी है। बोकारो के खैराचातर निवासी वरिष्ठ पत्रकार विनय विनीत का नोएडा दिल्ली में निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे बोकारो जिले सहित झारखंड के पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

26 जनवरी 1952 को जन्मे विनय विनीत ने उस दौर में पत्रकारिता की राह चुनी जब गांवों में अखबारों की पहुंच सीमित थी। स्वर्गीय द्वारका प्रसाद भगत और शांति देवी के ज्येष्ठ पुत्र के रूप में उन्होंने घर में ही सामाजिक चेतना का पाठ पढ़ा। 1980 के दशक में वे न केवल खुद अखबार पढ़ते थे, बल्कि ग्रामीणों को खबरें सुनाकर जागरूक भी करते थे। यही चिंगारी आगे चलकर एक मशाल बनी।

विनय विनीत जी का पत्रकारिता सफर स्वर्णिम रहा। उन्होंने अपनी

निर्भीक लेखनी से दैनिक प्रदीप, सर्चलाइट, इंडियन नेशन और जनसत्ता रांची एक्सप्रेस, हिंदुस्तान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी छाप छोड़ी। वे हिंदी समाचार एजेंसी हिंदुस्थान समाचार से भी लंबे समय तक जुड़े रहे।

आकाशवाणी के लिए उनकी प्रस्तुति ह्यगिरिडीह बोकारो जिले की चिट्ठी इतनी लोकप्रिय थी कि लोग इसका बेसब्री से इंतजार करते थे।

रांची एक्सप्रेस और आवाज के माध्यम से उन्होंने तत्कालीन गिरिडीह और बेरमो अनुमंडल क्षेत्र की समस्याओं को बेबाकी से शासन के सामने रखा। बाद में वे हिंदुस्तान अखबार से जुड़कर बोकारो की गतिविधियों को धार देते रहे।

बिहार और झारखंड सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकार रहे विनय विनीत अपनी ईमानदारी और निष्पक्षता के लिए जाने जाते थे। उनकी पत्रकारिता की इसी गौरवशाली विरासत को उनके बड़े पुत्र निलेश निलयम वर्तमान में न्यूज-18, नई दिल्ली में कार्यरत हैं। उनके निधन पर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के पूर्व विधायक विरंची नारायण, डॉ. लंबोदर महतो, संजय कुमार सिंह, कुमार प्रभात रंजन और सुचित्रा सिंह सहित भारी संख्या में पत्रकारों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों में यदुनंदन जायसवाल,पत्रकार शेखर शरदेंदु, दीपक सवाल, रमेश चंचल, योगो पूर्ति , विकाश गोस्वामी ने शोक व्यक्त किया है।

टाटा पावर ने बोकारो में ईजेड होम अजीत दादा की यादों में श्रद्धा-सैलाब ऑटोमेशन सॉल्यूशंस किया लॉन्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। देश की अग्रणी एकीकृत पावर कंपनी टाटा पावर ने बोकारो में अपने अत्याधुनिक ईजेड होम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस की शुरूआत की है। यह पहल टाटा पावर और सूर्य मित्र एंटरप्राइजेज के संयुक्त प्रयास से पांडे ब्रिज के पास, चिरा चास, बोकारो में संपन्न हुई। इसके साथ ही शहर के निवासियों को स्मार्ट और ऊर्जा-कुशल होम सॉल्यूशंस की सुविधाजनक पहुंच मिलेगी। ईजेड होम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस के तहत स्मार्ट सॉकेट्स, टच पैनल स्विचेज, रेट्रोफिटेबल स्मार्ट कन्वर्टर्स और मोशन सेंसर्स जैसे आधुनिक उत्पाद पेश किए गए हैं। ये समाधान ऐप-आधारित नियंत्रण, रियल-टाइम ऊर्जा निगरानी, स्वचालित शेड्यूलिंग, ओवरलोड सुरक्षा और ऑफलाइन कार्यक्षमता जैसी सुविधाओं से लैस हैं, जिससे घरों में सुरक्षा, सुविधा और बिजली खर्च प्रबंधन बेहतर होता है। कंपनी के अनुसार, ये समाधान नए और मौजूदा दोनों प्रकार के घरों के लिए उपयुक्त हैं तथा इन्हें आसानी से इंस्टॉल किया जा सकता है। बोकारो में शुरू किया गया ईजेड होम एक्सपीरियंस सेंटर उपभोक्ताओं के लिए एक वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में कार्य करेगा, जहां वे स्मार्ट होम तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देख और अपनी जरूरत के अनुसार चुन सकेंगे। यह

लॉन्च बोकारो जैसे उभरते शहरों में भविष्य-उन्मुख, स्मार्ट और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में टाटा पावर की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

मुस्लिम बहन ने हिंदू रीति से लावारिस शव का अंतिम संस्कार कर बढ़ाया मानवता का संदेश

पूर्णिया। समाज सेवा और मानवता की मिसाल पेश करने वाली घटना बुधवार को पूर्णिया में देखने को मिली। प्रातः 10:00 बजे सेवा कुटीर (भिक्षुक गृह) के एक लाभार्थी, जो पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे, का मेडिकल कॉलेज पूर्णिया में निधन हो गया।सूचना मिलते ही हेना सईद और रविंद्र कुमार साह तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचे और मृतक की अंतिम संस्कार की सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कीं। लेकिन सबसे उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि हेना सईद ने मृतक का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार किया–कफन देना, लकड़ी का सारा तैयार करना और मुखाग्नि देना–जो एक मानवता और आपसी सम्मान की सर्वोच्च अभिव्यक्ति के रूप में सामने आया। अंतिम संस्कार कप्तानपुर में संपन्न हुआ।यह घटना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि सच्चे सामाजिक संस्कार और मानवीय चेतना का परिचायक है। यह संदेश देती है कि समाज में धर्म, जाति और संप्रदाय की सीमाएं इंसानियत के सामने कोई बाधा नहीं बन सकती। हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर मानव सेवा को सर्वोपरि मानना चाहिए।हेना सईद पिछले कई वर्षों से लावारिस व्यक्तियों की सेवा में लगी हुई हैं। उनका कार्य केवल देखभाल या इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उनका अंतिम संस्कार करना भी उनका पुनीत धर्म बन चुका है। इस कार्य में उन्हें पति और परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त है, और रविंद्र कुमार शाह भी हर कदम पर उनका साथ दे रहे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों में इस प्रकार की सेवा ने हेना सईद को लावारिस लोगों की मसीहा के रूप में पहचान दिलाई है।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। समाज और संगठन के प्रिय नेता अजीत पवार, जिन्हें सभी स्नेहपूर्वक अजीत दादा के नाम से जानते थे, की स्मृति में मानव अधिकार एवं अपराध संरक्षण संघ ने एक भावपूर्ण आभासी मौन प्रार्थना सभा का आयोजन किया। भारत के विभिन्न राज्यों से आए संघ के राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पदाधिकारीगण ने अपने गहन श्रद्धा भाव के साथ उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।

सभा का आयोजन बिहार यूनिट के डॉ. अक्षय शर्मा ने किया, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीता वर्मा ने विशेष उपस्थिति दर्ज कराते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए नेतृत्वकारी प्रार्थना में भाग लिया। उन्होंने कहा कि अजीत दादा का जीवन समर्पण, संघर्ष और समाज सेवा का प्रतीक था। उनके आदर्श और किए गए कार्य समाज और संगठन के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। अजीत पवार ने जीवनभर समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निस्वार्थ प्रयास किए। स्थानीय राजनीति में उनकी सक्रिय भागीदारी ने पंचायत और जिला स्तर पर जनता की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, दलित अधिकारों और मानवाधिकारों के क्षेत्र में उनके प्रयासों ने उन्हें समाज में सम्मानित और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बना दिया। रोजगार सृजन, कृषि विकास और सामाजिक कल्याण से जुड़े उनके अभियान आज भी समाज में मिसाल बने हुए हैं।सभा में उपस्थित प्रमुख सदस्य और पदाधिकारी – संजय पावार, सरस्वती परमार, मनीष श्रीवास्तव, पंकज कामले, कंचन मोटधारे, पुष्पा सिंह, अरुण टांक, रविंद्र, संगीता, शालिनी, राजेश सिंह, किरण सिंह, कलावती, अधिवक्ता बबीता चौधरी (राष्ट्रीय संवैधानिक प्रमुख), अधिवक्ता रजनी, अधिवक्ता सुमन (कानूनी सलाहकार, बिहार), और अधिवक्ता अंजली श्रीवास्तव (बिहार अध्यक्ष) अधिवक्ता प्रेरणा गुप्ता ने भी गहन श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभा में उपस्थित सभी ने मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने अजीत दादा के व्यक्तित्व, उनके संघर्ष और समाज के प्रति योगदान को याद करते हुए उनके प्रति गहरा सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। शोक संतप्त परिवार को धैर्य और संबल देने की कामना करते हुए उपस्थित सभी ने यह संकल्प लिया कि अजीत दादा के आदर्श और कार्य हमेशा समाज और संगठन के हृदय में जीवित रहेंगे।कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना के साथ हुआ।

आद्रा मंडल के तहत पार्किंग के लिए ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा आद्रा मंडल के तहत ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। कैटलॉग आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं: **कैटेगरी: पार्किंग, ऑक्शन कैटलॉग संख्या: पार्क100, लॉट संख्या/कैटेगरी:** पार्किंग-आद्रा-बीकेएससी-एमएक्स-82-26-1 (पार्किंग-मिक्स्ड)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** दिनांक 10.02.2026, 12.00 बजे। **नीलामी समाप्त होने की तिथि/समय:** दिनांक 10.02.2026, 12.30 बजे। **टिप्पणी:** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **(www.ireps.gov.in)** पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। किसी प्रकार की पूछताछ/स्पष्टीकरण के लिए, कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-1115) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

एक नजर

बाइक उड़ा ले गए चोर, लगाई न्याय की गुहार

रजौली/नबिटा संवाददाता। गुरुवार की सुबह लगभग 9 बजे पशु चिकित्सालय में कार्यरत कर्मी का काला और लाल रंग का ग्लैमर बाइक को अज्ञात चोर ले उड़े। पीड़ित चितरकोली गांव निवासी प्रसाद यादव के पुत्र पप्पू कुमार ने बताया कि वे पशु चिकित्सालय रजौली में कार्यरत हैं और जगजीवन नगर के एक निजी भवन में रह रहे चिकित्सक से मिलने आए थे। वे अपनी बाइक ग्लैमर संख्या जेएच02एके2706 को भवन के नीचे एवं साहू फर्नीचर के समीप लगाकर चिकित्सक से मिलकर लौटे, तो देखा की उनकी बाइक नहीं है। पीड़ित ने आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगालने का प्रयास किया, तो गली के सामने एक दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति ग्लैमर बाइक का लॉक तोड़कर पुरानी बस स्टैंड की तरफ जाता हुआ दिख रहा है। पीड़ित ने थाने को लिखित आवेदन देकर चोरी की बाइक की बरामदगी की गुहार लगाई है।

गोवर्धन मंदिर का वार्षिकोत्सव सह त्रिदिवसीय अनुष्ठान शुरू

नवादा/नबिटा ब्यूरो। दक्षिण भारत शैली में निर्मित नवादा के सुविख्यात गोवर्धन मंदिर का तीसरा वार्षिकोत्सव सह त्रिदिवसीय अनुष्ठान गुरुवार से प्रारंभ हो गया। प्रथम दिन वेदी निर्माण, पंचांग पूजन, नवग्रह पूजन, सर्वतोभद्र पूजन एवं आवाह्न पूजन जैसे वैदिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न हुए। वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिमय वातावरण में डूब गया। आचार्य कुमार गौरव शुक्ल के निर्देशन में दर्जनों विद्वान पंडितों ने अनुष्ठान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। सदर विधायक विभा देवी के ज्येष्ठ सुपुत्र एकलव्य कुमार सपत्नीक जजमान की भूमिका में रहे। वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वयं विधायक विभा देवी ने मंदिर प्रांगण में व्यवस्थाओं की कमान संभाली। आचार्य कुमार गौरव शुक्ल ने बताया कि गोवर्धन मंदिर की प्रतिष्ठा अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रही है। यहां प्रतिमाह विशेष पूर्णिमा पूजा के अलावा वर्ष भर विविध धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। मंदिर स्थापना दिवस पर आयोजित त्रिदिवसीय अनुष्ठान यज्ञ के समान होता है, जिसमें समस्त देवताओं का आह्वान एवं अभिषेक किया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक लाभ मिलता है। गोवर्धन मंदिर समिति के सचिव महेंद्र यादव ने बताया कि 30 और 31 जनवरी को भजन संध्या एवं झांकी दर्शन का आयोजन होगा, जिसका श्रद्धालु विशेष लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि मंदिर समिति के अध्यक्ष सह पूर्व श्रम राज्य मंत्री राजबल्लभ प्रसाद के सौजन्य से यह त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें देश के नामचीन आचार्य एवं कलाकार अनुष्ठान, भजन संध्या, प्रवचन और झांकी दर्शन की प्रस्तुति देते हैं।

मिर्जापुर स्पोर्टिंग क्लब 10 विकेट से जीता

नवादा/नबिटा ब्यूरो। जिला क्रिकेट एसोसिएशन नवादा के तत्वाधान में सिरदला के लौंद हाई स्कूल में आयोजित ए डिविजन लीग के एक मुकाबले में आज मिर्जापुर स्पोर्टिंग क्लब का मुकाबला युवा शक्ति क्रिकेट क्लब के बीच हुआ। युवा शक्ति क्रिकेट क्लब के कप्तानने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 32 ओवर में 172 बनाकर ऑल आउट हो गई जिसमें दीप जयप्रकाश ने 78 रन जितेंद्र कुमार ने 30 जबकि सचिन ने 22 रनों का योगदान अपनी टीम के लिए दिया। गेंदबाजी करते हुए मिर्जापुर स्पोर्टिंग क्लब के गेंदबाज मनीष कुमार ने तीन जबकि निशांत एवं गुलशन ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मिर्जापुर स्पोर्टिंग क्लब के दोनों ही ओपनर बल्लेबाज निशांत कुमार नवाद रहते हुए 89 रन जबकि अंकित ठाकुर ने भी नवाद 67 का योगदान देकर अपनी टीम को 10 विकेट से दिला दी। आज के मैच में शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करने वाले निशांत कुमार को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी गई। वही कादिरगंज में खेले जा रहे हैं बी डिवीजन लीग में युवराज क्रिकेट क्लब ने अकबरपुर की टीम को 56 रनों से हरा दिया। युवराज क्रिकेट क्लब के बल्लेबाज धर्म कुमार ने एक बार फिर शतक बनाया और उसका साथ श्रेयांश ने 60 बनकर दिया।

फगुनाहट के बीच हुआ चैता का अहसास

नवादा/नबिटा ब्यूरो। अहिंसा एवं शांति के विश्व उद्घोषक जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की निर्वाण भूमि पावापुरी की वादियों में गायक कलाकार नवादा के दीपक जैन का भक्तिमय तराना गूंजा। श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र पर विगत 21 जनवरी से 25 जनवरी तक आयोजित श्रीमज्जिनेंद्र चौबीसी पंच कल्याणक महोत्सव में उन्होंने अपनी गायकी के माध्यम से जिनभक्ति की गंगा प्रवाहित की।

पंच कल्याणक महोत्सव के समापन की पूर्व संध्या पर उन्होंने अपनी भक्तिमय प्रस्तुति से देश के विभिन्न हिस्सों से भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन के दौरान भगवान के कैवल्य ज्ञान दिवस पर जहां डिवोशनल सिंगर दीपक जैन की "हो रही जय-जयकार ओs महावीरा तेरी..." की संगीतमय प्रस्तुति से पावापुरी की पवित्र अहिंसात्मक धरती गुंजायमान हो उठी, वहीं उनकी एक अन्य प्रस्तुति "वीर प्रभु लिहले जनमवा हो रामा, कुंडलपुर में..." ने इस फगुनाहट में श्रद्धालुओं को भक्तिमय चैता का अहसास कराया। सुर-ताल की इस भक्ति-गंगा में पांडाल में भारी तादाद में मौजूद देश के विभिन्न हिस्सों से भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने खूब डुबकी लगाई।

किसान सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

नगरनौसा/नबिटा संवाददाता। प्रखंड अंतर्गत ई-किसान भवन, नगरनौसा में गुरुवार को प्रखंड किसान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष हरिनारायण प्रसाद ने की। बैठक में किसानों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, कृषि विकास, तकनीकी सहयोग, बीज व उर्वरक उपलब्धता सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही किसानों की समस्याओं के समाधान और उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने पर जोर दिया गया। बैठक में प्रखंड प्रमुख रंजू कुमारी, समिति के उपाध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद, सचिव सह प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अमित कुमार, सदस्य मिथलेश कुमार, आनंद कुमार, अखिलेश कुमार, जवाहर प्रसाद सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

346 युवाओं को मिला रोजगार सपनों को मिला ठोस आधार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले के युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त पहल करते हुए समाहरणालय नवादा (जन-सम्पर्क शाखा) के तत्वावधान में द्वितीय जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला का भव्य आयोजन संयुक्त श्रम भवन, नवादा परिसर में किया गया। यह मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा, जो रोजगार की तलाश में कौशल और अवसर के बीच सेतु खोज रहे हैं। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक (नियोजन), मगध प्रमंडल, गया जी, प्रियंका कुमारी ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक (नियोजन) रजिया इदरिशी, उप प्रधानाचार्य, सरकारी आइटीआई नवादा, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी, नवादा सदर सहित जिला मुख्यालय के कई वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला नियोजन पदाधिकारी सुनील कुमार सुमन ने अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत करते हुए मेले के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरकारी आईटीआई के उप प्रधानाचार्य ने युवाओं से केवल सरकारी नौकरी तक सीमित न रहकर निजी क्षेत्र में कौशल आधारित रोजगार के अवसरों को अपनाने का आह्वान किया। वहीं सहायक निदेशक (नियोजन) ने स्टडी किट योजना, टूल किट योजना और समुद्र पार रोजगार ब्यूरो सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्रियंका कुमारी ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि "युवाओं को पहले कौशल अर्जन, फिर रोजगार और आगे चलकर स्वरोजगार की ओर बढ़ना चाहिए। आज का युवा केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि भविष्य का रोजगारदाता बने—यही समय की मांग है।" मेले में निजी क्षेत्र के 25 प्रतिष्ठित नियोजकों ने भाग लिया। कुल 1236 अभ्यर्थियों के बायोडाटा प्राप्त हुए, जिनमें साक्षात्कार के बाद 346 युवाओं का मौके पर ही चयन किया गया। साथ ही डीआरसीसीसी, आत्मा (कृषि विभाग), जिला उद्योग केंद्र एवं पीएनबी आरसेटी के सूचना-सह-मार्गदर्शन स्टॉलों के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला नियोजन पदाधिकारी ने मेले को "युवाओं के सपनों और अवसरों के बीच एक मजबूत पुल" बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करते हैं। नवादा में यह मेला स्पष्ट संदेश देकर गया—कौशल, अवसर और संकल्प के साथ युवा भविष्य गढ़ने को तैयार हैं।

वोटर जागरूकता को लेकर पदयात्रा, 500 से अधिक युवाओं की सहभागिता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। मेरा युवा भारत, नवादा के तत्वावधान में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से मतदाता जागरूकता को लेकर नवादा के मिर्जापुर में भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य मताधिकार के महत्व को लेकर समाज में जागरूकता फैलाना तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करना था, ताकि मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सके।

करीब चार किलोमीटर लंबी पदयात्रा मिर्जापुर स्थित कृष्ण प्रसाद खेल मैदान से शुरू होकर इंदिरा चौक तक गई और पुनः वहीं समाप्त हुई। इसमें लगभग 500 युवा एवं युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने "पहले मतदान, फिर जलपान" जैसे नारों के माध्यम से लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी युवाओं को मताधिकार के प्रयोग की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय कोच एवं प्रख्यात शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर मेरा युवा भारत कार्यालय के मनीष कुमार गिरि, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कीर्ति रंजन, सब इंस्पेक्टर विक्रम कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने पर दिया बल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। रजौली प्रखंड क्षेत्र के इंटर स्कूल छपरा में सीआरसी छपरा,सीआरसी करिगांव एवं सीआरसी रजौली पूर्वी के सीआरसी स्तर के प्रधानाध्यापकों के बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में नगर पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। इस बैठक में सीआरसी हेड एवं कॉर्डिनेटर की विशेष उपस्थिति रही, जिससे बैठक और अधिक प्रभावी एवं मार्गदर्शक बनी।बैठक में सीआरसी हेड सहित निपुण भारत मिशन के मास्टर ट्रेनर जितेन्द्र कुमार, कुनाल सिंह, अंजू कुमारी, आयुष आनंद एवं कुमारी उपस्थित रहीं। बैठक का संचालन पिरामल फाउंडेशन के गांधी फेलो प्रशांत सोनटक्के द्वारा किया गया। बैठक के दौरान निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्रखंड की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही एफएलएन, टीएलएम, विद्यालय पुस्तकालय, बाला पेंटिंग एवं प्रातःकालीन सभा से जुड़ी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कक्षा अवलोकन के माध्यम से विद्यालय एवं सीआरसी स्तर पर आ रही समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक समाधान पर सहमति बनाई गई। इस अवसर पर सभी विद्यालयों में पुस्तकालय की स्थापना एवं नियमित संचालन, प्रभावी विद्यालय प्रबंधन तथा छात्रों के अधिगम परिणामों में सुधार पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक माह सीआरसी स्तर पर प्रधानाध्यापकों की नियमित बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित सभी प्रधानाध्यापकों ने शैक्षणिक गुणवत्ता एवं निपुणता स्तर को बढ़ाने हेतु संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया तथा निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भूकंप सुरक्षा मॉक ड्रिल एवं सीबीआरएन टेबल टॉप अभ्यास आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय परिसर, नवादा में भूकंप सुरक्षा के उद्देश्य से मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) एवं राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम द्वारा सीबीआरएन (रासायनिक, जैविक, विकिरणीय एवं नाभिकीय) विषय पर टेबल टॉप अभ्यास भी कराया गया। सीबीआरएन आधारित मॉक ड्रिल 30 जनवरी 2026 को आयोजित की जाएगी।

भूकंप मॉक ड्रिल के दौरान आपदा की काल्पनिक स्थिति उत्पन्न कर राहत एवं बचाव कार्यों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। इसमें त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली, सुरक्षित निकासी व्यवस्था, प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर प्रशिक्षण के साथ-साथ भूकंप जोखिम न्यूनीकरण उपायों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपदा के समय विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, त्वरित निर्णय क्षमता तथा उपलब्ध संसाधनों के कुशल उपयोग का परीक्षण करना रहा।

मॉक ड्रिल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व तैयारी एवं जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। समय पर सही निर्णय एवं समन्वित प्रयासों से जान-माल की क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इस अवसर पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी, उत्पाद विभाग, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, प्रधानाचार्य, राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय नवादा, सहायक कमांडेंट एनडीआरएफ सहित एसडीआरएफ एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी की सक्रिय सहभागिता से अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पोकसी में विशेष स्वास्थ्य कैम्प आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। प्रखण्ड के पोकसी गांव में गुरुवार को विशेष स्वास्थ्य कैम्प आयोजित की गई। कैम्प एसबीआई फाउंडेशन एवं उत्थान शिक्षा समिति द्वारा आयोजित की गई। कैम्प में डॉ. शहवाज सिद्दीकी ने नाक, कान, आंख एवं गले से जुड़े सभी रोगों की जानकारी दी। लोगों को एक- एक कर रोगों के नाम, उनके लक्षण एवं बचाव की जानकारी दी गई। डॉ. गौरव कुमार ने लोगों को सामान्य रोगों से जुड़ी विविध जानकारियां दी। उन्होंने स्वास्थ्य एवं पोषण एवं स्वच्छता की भी जानकारी दी। परियोजना प्रबंधक संदीप कुमार पांडेय ने लोगों को स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देकर जागरूक किया। इस दौरान लोगों के पूछे सवालों के भी जवाब दिए गए। लोगों को खान- पान पर विशेष ध्यान देने, नियमित रूप से एक्सरसाइज करने आदि की सलाह दी गई। इस अवसर पर लैब टेक्नीशियन गौतम कुमार, एएनएम संध्या कुमारी, पंचायत समिति सदस्या आसो देवी, ग्राम पंचायत सदस्य अविनाश कुमार, सुनील मांझी, आंगनबाड़ी सेविका सुशीला कुमारी, उर्मिला कुमारी, आशा रिंकू कुमारी, लक्ष्मीनिया देवी, ग्रामीण दीपक कुमार, राजू कुमार, रितेश कुमार, वरुण कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

सौर उर्जा के प्रति जागरुकता फैलाने की आवश्यकता : एसडीओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। विद्युत विभाग के तत्वाधान में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा अग्रदूत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल ने की. संबोधन में अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल ने कहा कि सरकार की यह अच्छी पहल है लोग भी जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है, सौर ऊर्जा का इस्तेमाल हम सभी लोगों को करना चाहिए, ऊर्जा का अक्षय एवं असीम स्रोत है, जो पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान विद्युत कार्यपालक अभियंता, एएसपी शुश्री शैलजा ने सौर ऊर्जा के महत्व के बारे में जानकारी दिया, डीएसपी कुमार ऋषिराज ने सरकार की चलाए जा रहे हैं सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नियम के अनुसार जो सरकार विभागीय कार्य करती है उसे हम लोग धरातल पर उतरने का प्रयास करते हैं. जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा की तुलना में सौर ऊर्जा भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ाती है। उन्होंने आम नागरिकों से अपने घरों की छतों पर सोलर संयंत्र लगाने हेतु परिवारजनों को प्रेरित करने की अपील की तथा योजना की सफलता में बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।इस दौरान विद्युत अधीक्षण अभियंता,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बिहारशरीफ,विद्युत अधीक्षण अभियंताएवं विद्युत अधीक्षण अभियंता सौर ऊर्जा से संबंधित अपनी बात रखने का कार्य किया.प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत नालंदा जिले की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि जागरूक उपभोक्ताओं एवं कर्मठ संवेदकों के सहयोग से नालंदा जिला पूरे बिहार में दूसरा स्थान प्राप्त करने में सफल रहा है।इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, हिलसा द्वारा योजना के अंतर्गत सोलर संयंत्र स्थापित कर अपनी विद्युत खपत को शून्य करने वाले 30 उपभोक्ताओं को सम्मानित किया गया।पुरस्कृत उपभोक्ताओं में अमरेंद्र कुमार, विनोद प्रसाद सिंह, सुरेश प्रसाद केशरी, अजय कुमार एवं संजू कुमारी रहे। एएसपी सुश्री शैलजा द्वारा निकाले गए लकी ड्रॉ के माध्यम से मेगा गिफ्ट प्रदान किया गया। सभी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।इसके अतिरिक्त जिले में बेहतर कार्य करने वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से संबद्ध पांच चयनित संवेदकों को भी पारितोषिक एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन नीरज कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता, एकंगरसराय द्वारा किया गया।इस अवसर पर विद्युत एसडीओ आकाश कुमार गुप्ता व अनुमंडल एवं जिला स्तर के कई वरीय पदाधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में उपभोक्ता उपस्थित रहे।

बाइक चोर गिरोह के चार अभियुक्त गिरफ्तार, तीन मोटरसाइकिल बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। बुंदेलखंड थाना मे गिरफ्तार बाइक चोर गिरोह के चार अभियुक्तों को विधिवत न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेजा गया। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है।

पुलिस के अनुसार गिरोह के पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इसके साथ ही चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त पीतल का एक मास्टर चाभी तथा दो अन्य मास्टर चाभियां, कुल तीन मास्टर चाभियां जब्त की गई हैं। इसके अलावा एक लोहे का पेचकस और दो स्मार्टफोन भी बरामद किए गए हैं, जिनका उपयोग अपराध की योजना बनाने और संपर्क के लिए किया जाता था।

बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्त लंबे समय से विभिन्न थाना क्षेत्रों में बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि गिरोह से पूछताछ के आधार पर अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा होने की संभावना है। मामले की आगे की जांच जारी है।

बाल विवाह के खिलाफ बच्चों ने ली शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। प्रखण्ड के महंत रामधन पुरी इंटर विद्यालय एवं मध्य विद्यालय बुधौली में गुरुवार को नेहा फाउंडेशन द्वारा बाल विवाह के खिलाफ चलाये जा रहे कार्यक्रमों के तहत बच्चों को विविध जानकारियां दी गई। बच्चों को बाल विवाह अधिनियम की जानकारी दी गई। बताया गया कि 21 वर्ष से कम आयु के लड़के एवं 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का बाल विवाह कानूनन अपराध है। बाल विवाह करवाने वाले दोषी माता- पिता तथा रिश्तेदारों को 2 साल तक की सजा और 1 लाख का जुर्माना या दोनों हो सकता है। बाल विवाह करवाने वाले पंडित, मौलवी एवं पादरी को भी सजा हो सकती है। इंटर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बाल विवाह एक ऐसी कुप्रथा है, जो शारीरिक, मानसिक शोषण, गरीबी आदि दुष्चक्र को बढ़ावा देती है। इस बीच प्लस टू के शिक्षक डॉ.रंजन आर्य ने बाल विवाह के खिलाफ बच्चों को शपथ दिलाई। बच्चों एवं शिक्षकों ने बाल विवाह के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। इस अवसर पर शिक्षक अरविंद कुमार, विद्यानंद चौरसिया, अजीत कुमार, धीरज कुमार, उदय कुमार, मध्य विद्यालय बुधौली के प्रधानाध्यापक राजकुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

विद्यालय शिक्षा समिति को दी गई दायित्वों की जानकारी

पकरीबरावां। गुरुवार को संकुल संसाधन केंद उच्च माध्यमिक विद्यालय पकरीबरावां उत्तरी में विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक सुबोध कुमार एवं ललन कुमार द्वारा विद्यालय शिक्षा समिति के कार्यों और दायित्वों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक डॉ. गुलाम दस्तगीर खान, डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा, मो.अताउल्लाह अंसारी, निभा कुमारी, दिलीप कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रशिक्षु डीएसपी के तबादले पर विदाई समारोह

नवादा/नबिटा ब्यूरो। जिले के नेमदारगंज थाना में पदस्थापित प्रशिक्षु डीएसपी के तबादले के अवसर पर थाना परिसर में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे थाना परिसर में भावुक माहौल देखने को मिला। अपने कार्यकाल में प्रशिक्षु डीएसपी ने कानून-व्यवस्था संधारण, जनसंपर्क और प्रभावी पुलिसिंग के माध्यम से एक सकारात्मक छवि बनाई। उनके सहयोगात्मक व्यवहार और निष्पक्ष कार्यशैली के कारण पुलिसकर्मियों के बीच उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त था, जिससे उनके तबादले की सूचना पर सभी की आंखें नम नजर आईं। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों ने थानाध्यक्ष राजन कुमार के कार्यकाल की भी सराहना की। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार, अपर थानाध्यक्ष प्रेम कुमार, एसआई संतोष कुमार सिंह, पीएसआई प्रिया कुमारी, पीएसआई मनीष कुमार, एसआई सुधीर यादव, एएसआई अरविंद कुमार सहित सभी पुलिसकर्मी एवं चौकीदार उपस्थित रहे। थाना क्षेत्र से आए गणमान्य लोगों ने भी प्रशिक्षु डीएसपी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में स्मृति-चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

रजौली में सरकारी सड़क तोड़कर अतिक्रमण की कोशिश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रजौली (नवादा)। रजौली अंचल अंतर्गत टकुआटांड़ के महसई मोहल्ले में सरकारी संपत्ति के नुकसान और अतिक्रमण का गंभीर मामला सामने आया है। यहां सार्वजनिक उपयोग के लिए निर्मित पीसीसी सड़क को निजी बाउंड्री वॉल खड़ी करने के उद्देश्य से तोड़े जाने का आरोप लगा है। यह घटना न केवल सरकारी संसाधनों की बर्बादी को उजागर करती है, बल्कि आम नागरिकों के आवागमन के अधिकार पर भी सीधा प्रहार है। मथुरासिनी कॉलेज के समीप स्थित मोहल्ले की निवासी संजू देवी (पिता—स्व. शर्मा राम) ने पड़ोसी ज्ञान रंजन कुमार (पिता—फूलचंद राम) पर आरोप लगाया है कि उन्होंने बिना अनुमति सार्वजनिक मार्ग की पक्की ढलाई को क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क का उपयोग दर्जनों परिवार प्रतिदिन करते हैं और इसके टूटने से आवागमन बाधित हो रहा है। इस मनमानी से मोहल्ले में असंतोष और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। शिकायत के अनुसार, पीसीसी सड़क को तोड़ने का उद्देश्य वहां अवैध रूप से बाउंड्री वॉल का निर्माण करना है। पीड़िता का कहना है कि विरोध के बावजूद कार्य जारी है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यह प्रवृत्ति आगे चलकर कानून-व्यवस्था की समस्या का रूप ले सकती है। न्याय की आस में पीड़िता ने रजौली के अंचल अधिकारी को लिखित आवेदन देकर त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने मामले की स्थल जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा सड़क को पूर्ववत स्थिति में बहाल करने का अनुरोध किया है। अधिकारी का पक्ष— इस संबंध में अंचल अधिकारी गुफरान मजहरी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद स्थल निरीक्षण किया गया है। जांचोपरांत सरकारी सड़क को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति को नोटिस भेजा जा रहा है। साथ ही सरकारी संपत्ति को हुई क्षति का आकलन कर जुर्माना वसूला जाएगा और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राइस मिल और आवास पर आयकर की छापेमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। शहर में गुरुवार की सुबह आयकर विभाग की टीम ने धान और चावल कारोबार से जुड़े बड़े कारोबारी राजेश गुप्ता के ठिकानों पर सर्वे कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई एक साथ उनके आवास और राइस मिल पर की गई, जो दिनभर जारी रही।जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी गोदाम स्थित राजेश गुप्ता के आवास और बुनियादगंज थाना क्षेत्र के कुर्मी टोला में स्थित उनकी राइस मिल में आयकर विभाग की टीम ने जांच की। टीम ने कारोबार से जुड़े कागजात, लेन-देन के रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की गहन पड़ताल की।

- दस्तावेजों की टीम कर रही पड़ताल
- धान के सीजन में करते हैं खरीद-बिक्री
- पुलिस की चाक-चौबंद रही व्यवस्था

सर्वे के दौरान आयकर विभाग की टीम के साथ सीआईएसएफ के जवान भी तैनात रहे। आवास और राइस मिल के आसपास सुरक्षा घेरा बना दिया गया और बाहरी लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई, जिससे जांच प्रक्रिया बाधित न हो। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई पटना से आई आयकर विभाग की विशेष टीम द्वारा की जा रही है। स्थानीय प्रमंडलीय टीम को इस सर्वे से अलग रखा गया है, जिसके कारण स्थानीय अधिकारियों ने मामले में सीमित जानकारी होने की बात कही।

राजेश गुप्ता गयाजी के प्रमुख धान-चावल कारोबारियों में गिने जाते हैं। धान सीजन के दौरान वे किसानों से बड़े पैमाने पर खरीद करते हैं। फिर चावल की आपूर्ति उड़ीसा, केरल, कर्नाटक सहित कई राज्यों में करते हैं। उनकी राइस मिल में मिलिंग के बाद चावल विभिन्न बाजारों में भेजा जाता है।

सूत्रों ने बताया कि फिलहाल इस कार्रवाई को छापामारी नहीं बल्कि सर्वे बताया जा रहा है। आयकर विभाग की टीम दस्तावेजों के विश्लेषण के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचेगी। विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि सर्वे के दौरान राजेश गुप्ता अपने आवास पर मौजूद हैं।

जवान की हृदयाघात से मौत

आरा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के कोटा जंगल में तैनात सीआरपीएफ के जवान और शाहपुर प्रखंड के करनामेपुर गांव निवासी अशोक प्रसाद का बुधवार सुबह ड्यूटी के दौरान हृदयगति रुकने से असामयिक निधन हो गया। जैसे ही उनके निधन की सूचना सीआरपीएफ की 131वीं बटालियन की ओर से दूरभाष पर परिजनों को दी गई, गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

देश सेवा के प्रति पूरी तरह समर्पित रहे अशोक प्रसाद के निधन की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। उनकी पत्नी उषा देवी, पुत्रों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शोक की इस घड़ी में ग्रामीण और शुभचिंतक बड़ी संख्या में उनके आवास पर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं।परिजनों ने बताया कि मंगलवार की देर रात पोते के जन्मदिन के अवसर पर अशोक प्रसाद ने मोबाइल पर वीडियो कॉल के जरिए पूरे परिवार से बातचीत की थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि मार्च महीने में उनकी पोस्टिंग मुजफ्फरपुर होने की संभावना है।

प्रेम प्रसंग में युवक की चाकू से गोदकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पश्चिम चंपारण। जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। प्रेम प्रसंग से जुड़े आपसी विवाद में 18 वर्षीय युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। इस घटना से न केवल एक परिवार उजड़ गया, बल्कि पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

मृतक की पहचान पप्पू कुमार उर्फ पप्पू शाह (18), पिता छोटेलाल शाह, निवासी खड्डा बंगला टोला, वार्ड संख्या-1, थाना नौतन के रूप में हुई है। युवक का शव जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हरदिया मनझहरदिया कोठी फार्म इलाके में मिला, जो उसके घर से करीब पांच किलोमीटर दूर है। परिजनों के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब दो बजे पप्पू कुमार अपने ग्रामीण सुजीत साह के साथ बाइक से घर से निकला था। वह कुछ दिन पहले ही नेपाल के काठमांडू से लौटा था, जहां वह मेहंदी लगाने का कार्य करता था। घटना के समय उसके पिता मछली मारने गए हुए थे।

करीब एक घंटे बाद पप्पू के मोबाइल फोन से उसकी छोटी बहन भोलू कुमारी के नंबर पर कॉल आया। फोन हरदिया फार्म क्षेत्र में घास काट रही महिलाओं ने किया। महिलाओं ने परिजनों को बताया कि युवक को चाकू मार दिया गया है और उसने अंतिम क्षणों में घर सूचना देने को कहा था।

सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, जहां पप्पू की हालत बेहद गंभीर थी।

पुलिस के अनुसार, 28 जनवरी 2026 को दोपहर करीब एक बजे जगदीशपुर थानाध्यक्ष सौरव कुमार शर्मा को घटना की जानकारी मिली। घायल युवक को तत्काल 112 वाहन से जीएमसीएच बेतिया ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 विवेक दीप ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पटीदारों के नवयुवकों के बीच प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते पप्पू को बहाने से हरदिया मन इलाके में बुलाया गया और वहां उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया।

हमले के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के इरादे से मृतक की मोटरसाइकिल भी गायब कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है और युवक की मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि प्रेम, शक और गुस्से के टकराव में आखिर कब तक यूं ही युवाओं की जिंदगियां खत्म होती रहेंगी।

देश में मानवता हो रही तार-तार : रणधीर झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एक परिवार के मुखिया का प्रथम कर्तव्य होता है कि वो परिवार के सदस्यों में किसी भी प्रकार के भेदभाव या अनबन को अपनी समझ और शक्ति से समतामूलक भाव के साथ समझाईस देना और समरसता को बनाये रखना। किंतु आज भारत रूपी परिवार में जातीयता और ऊंच-नीच की दीवार खड़ी होती जा रही है और परिवार का मुखिया उस दीवार को ढहाने के वजाय खुद धर्म रूपी ईंट और फासीवाद रूपी पत्थर लेकर मनुवादी गारे के साथ खुद जोड़ने में लगा हुआ है,यह नफरत की दीवार इतनी मजबूत होती जा रही है कि मानवता रूपी हवा भी एक छोर से दूसरी छोर तक पहुंचने से पहले दम तोड़ रही है।

आज देश में आत्मीयता का वध किया जा रहा है सत्तारूढ़ दलों द्वारा ऐसे कानून बनाकर जो एक निरपराध को साजिशन तरीके से भी अपराधी बना सकेंगे बिना अपराध किए भी,यह वोटबैंक की राजनीति भारत की एकता पर कुठाराघात है इसके लिए भाजपा और संघ जिम्मेदार है देश मे ऐसे कानून बनने चाहिए कि किसी निर्दोष को दंड न मिले जबकि ऐसे कानून बनाए जा रहे हैं कि किसी बेगुनाह को जबरन अपराधी बनाया जा सके।

हमें जातीयता में बंटकर देश की अश्मिता को खंडित नही होने देना है यह भारत प्रेम, सत्य, अहिंसा की धरती है संविधान के मूल मंत्र जो समानता का भाव हर नागरिक में मन मे भरता है उसे ही पोषित करना है। रणधीर झा, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य,अखिल भारतीय असंगठित कामगार कांग्रेस।

मां ने बेटी संग खायी जहर, मौत

बिहारशरीफ। रहुई थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में पारिवारिक कलह से आहत एक महिला ने अपनी छह वर्षीय बेटी के साथ जहर खा लिया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

इस हृदयविदारक घटना से इलाके में कोहराम मच गया है। मृतका बिहार थाना क्षेत्र के पतुआना गांव की 27 वर्षीय महिला तथा उसकी छह साल की पुत्री है।

स्वजन के अनुसार, महिला की शादी वर्ष 2016 में रहुई थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी युवक से हुई थी। शादी के कुछ ही महीनों बाद पति का अपनी ही साली से प्रेम संबंध हो गया। इसके बाद वर्ष 2018 में युवक ने प्रेम विवाह कर साली से दूसरी शादी कर ली।

इस घटना से आहत पत्नी ने पति के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

जेल से करीब दो महीने बाद रिहा होकर लौटे पति द्वारा लगातार दबाव और मानसिक प्रताड़ना दिए जाने से महिला गहरे अवसाद में चली गई।

प्राचार्य की निगरानी में हुआ खो-खो टीम का चयन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डेहरी ऑन सोन। जवाहरलाल नेहरू कॉलेज डेहरी ऑन सोन में प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ओझा के दिशा निर्देश पर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा अंतर महाविद्यालय खो खो प्रतियोगिता (महिला वर्ग) आयोजक अनुमंडलीय राजकीय सरकारी महाविद्यालय,नौहट्टा में सम्मिलित होने के लिए खो-खो टीम चयन प्रक्रिया की गई। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने खेल प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जवाहरलाल नेहरू कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ओझा ने कहा कि खेल को बढ़ावा देना मेरी प्रथम प्राथमिकता है। छात्रों की सर्वांगीण विकास हेतु एवं स्वस्थ रहने हेतु खेलना अति आवश्यक है खेल के माध्यम से अपने जीवन को सांवरा जा सकता है। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के बड़सर डॉक्टर फरीद आलम मनोविज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ कमल नयन सिंह डॉ राजेंद्र कुमार शिक्षक संघ सचिव डॉ आनंद कुमार सिंह परीक्षा नियंत्रक डॉ शशि शेखर विद्यार्थी राजनीति शास्त्र विभाग अध्यक्ष अवनीश मौर्य गणित विभाग अध्यक्ष र ठ प्रजापत डॉ विनय कुमार , डॉ मुकेश कुमार श्री राधा रमन सिंह उर्फ मुन्ना सिंह आदि ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें टीम भावना के साथ खेलने की सलाह दी,खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया के तौर पर निर्णायक मंडल मंडल में हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉक्टर नीलम पाल डॉ कन्हैया कुमार सिंह इइअ विभाग अध्यक्ष, उर्दू विभाग अध्यक्ष डॉक्टर इफ्तिखार आलम एनसीसी आफिसर डॉ सच्चिदानंद सिंह, आदि ने अहम भूमिका निभाई टीम कप्तान के तौर पर प्रियंका कुमारी, एवं उप कप्तान के तौर पर खुशी कुमारी राजपूत का चयन किया गया

जहानाबाद का लाल राज्य स्तरीय जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का करेगा प्रतिनिधित्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले के बच्चे अपनी प्रतिभा और मेहनत के बलबूते लगातार जहानाबाद का नाम रोशन कर रहे हैं। इसी कड़ी में एक और होनहार छात्र ने जिले को गौरवान्वित किया है।हुलासगंज प्रखंड के आदर्श मध्य विद्यालय बौरी के अष्टम वर्ग के छात्र दिवाकर कुमार का चयन राज्य स्तरीय जूनियर खो-खो प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जहां वह बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

गुरुवार को दिवाकर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हरियाणा के लिए रवाना हो गए। दिवाकर कुमार की यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि उनका पारिवारिक पृष्ठभूमि खेल से जुड़ा नहीं रहा है।

उनके पिता विपिन कुमार पेशे से राजमिस्त्री हैं और सीमित संसाधनों के बीच परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इसके बावजूद दिवाकर ने अपनी लगन, अनुशासन और कठिन परिश्रम के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार दिवाकर ने बताया कि वह शुरू से ही खेलों में रुचि रखता रहा है। नियमित अभ्यास और प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के कारण उसका चयन बिहार की जूनियर खो-खो टीम में किया गया।

प्रशिक्षक अभिषेक कुमार ने कहा कि दिवाकर में टीम भावना, तेज फुर्ती और रणनीतिक समझ है, जो खो-खो जैसे खेल के लिए बेहद जरूरी गुण हैं। विद्यालय के शिक्षक ब्रजेश कुमार की देखरेख में स्कूल में लगातार खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होता रहा है।उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रशासन बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा है। इसी का परिणाम है कि आज ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला छात्र राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने जा रहा है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 35-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 27.01.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल - एएसटीई/एएसएन अनुभाग में उम्र सह दशा के आधार पर सिग्नलिंग गीयरों का प्रतिस्थापन एवं विश्वसनीयता में सुधार। **निविदा मूल्य :** रु. 2,46,56,855.55; **बयाना राशि :** रु. 2,73,300; **कार्य समापन अवधि :** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 13.02.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www. ireps.gov.in/

(ASN-318/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चुनावी तिथियों व प्रक्रिया की दी गयी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका (आम) चुनाव 2026 की घोषणा के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान हजारीबाग नगर निगम चुनाव से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियों से प्रेस प्रतिनिधियों को अवगत कराया।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिनांक 27 जनवरी 2026 को नगरपालिका चुनाव 2026 की अधिसूचना जारी की गई है। इसके आलोक में दिनांक 28 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे प्रपत्र-5 में निर्वाचन की सूचना का विधिवत प्रकाशन किया गया है।

उन्होंने जानकारी दी कि नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की तिथि 29 जनवरी 2026 से 04 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 05 फरवरी 2026 को की जाएगी, जबकि अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 06 फरवरी 2026 निर्धारित है। निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन 07 फरवरी 2026 को किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर मतदान 23 फरवरी 2026 को पूर्वाह्न 7 बजे से अपराह्न 5 बजे तक कराया जाएगा, जबकि मतगणना 27 फरवरी 2026 को पूर्वाह्न 8 बजे से प्रारंभ होगी।

प्रेस वार्ता में नाम निर्देशन के लिए चयनित स्थलों एवं संबंधित निवार्ची पदाधिकारियों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। हजारीबाग नगर निगम के महापौर पद के लिए कक्ष उ-201 (द्वितीय तल), नए समाहरणालय भवन को नाम निर्देशन स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। वहीं नगर निगम के कुल 36 वार्डों के लिए अलग-अलग निवार्ची पदाधिकारी एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं तथा उनके लिए समाहरणालय परिसर में अलग-अलग कक्ष आवंटित किए गए हैं।

बताया गया कि नाम निर्देशन पत्र अधिकतम दो सेट में दाखिल किए जा सकते हैं, जिसमें प्रत्येक सेट में एक प्रस्तावक एवं एक समर्थक होना अनिवार्य है। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को अभिप्रमाणित जाति प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। उम्मीदवारों को नाम निर्देशन प्रपत्र समाहरणालय परिसर स्थित निर्धारित काउंटर से शुल्क जमा कर प्राप्त करना होगा। महापौर पद के लिए नाम निर्देशन शुल्क 5,000 रुपये एवं वार्ड पार्षद पद के लिए 1,000 रुपये निर्धारित है। अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग-कएवं क्कतथा महिला अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क आधी दर पर होगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि उम्मीदवारों को नाम निर्देशन पत्र क्रय करते समय शपथ पत्र (प्रपत्र-24) एवं संतान संबंधी स्व-घोषणा पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही प्रत्येक उम्मीदवार को एक नया बैंक खाता खुलवाकर उसका विवरण नाम निर्देशन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। मतदाता सूची का वितरण 28 जनवरी 2026 से प्रारंभ कर दिया गया है।

चुनाव को लेकर जन शिकायतों के निवारण हेतु जन शिकायत कोषांग सक्रिय कर दिया गया है, जिसका हेल्पलाइन नंबर 06546-291843 तथा कंट्रोल रूम नंबर 06546-291842 है। चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए कुल 14 कोषांगों का गठन किया गया है,

उमरा की सआदत के बाद वतन वापसी पर दुआएं, मजलिस आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। नाजिम, दारुल उलूम फैज ए रहमानी ,मदनी नगर, वीर नगर विसरिया भरगामा सह जमीयत उलेमा ए हिंद कालूपुर अहमदाबाद, गुजरात के मुफ्ती मोहम्मद आरिफ सिद्दीकी साहब अपने अहिल्या समेत कुल पंद्रह सोलह साथियों के साथ उमरा के लिए मक्का मुकर्रमा गए। जहां उन्होंने 15 दिन रहकर उमरा की सारी अरकान पूरा कर पूरे देश के लिए अमन चैन की दुआ (बैतुल्लाह) काबा शरीफ के सामने किए। मिली जानकारी अनुसार मुफ्ती आरिफ मुहम्मद साहब ने बताया कि इधर कुछ दिनों पहले अपने साथियों के साथ सऊदी अरब उमरा के लिए गए थे,जहां 15 दिन रहकर उमरा की सारी अरकान पूरा कर सकुशल वतन वापसी किए हैं। उमरा करने के बाद सीधे जद्दा से भारत देश लौटे और लौटने के बाद अल्लाह का शुक्र अदा किया।

अल्लाह के घर से लौटने के बाद जो सुकून मिली, वह अब तक कहीं नहीं मिला। अल्लाह सबको उमराह और हज के लिए बार-बार अपना घर बुलाए। उन्होंने जानकारी दी के उमराह या हज करने के बाद पूरी जिंदगी अल्लाह के अताअत में गुजारे और बुरी आदतें छोड़ दें। अल्लाह का आभार व्यक्त करें। उमराह के दौरान आपने जो इबादत की है, जिसे वापस आने के बाद भी जारी रखें। समय पर नमाज अदा करें और जिक्र हमेशा अल्लाह की करें, जैसी आदतें विकसित करें। यह अभ्यास अपने दिल को अल्लाह से जोड़े रखते हैं और दूसरों को इबादत के लिए प्रोत्साहित करें।

हमेशा अपने से बड़ों का एहतराम करें और छोटो को सम्मान वो प्यार दें। अपने साथियों वो पड़ोसियों के साथ अच्छा व्यवहार करें। उमराह से आने के बाद अल्लाह का आभार व्यक्त करने के लिए इस दुवाईया मजलिस का आयोजन कर पूरे देश की बेहतरी वो शांति के लिए आफियत की दुआ मांगी गई। उमराह से आए हुए बुर्जुगों ने कहा कि जितना जल्द हो सके ,हज का फरीजा अदा कर लें ,चूंकि हज फर्ज.है। जिंदगी में एक बार जरूर हज कर लें,जब भी कहीं विदेश जाने का इरादा हो तो पैगम्बर मोहम्मद साहब के शहर वो देश जरूर जाएं ।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 37-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 27.01.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल - स्टेशन अनुभाग में उम्र सह दशा के आधार पर एक्सल काउंटर का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य :** रु. 4,66,63,498.78; **बयाना राशि :** रु. 3,83,300; **कार्य समापन अवधि :** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 13.02.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www. ireps.gov.in/

(ASN-320/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एनआईटी/02/26/5, दिनांक 27.01.2026; प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक, निविदा सं., भंडार का विवरण, ईएमडी** क्रमशः निम्नलिखित हैं:- **(क) निविदा खुलने की तारीख:** 23.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (1) 10252482, लंबी आयु वाली लोको साइड बफर असेम्बली, रु. 5,63,700/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 13.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (2) 10251896, मैग्नेट फ्रेम उपकरणों का सेट, रु. 3,75,520/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 18.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (3) 10251153, सिंगल बोतल वीसीबी के लिए पीओएच प्रतिस्थापन किट, रु. 2,36,850/-। (4) 10252512ए, हाई वोल्टेज बुशिंग इत्यादि, रु. 3,59,810/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 03.03.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (5) 14251182, जी.आई. बूम बैरियर के लिए उपयुक्त आउटपुट शैफ्ट पर कनेक्टिंग लिंक के साथ हार्ड क्रैंक इंसर्ट इंटरनल लॉकिंग विशेषता, ऑयल फील्ड एवं मुहरबंद टाइप यूनिट के साथ क्लच स्टेज कंबीनेशन हेलिकल एवं वोर्म ह्वील गीयर ड्राइव के साथ ईएलबी (आरडीएसओ विनिर्देश सं. आरडीएसओ/एसपीएन/208/2012 वर्सन 2.0 अथवा नवीनतम) के लिए उपयुक्त गीयर बॉक्स असेम्बली की खरीददारी। आरेख सं. एसएंडटी/एमएफटी/6000/एडीवी. 1 इत्यादि, रु. 1,76,810/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 19.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (6) 05251229, 1400 सीआईएल केटीए 50एल डीईएमयू इंजनों इत्यादि के लिए क्रैंककेस ऑयल 150डब्ल्यू40 एपीआई सीएच4 की खरीददारी, रु. 2,06,460/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 04.03.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (7) 21261508, बीएमबीएस कैसनब बोली इत्यादि के लिए पिन/कॉटर, रु. 1,52,440/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 27.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (8) 10255049, मेन कम्प्रेशर, रु. 11,76,530/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 16.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (9) 11251045, सेंटर पाइवोट इत्यादि के लिए साइलेंट ब्लॉक के साथ सम्पूर्ण स्लीव, रु. 2,15,360/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 02.03.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (10) 15255158, 15 टी ईओटी क्रेन इत्यादि की आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करना, रु. 1,13,120/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 18.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (11) 10255046, 3-फेज एसाइनक्रोनोर ट्रैक्शन मोटर इत्यादि, रु. 2,24,930/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 16.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (12) 10252428, पी7 लोको के लिए सम्पूर्ण गीयर केस, रु. 4,47,720/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 23.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (13) 10262372, 3 फेज टीआर. मोटर इत्यादि के लिए आउटर लैबिरिंथ (डीई) का सेट, रु. 7,50,480/-। (14) 10252501, कम रखरखाव वाली लीड एसिड बैटरी 75 एएच, रु. 4,70,210/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 27.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (15) 10261929, लोको सेट इत्यादि में एनआई-सीडी बैटरी, रु. 6,61,680/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 23.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (16) 10251045, लोको इत्यादि के लिए रिले टाइप डीयू क्यूओपी, रु. 3,31,760/-। **निविदा खुलने की तारीख:** 18.02.2026, **समय: अपराह्न** 1.30 **बजे:** (17) 10252511ए, 3-फेज लोकोमोटिवों इत्यादि के लिए सर्ज अरेस्टर, रु. 1,86,930/-। **निविदा की कीमत:** सभी के लिए रु. 0/-। **(बी) निविदा सं. :** 52256224बी. **संक्षिप्त विवरण:** पोर्टेबल लेजर स्पेक्टोमीटर। **निविदा बंद होने की तारीख:** 19.02.2026, **निविदा मूल्य :** रु. 58,52,804/-। **(सी) क्रमांक 1, निविदा सं.:** 52265008. **संक्षिप्त विवरण:** 160 केएन एयर स्प्रिंग असेम्बली। **निविदा बंद होने की तारीख:** 20.02.2026, **निविदा मूल्य :** रु. 2,95,82,600/-। **क्रमांक 2, निविदा सं.:** 52265122. **संक्षिप्त विवरण:** सेलेक्टिव पैलेट रैकिंग सिस्टम। **निविदा बंद होने की तारीख:** 20.02.2026, **निविदा मूल्य :** रु. 51,49,783/-। **क्रमांक 3, निविदा सं.:** 52257781. **संक्षिप्त विवरण:** सम्पूर्ण बोगी फ्रेम। **निविदा बंद होने की तारीख:** 20.02.2026, **निविदा मूल्य :** रु. 83,17,230/-। **टिप्पणी:** उपरोक्त उल्लेखित सभी निविदाएँ ई-निविदा हैं तथा सभी निविदादाताओं से अपनी बोलियां आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के जरिए ऑन-लाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। उपरोक्त उल्लेखित निविदाओं तथा अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में और अधिक विवरण के लिए कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

(STORES-65/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मजदूरों के साथ ज्यादती करना बंद करे प्रबंधन : राजेश सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बालमुकुंद स्पंज आईरन फैक्ट्री में मजदूरों के हटाने की बात को लेकर,असंगठित मजदूर मोर्चा जो माले का मजदूर विंग है ने फैक्ट्री प्रबंधन से बात करने के लिए झंडा बैनर के साथ फैक्ट्री के तरफ रुख किया। इसके लिए गिरिडीह उपायुक्त और श्रम अधीक्षक को पूर्व सूचना दी गई थी लेकिन फैक्ट्री प्रबंधन ने जिला प्रशासन को गलत रिपोर्ट देने का प्रयास किया। प्रबंधन ने कहा किसी मजदूर को नहीं निकाला गया जबकि सिन्हा ने प्रशासन को ठेकेदार और मजदूर से बात करवाना पड़ा तब जाकर हुआ झूठ का पदार्फास हुआ।

उन्होंने कहा कि गिरिडीह और गांडेय विधानसभा के प्रभारी पूरन महतो ने कहा जनता को एक जुट करवाने का लक्ष्य जल्द दिखेगा। बड़ा आंदोलन ठेकेदारों और फैक्ट्री के द्वारा मजदूर को बार बार बिना कारण बताए बिना नोटिस दिए हटाने की परम्परा तेजी से बढ़ गया है बालमुकुंद स्पंज आयरन फैक्ट्री ने भी वही गलती दोहराई गई। इसको संज्ञान रखने के लिए भाकपा माले की मजदूर विंग असंगठित मजदूर मोर्चा के बैनर तले मजदूरों को लेकर गेट के पास पहुंचे फैक्ट्री के जीएम से बात करना चाहा इस बीच फैक्ट्री ने प्रशासन को बुलाया प्रशासन को माले ने मांग पत्र दिखाया माले नेता राजेश सिन्हा और कन्हाई पांडेय के अलावा प्रखंड सचिव मसूदन कोल किशोरी राय आदि की अगुवाई में आज का सांकेतिक प्रयास किया गया।

माले नेता राजेश सिन्हा कहा कि बिना नियम कानून बताए यदि मजदूरों हटाया गया तो जिला प्रशासन श्रम अधीक्षक के अलावे संबंधित अधिकारी से बात कर के लोकतांत्रिक आंदोलन करेंगे ज्ञात हो हाल के दिनों में दो दो मौतें हुई थी जिसे माले के आंदोलन से मुआवजा मिला था कई राजनीतिक और समाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

माले नेता कन्हाई पांडेय ने कहा कि सभी फैक्ट्री में मजदूरों से 12 घंटा काम करवाया जाता है सरकारी सुविधा नहीं दी जाती है प्रदूषण चरम पर है सिन्हा ने बताया कि जीएम और फैक्ट्री मालिक साल में मोटा ट्रांजेक्शन करते है फायदा उठाते है किंतु गिरिडीह की जनता के साथ खड़े नहीं मिलते है मुआवजा देने में भी दस घंटा लगा देते है।

सब पर पाबंदी लगाएंगे वीरेंद्र चौधरी नावाडीह उद्नबाद मनोज चौधरी नावाडीह मेहताब अंसारी बरवाडीह मिन्हाज अंसारी बरवाडीह को बिना नोटिस बिना बताए हटाया गया उस मजदूर के साथ क्या बीतता होगा इस बात को समझना भी नहीं आता है।

फैक्ट्री प्रबंधन को मुख्य रूप से प्रखंड सचिव मसूदन कोल,किशोर राय भीम कोल पवन यादव लखन कोल धनेश्वर कोल धूमा टुड्डू चंदन टुडू सोमी देवी सुनील ठाकुर दिलचंद कोल मोहन कोल हीरालाल पंडित हरि पंडित बुधन तुरी गणेश तुरी संजय तुरी नारायण तुरी राजू तुरी प्रीतम तुरी भीम दास महिला में मांगरी देवी प्रीतम तुरी सहवा मौसमत जितनी देवी आदि मौजूद थे।

हंगामा कर रहा बदमाश धराया

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिस्तौल लेकर हंगामा और लोगों को धमकी दे रहे एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, बुधवार देर शाम गुप्त सूचना मिली थी कि जलालपुर चौक के पास एक व्यक्ति पिस्तौल लेकर लोगों को डराने-धमकाने और हंगामा कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए लालगंज थाना अध्यक्ष मनमोहन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन जवानों ने उसे खदेड़ कर पकड़ लिया।तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्तौल बरामद की गई। पिस्तौल को अनलोड करने पर उसकी मैगजीन से दो जिंदा कारतूस मिले। गिरफ्तार बदमाश की पहचान जलालपुर निवासी सुदेश चंद्र शुक्ला के पुत्र कृष्ण मोहन शुक्ला के रूप में की गई है। पुलिस ने हथियार और कारतूस जब्त कर आरोपी को लालगंज थाना लाया, जहां उससे पूछताछ के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-32-25, दिनांक 22.01.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-32-25 के तहत निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है, निविदा बंद होने की तारीख/समय 16.02.2026 को 15.00 बजे। **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के अधीन पुरानी जीयूवाई रॉड असेम्बली के प्रतिस्थापना के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 4,14,46,772; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 3,57,200; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख/समय:** 16.02.2026 को 15.00 बजे। **निविदा खोला जाना:** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदा के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

(HWH-563/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

तकनीक आधारित प्रशिक्षण से किसानों को सशक्त बना रही राज्य सरकार : कृषि मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीक आधारित कृषि से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य के विभिन्न जिलों में नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिससे किसानों का तकनीकी ज्ञान विकसित हो रहा है और वे उन्नत एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान प्रशिक्षण राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादन, उत्पादकता तथा किसानों की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में जहानाबाद जिले में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन के अंतर्गत 30 किसानों के लिए राई-सरसों एवं सूरजमुखी जैसी तिलहनी फसलों की वैज्ञानिक खेती पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जिले के किसानों को तिलहन उत्पादन एवं तेल निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। ताकि राज्य में खाद्य तेलों के आयात पर निर्भरता कम की जा सके। मंत्री ने बताया कि राज्य में तेलहन उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'बिहार के संदर्भ में तेलहन उत्पादन में हालिया प्रगतियां' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में तेलहन फसलों की वर्तमान स्थिति, उन्नत किस्में, आधुनिक कृषि तकनीक, एकीकृत पोषक तत्व एवं कीट प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, विपणन तथा मूल्य संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनमें बिहार की परिस्थितियों के अनुरूप उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया। प्रतिभागियों को उन्नत बीजों के उपयोग, वैज्ञानिक खेती पद्धतियां अपनाने, लागत घटाने तथा किसानों की आय बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया गया। उन्होंने आगे बताया कि कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण, पटना के तत्वावधान में कृषि विज्ञान केंद्र, सिवान में भी राज्य स्तरीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दलहन फसलों की उन्नत खेती विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित 30 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान दलहन फसलों की उन्नत किस्मों, वैज्ञानिक खेती पद्धतियों, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा उत्पादन बढ़ाने की आधुनिक तकनीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

इसी क्रम में सारण जिले के मांझी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में दो दिवसीय किसान मेला (कृषि मेला) का सफल आयोजन किया गया जिसमें लगभग 500 किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मेले में जनप्रतिनिधियों, जिला कृषि पदाधिकारी, कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, नवीन किस्मों, सरकारी योजनाओं तथा आधुनिक खेती पद्धतियों की जानकारी दी गई। साथ ही सब्जियों, फलों, स्थानीय खाद्य पदार्थों एवं कृषि आधारित उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई जिसे किसानों एवं आगंतुकों ने काफी सराहा। प्रदर्शनी के माध्यम से मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण एवं विपणन की संभावनाओं पर भी उपयोगी चर्चा की गई तथा किसानों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनके अनुभव, समस्याएं एवं सुझाव प्राप्त किए गए। कृषि मंत्री ने यह भी बताया कि नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (आत्मा योजना) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले के भीतर किसान परिभ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र, अधौरा द्वारा आयोजित तकनीकी सप्ताह कार्यक्रम में परिभ्रमण कराया गया जिसमें चांद, चैनपुर, भगवानपुर, रामपुर एवं दुर्गावती प्रखंडों से चयनित कुल 150 किसानों ने सहभागिता की।

कृषि विज्ञान केंद्र, अधौरा में आयोजित तकनीकी सप्ताह के दौरान अजोला एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, मल्चिंग विधि से सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती सहित आधुनिक कृषि तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को इन तकनीकों के माध्यम से खेती की लागत कम कर उत्पादन एवं आय बढ़ाने के उपाय बताए गए। किसानों एवं वैज्ञानिकों के बीच प्रत्यक्ष संवाद से आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने के प्रति किसानों में जागरूकता और उत्साह देखा गया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित ये सभी कार्यक्रम किसानों को ज्ञान, तकनीक और नवाचार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, जो कृषि क्षेत्र को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026: तय समय के बाद प्रवेश पर सख्ती

जबरन घुसने पर होगी एफआईआर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बक्सर। इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा, 2026 को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह परीक्षा राज्यभर में 02 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी बक्सर ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र में प्रवेश का समय स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 09:30 बजे से प्रारंभ होगी जिसके लिए परीक्षार्थियों को सुबह 08:30 बजे से प्रवेश की अनुमति दी जाएगी जबकि मुख्य द्वार 09:00 बजे बंद कर दिया जाएगा। वहीं द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02:00 बजे से होगी जिसमें प्रवेश 01:00 बजे से प्रारंभ होगा और 01:30 बजे मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई परीक्षार्थी देर से पहुंचकर जबरन गेट तोड़ने, धक्का-मुक्की करने अथवा चहारदीवारी कूदकर परीक्षा परिसर में प्रवेश करने का प्रयास करता है तो उसे आपराधिक अतिक्रमण माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित परीक्षार्थी को दो वर्षों के लिए परीक्षा से निष्कासित करने के साथ-साथ उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इतना ही नहीं, यदि किसी केन्द्राधीक्षक या परीक्षा कर्मी द्वारा ऐसे परीक्षार्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती है तो उनके विरुद्ध भी निलंबन एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों, अभिभावकों तथा परीक्षा कार्य में लगे पदाधिकारियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय का सख्ती से पालन करें, भीड़-भाड़ से बचें और परीक्षा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें। विलंब से पहुंचने की स्थिति में परीक्षा से वंचित होने की संपूर्ण जिम्मेदारी स्वयं परीक्षार्थी की होगी।

श्रम मंत्री से इएसआइसी के क्षेत्रीय निदेशक की शिष्टाचार भेंट

राज्य में चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने पर हुई विस्तृत चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन के उपरांत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (इएसआइसी), बिहार के क्षेत्रीय निदेशक 'सीए निरंजन कुमार' ने श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक ने मंत्री को राज्य में इएसआइसी एवं इएसआइएस के वर्तमान इंफ्रास्ट्रक्चर तथा उनकी भूमिका व कार्यप्रणाली से विस्तार से अवगत कराते हुए बताया कि यह योजना किस प्रकार राज्य के बीमितों के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का कार्य करती है। बैठक के दौरान मुख्य रूप से राज्य में मौजूद औषधालयों (डिस्पेंसरीज) की उत्पादकता बढ़ाने तथा श्रमिकों के हित में चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर व्यापक चर्चा की गई। साथ ही बेगूसराय व भागलपुर में अनुमोदित इएसआइसी अस्पतालों के निर्माण हेतु भूमि आवंटन में आ रही अड़चनों को दूर करने का अनुरोध किया गया। बैठक के क्रम में क्षेत्रीय निदेशक ने मंत्री को अवगत कराया कि नए लेबर कोड के लागू होने से इएसआइसी का दायरा बढ़ेगा जिसके लिए चिकित्सीय व्यवस्था को सुदृढ़ करने में राज्य सरकार का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस दौरान नए अस्पतालों के निर्माण हेतु भूमि की उपलब्धता, राज्य डिस्पेंसरी में चिकित्सकों की पदस्थापना तथा इज ऑफ डूइंग बिजनेस के उद्देश्य से चलाई जा रही इएसआइसी की 'स्प्री' योजना के विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इसमें नियोक्ता को होने वाले लाभों तथा पिछले देनदारी से छूट प्राप्त होने के विषय में जानकारी दी गयी। मंत्री ने इन सभी विषयों पर काफी गहनता से विचार-विमर्श करते हुए इएसआइ योजना को जनहित का विषय बताया तथा आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस कल्याणकारी सामाजिक सुरक्षा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी स्तरों पर पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी एवं इसके व्यापक प्रचार-प्रसार में भी विभाग सक्रिय भूमिका निभाएगा।

पीरपैंती अदाणी पावर प्रोजेक्ट में पर्यावरणीय जन-सुनवाई को मंजूरी मिली

पुष्पांकर गुप्ता/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिले के पीरपैंती में अदाणी ग्रुप की प्रस्तावित 2,400 मेगावाट की अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर परियोजना हेतु गुरुवार को बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से पर्यावरणीय जन-सुनवाई हुई। यह परियोजना के लिए एक अहम रेगुलेटरी (नियामक) उपलब्धि मानी जा रही है। इस जन-सुनवाई में करीब तीन हजार ग्रामीणों ने हिस्सा लिया जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की थी। सभी लोगों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। यह इस क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया रही। कई पंचायतों से आए ग्रामीणों ने इसे इलाके के आर्थिक विकास और रोजगार के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित अवसर बताया। एक स्थानीय नागरिक ने कहा 'हमारे बच्चों को रोजगार के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता है। अगर यहां काम मिलेगा तो पलायन रुकेगा।' जन-सुनवाई बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) की देखरेख में आयोजित की गई जिसमें जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी यह बताती है कि स्थानीय समुदाय रोजगार, बुनियादी ढांचे, भरोसेमंद बिजली और पर्यावरण संरक्षण, सभी को लेकर कितने गंभीर और जागरूक है। कार्यक्रम के दौरान अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस प्रोजक्ट में लगभग 27 हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा, जो बिहार में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशों में से एक है। उन्होंने बताया कि प्लांट में अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीक का इस्तेमाल होगा जिससे पारंपरिक बिजली प्लांट की तुलना में प्रति मेगावाट कम उत्सर्जन होगा। प्रोजेक्ट को जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के सिद्धांत पर विकसित किया जाएगा यानी सारा वेस्ट वाटर परिसर के भीतर ही साफ किया जाएगा। इसके अलावा हर कटे पेड़ के बदले तीन पेड़ लगाए जाएंगे और एक समर्पित ग्रीन जोन भी विकसित किया जाएगा। एक महिला ने कहा 'विकास हमारे लिए जरूरी है, लेकिन जमीन और पर्यावरण की सुरक्षा भी उतनी ही अहम है।' रोजगार और सामुदायिक विकास जनसुनवाई के मुख्य मुद्दों में शामिल रहे।

एल. आई. सी. द्वारा वाटर कूलर का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जीवन बीमा निगम पटना मंडल 1 के तत्वावधान में वरिष्ठ मंडल प्रबंधक राजेश आनंद तथा प्रेसिडेंट, जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (डी. मी. डी. आर. मी.) प्रेम रंजन मिश्र द्वारा उपभोक्ता आयोग पटना के परिसर में वाटर कूलर तथा बाटर प्यूरीफायर का लोकार्पण किया गया। प्रेमिडेंट प्रेम रंजन मिश्र ने एल. आई. मी. के इस नोक कल्याणकारी कदम की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया तथा कहा कि इससे उपभोक्ताओं एवं यकीनों को स्वच्छ एवं शीतल जल प्राप्त होगा। इस अवसर पर एल. आई. मी. पटना मंडल 1 के विपणन प्रबंधक अभय कुमार सुमन, प्रबंधक विक्रय, राजेश यादव, प्रबंधक, विधि विनोद कुमार पाण्डेय, अधिकारीगण सर्वश्री प्रेम कुमार तथा चित्रसेन चरण उपस्थित थे।

घर-घर अलख जगायेंगे, स्वच्छ पटना बनेगा

आर्ट कॉलेज में चलाया गया स्वच्छता जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नगर निगम स्वच्छता जागरूकता अभियान टीम द्वारा नगर आयुक्त यशपाल मीणा के निर्देश पर कला एवं शिल्प महाविद्यालय में स्वच्छता सर्वेक्षण में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया गया जिसका उद्घाटन संस्थान की प्राचार्या डॉ. राखी कुमारी एवं प्रसिद्ध कलाविद और समाजसेवी डॉ.अजय कुमार पांडे द्वारा किया गया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और अनेक कलाविदों की उपस्थिति में स्वच्छता जागरूकता अभियान संचालित किया गया जिसमें कला एवं शिल्प महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील रहने का संकल्प लिया गया। पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता अभियान की ब्रांड एंबेसडर लोक गायिका डॉक्टर नीतू कुमारी नवगीत ने लोकगीतों के माध्यम से सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छता के लिए काम करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्राचार्य राखी कुमारी ने कहा कि उनका संस्थान स्वच्छ भारत स्वच्छ पटना के संकल्प पर कार्यरत है। पूरे पटना शहर में स्वच्छता वाली पेंटिंग एवं कलाकृति उनके संस्थान से जुड़े कलाकारों द्वारा ही दीवारों पर अंकित की गई है। कलाकारों ने स्वच्छता जागरूकता अभियान को किस तरह वे अपने रंगों से सराबोर कर लोकमानस में जागृति ला सकते हैं, उनका बारीकी से वर्णन किया। नीले और हरे डस्टबिन को कैसे इस्तेमाल करें और कैनवास पर कैसे चित्रित करें कि जनता जागरूक हो सके इसको उन्होंने बड़ी सजीवता से बताया। प्रिंसिपल डॉ. राखी कुमारी ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में सभी शामिल होकर अपने पटना शहर की रैंकिंग बढ़ायें ताकि हमारा शहर भी नंबर वन बन सके। अजय कुमार पांडेय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता सुखी जीवन शैली के लिए बेहद आवश्यक है। समाज और परिवार तभी स्वस्थ रहेंगे जब हम अपने आचरण एवं शहर की स्वच्छता को ध्यान में रखेंगे। लोक गायिका नीतू कुमारी नवगीत ने स्वच्छता गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। घर-घर अलख जगायेंगे स्वच्छ पटना बनेगा, साफ-सफाई अपनायेंगे स्वच्छ पटना बनेगा जैसे गीतों को बच्चों ने लोकगायिका एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉ. नीतू कुमारी नवगीत के साथ मिलकर जुल कर गाया और स्वच्छ सर्वेक्षण में भाग लेने का संकल्प लिया। राजेश केशरी ने भी कई स्वच्छता जागरूकता गीत गाए। संगीत सत्र के पश्चात सभी ने स्वच्छता का शपथ लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को पटना नगर निगम की ओर से पुरस्कृत भी किया गया।

डुमरांव में बिस्मिल्लाह खां संगीत महाविद्यालय को 87 करोड़ की मंजूरी

मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्वविख्यात शहनाई उस्ताद भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के नाम पर डुमरांव में प्रस्तावित संगीत महाविद्यालय के लिए राज्य कैबिनेट से 87,81,43,400 रुपये की मंजूरी मिलने पर खुशी की लहर है। बिस्मिल्लाह खां के जीवन और संगीत पर पिछले 35 वर्षों से निरंतर काम कर रहे, शोधकर्ता एवं लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी है। मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने कहा कि यह फैसला न केवल बिस्मिल्लाह खां की विरासत को सम्मान देने वाला है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भारतीय शास्त्रीय संगीत के अध्ययन और प्रशिक्षण का एक सशक्त केंद्र भी बनेगा। उन्होंने कहा कि डुमरांव, जो बिस्मिल्लाह खां की जन्मभूमि है, वहां संगीत महाविद्यालय की स्थापना से स्थानीय कलाकारों और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय बिहार की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगा तथा संगीत प्रेमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। श्री मुरली ने इसी वर्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर ''विकास पुरुष'' पुस्तक भी लिख चुके हैं।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना द्वारा दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान का शुभारंभ

कुर्था विधायक पप्पू वर्मा ने युवाओं से विकसित भारत के संकल्प में आगे आने का किया आह्वान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अरवल/पटना। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना द्वारा पायस मिशन स्कूल परिसर, अरवल में 'विकसित भारत 2047' विषय पर आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान का शुभारंभ मुख्य अतिथि पप्पू वर्मा, विधायक, कुर्था द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पप्पू वर्मा ने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आहवान किया। उन्होंने युवाओं से नशीले पदार्थों से दूर रहने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि सतत प्रयास और सामूहिक भागीदारी से ही भारत को वर्ष 2047 तक विकासशील से विकसित राष्ट्र बनाने का सपना साकार हो सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी प्रकाश कुमार सिंह ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के सभी तबको तक पहुंचाना है। पायस मिशन स्कूल के सहायक निदेशक अशोक कुमार ने 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर बल दिया। वहीं स्कूल की प्राचार्या डॉ. सोनम मिश्रा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा बिहार को शैक्षणिक दृष्टि से अग्रणी राज्य बनाने में योगदान देने का आहवान किया। भारतीय डाक विभाग के सहायक डाक अधीक्षक मुकेश कुमार ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तो वहीं आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक नलिन कुमार ने भो आयुष्मान कार्ड और आभा कार्ड बनवाने हेतु आमलोगों से आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, स्वागत गीत, रंगोली एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से 'विकसित भारत' की संकल्पना को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का मंच संचालन विद्यालय की छात्रा अदिति कुमारी (कक्षा 8) एवं छात्र आदित्य कुमार (कक्षा 7) ने किया।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने लांच किया इजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंबई। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने उन्नत मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म, उज्जीवन इजी (इजेडवाई) लांच करने की घोषणा की। यह बैंक की डिजिटल प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की रणनीति को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। उज्जीवन के इजी को खुदरा ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो मोबाइल और वेब चैनलों पर एकीकृत, सुरक्षित और सहज बैंकिंग का अनुभव प्रदान करता है। यह नौ भाषाओं- अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़, गुजराती, मराठी, बंगाली, उड़िया, पंजाबी और तमिल में उपलब्ध है। इस प्लेटफॉर्म पर 200 से अधिक बैंकिंग फीचर्स उपलब्ध हैं जिनमें 90 से अधिक नई किस्म की सुविधाएं शामिल हैं। इन फीचर्स का उद्देश्य रोजमर्रा की बैंकिंग को सरल बनाना और साथ ही बचत, भुगतान, ऋण और निवेश में भागीदारी बढ़ाना है। अगली पीढ़ी के माइक्रोसर्विस आर्किटेक्चर पर निर्मित, इजी प्रणाली की गति, विस्तार क्षमता और इसके लचीलेपन को बढ़ाता है। इस तरह बैंक नए फीचर तेजी से पेश कर सकता है और ग्राहकों की बदलती जरूरतों अनुरूप अधिक प्रभावी तरीके से बदलाव कर सकता है। इजी, एक ही प्लेटफॉर्म पर खाता प्रबंधन, फंड ट्रांसफर (धन का हस्तांतरण), फिक्स्ड और रेकरिंग डिपॉजिट (सावधि और आवर्ती जमा), बिल भुगतान, डेबिट कार्ड प्रबंधन, जीएसटी भुगतान और डीमैट और एनपीएस सहित निवेश सेवाओं जैसी मुख्य बैंकिंग सेवाएं पेश करता है।

वीवो क्रिकेट लीग 2026 का शुभारंभ, आठ कॉलेज की टीम हुई शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना में युवाओं के क्रिकेट कौशल को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से वीवो क्रिकेट लीग 2026 के इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। समारोह का उद्घाटन बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल, बिहार प्लेयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी, पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम, क्रिकेटर और भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान अमीकर दयाल, पूर्व रणजी ट्रॉफी प्लेयर राम कुमार, निखिलेश रंजन, बिहार क्रिकेट के कोच प्रमोद कुमार, वीवो मोबाइल के सीनियर रिटेल मैनेजर आयुष कुमार, ब्रांच मैनेजर बिहार मनीष कुमार सिंह, मोहित कुमार, कोमल कन्नन एवं वीवो एक्सक्लूसिव हेड बिहार रणधीर कुमार ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर उपस्थित बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल सहित अन्य अतिथियों ने इस टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सबा करीम ने कहा कि इंटर कॉलेज स्तर के ऐसे टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यहीं से प्रतिभाओं को निखरने और आगे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों में अनुशासन, फिटनेस और खेल भावना का होना बहुत जरुरी है। वहीं वीवो मोबाइल के सीनियर रिटेल मैनेजर आयुष कुमार ने कहा कि 20 ओवर के नॉक आउट मैच वाले इस टूर्नामेंट में पटना सहित राज्य के विभिन्न कॉलेजों की आठ टीमें भाग ले रही हैं जिनमें वीवीआईटी ड्रैगन्स, जेवियर्स वारियर्स, आइजीआइएमएस ग्लैडिएटर्स, गया बुल्स, एमआईटी टाइगर्स, केईसी पाइरेट्स, बीआईटी पैंथर्स और एनआईटी सुपरकिंग्स शामिल है। उन्होंने कहा कि वीवो क्रिकेट लीग 2026 का उद्देश्य युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का अनुभव देना और नई प्रतिभाओं की खोज करना है। दर्शकों को पूरे टूर्नामेंट के दौरान रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। वीवो क्रिकेट लीग 2026 का समापन 6 फरवरी, 2026 को होगा। आयुष ने बताया कि विजेता को 1 लाख, उप विजेता को 75000 व तृतीय स्थान लाने वाले को 25000 का पुरस्कार दिया जाएगा। वीवो क्रिकेट लीग 2026 आने वाले दिनों में क्रिकेट प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा और युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगा। उद्घाटन समारोह में खेल जगत से जुड़े कई गणमान्य अतिथि, कॉलेज प्रतिनिधि, कोच, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन मृत्युञ्जन झा एवं अमान फरीदी ने किया।

संपादकीय

ऐतिहासिक व्यापार समझौता, तरक्की के खुलेंगे नए रास्ते

इंडियन ईयू-एफटीए बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारत अपनी आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में अब भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक समझौता होने वाला है, जिसकी घोषणा द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में किए जाने की संभावना है। इसके तहत रक्षा क्षेत्र, समुद्री सुरक्षा एवं आतंक के खिलाफ साझा मोर्चेबंदी, भारतीय और यूरोपीय नागरिकों की आसान आवाजाही तथा वस्त्र उद्योग एवं प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए द्वार खुलेंगे। यह समझौता इसलिए भी अहम होगा, क्योंकि माना जा रहा है कि इससे अमेरिका की शुल्क नीति के प्रभाव से निपटने के लिए भारत और यूरोपीय देशों के बीच साझा एवं व्यापक दृष्टिकोण विकसित होगा। अनुमान है कि इस समझौते से दो अरब लोगों का एक ऐसा बाजार बनेगा, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। इससे न केवल भारत के निर्यात को गति मिलेगी, बल्कि यहां के पेशेवरों के लिए यूरोपीय देशों में रोजगार पाने का रास्ता भी सुगम हो जाएगा। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ है। नतीजतन, भारत अपने उत्पादों के लिए दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने के हर संभव प्रयास में जुटा है। हाल ही में भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार एवं व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को अंतिम रूप दिया है। इससे पहले ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए गए थे। यूरोपीय संघ के साथ भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार वर्ष 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मसलों पर आपसी सहमति न बनने के कारण वर्ष 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। जून, 2022 में वार्ता को फिर से आगे बढ़ाया गया, जो निर्णायक रही। अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े जानकारों का मानना है कि यह ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में गुणात्मक बदलाव लाएगा। माना जा रहा है कि शिखर सम्मेलन में मुक्त व्यापार समझौते को मंजूरी देने के अलावा दोनों पक्ष रक्षा ढांचागत समझौता और एक रणनीतिक एजंडा भी प्रस्तुत करेंगे। गौरतलब है कि भारत और यूरोपीय संघ वर्ष 2004 से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। प्रस्तावित सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी दोनों पक्षों के बीच सहयोग को और गहरा करने में सहायक होगी। इससे रक्षा क्षेत्र में आपसी तालमेल बढ़ेगा और भारतीय कंपनियों के लिए यूरोपीय संघ के 'सेफ' (सिक्योरिटी एक्शन फार यूरोप) कार्यक्रम में भागीदारी के रास्ते खुलेंगे। विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक समझौते से देश के वस्त्र निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ दुनिया का सबसे बड़ा परिधान बाजार है। वर्तमान में भारत इस क्षेत्र में 4.5 अरब डालर से अधिक मूल्य के परिधानों का निर्यात करता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का कुल वस्तु व्यापार लगभग 136 अरब अमेरिकी डालर का था, जिसमें निर्यात की हिस्सेदारी करीब 76 अरब अमेरिकी डालर थी। अब बहु-प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर लगने से निश्चित रूप से द्विपक्षीय व्यापार को एक नई दिशा मिलेगी और भारत के निर्यात कारोबार पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने में भी काफी मदद मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-ईयू एफटीए की सराहना

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के पूर्ण होने पर दुनिया भर में, अंतरराष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक व्यापार प्रमुखों और सम्मानित नीति विशेषज्ञों ने मज़बूत और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक, रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया: दुनिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने भारत-ईयू एफटीए की व्यापकता, महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समय का उल्लेख किया है।

द टेलीग्राफ ने जेम्स क्रिस्प के ÷मोदी इज़ द रियल विनर इन मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स विद् ईयू÷ शीर्षक से एक लेख में इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी बताते हुए कहा कि भारत इस मामले में असली रणनीतिक विजेता के रूप में उभरा है। अख़बार ने बताया कि यह समझौता ईयू से भारत को होने वाले 96.6 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ को खत्म या कम करता है, जबकि ईयू सात वर्षों में 99.5 प्रतिशत भारतीय सामानों पर टैरिफ कम करेगा।

ब्लूमबर्ग ने डैन स्ट्रमफ के ÷ऑल रोड्स लीड टू मोदी एज़ वर्ल्ड हेजिज ट्रम्प÷ शीर्षक से एक लेख में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ ÷मदर ऑफ ऑल डील्स÷ समझौता एक उभरते हुए पैटर्न का नवीनतम उदाहरण है- भारत देशों के लिए पसंदीदा पार्टनर बन रहा है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस समझौते को वैश्विक टैरिफ बाधाओं के प्रति मध्यम शक्तियों की प्रतिक्रिया के रूप में पेश करते हुए लिखा कि कैसे भारत और ईयू अमेरिकी व्यापार नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच गठबंधन का विस्तार कर रहे हैं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह समझौता लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक ब्लॉक और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था को एक साथ लाता है।

द वाशिंगटन पोस्ट ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया और अपनी हेडलाइन में कहा कि भारत और ईयू ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते में 'मदर ऑफ ऑल डील्स पर मुहर लगाई।

द गार्जियन ने इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स- ईयू और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए के तौर पर अपनी खबरों में जगह दी।

इसी तरह की हेडलाइन बीबीसी ने भी देते हुए कहा- भारत और ईयू ने मदर ऑफ ऑल डील्स की घोषणा की।

ब्लूमबर्ग ने अपने एक और लेख में सघन आपूर्ति श्रृंखला समेकन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कारों पर ड्यूटी पहले के 100 प्रतिशत से अधिक के स्तर की तुलना में 10 प्रतिशत तक कम हो जाएगी और ऑटो कंपोनेंट्स पर ड्यूटी खत्म कर दी जाएगी।

एसोसिएटेड प्रेस ने इस समझौते की व्यापकता की जानकारी देते हुए अपनी हेडलाइन में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जताई जो वैश्विक व्यापार का एक तिहाई हिस्सा है। इस समझौते के पैमाने को अल जज़ीरा ने भी इस समझौते को प्रमुखता से दिखाते हुए कहा कि मदर ऑफ ऑल डील्स- भारत-ईयू ट्रेड डील से 27 ट्रिलियन डॉलर का बाज़ार बनेगा।

रॉयटर्स ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताते हुए कहा कि भारत, ईयू ने ऐतिहासिक व्यापारिक समझौता किया, ज़्यादातर सामानों पर टैरिफ कम किए जाएंगे।

फॉक्स न्यूज़ पर पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा ने कहा कि इस समझौते से भारत को फायदा होने वाला है,

क्योंकि कई अहम सेक्टर में टैरिफ घटाकर ज़ीरो कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश अब यूरोपीय बाज़ार में भारत से मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

वैश्विक प्रमुख: पूरे यूरोप के कई वरिष्ठ राजनीतिज्ञों ने सार्वजनिक तौर पर इस समझौते का स्वागत किया।

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने बातचीत के नतीजे को बहुत ही सकारात्मक संकेत÷ बताया और इस वृद्धि और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए इसे शीघ्र अति शीघ्र लागू करने की अपील की।

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत-ईयू एफटीए को ऐतिहासिक और दोनों पक्षों द्वारा अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक और राजनीतिक संबंध काफी मजबूत होंगे।

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि यह समझौता सहयोग के एक नए युग की शुरुआत है, जो व्यापार और साझेदारी के माध्यम से समृद्धि, प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को मजबूत करेगा।

ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉक ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों को फायदा पहुंचाने वाला एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है और इसे तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था में यूरोप की उदार नीति के लिए एक बड़ा कदम बताया।

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके राममुसेन ने समझौते को पूरा समर्थन देते हुए इसे भू-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया और दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार में पहले कदम उठाने के लाभ पर जोर दिया।

फ्रांस के विदेश व्यापार और आर्थिक मंत्री निकोलस फोरिसियर ने ईयू-भारत समझौते को एक बड़ा राजनीतिक कदम बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि ÷यह दूसरे समझौतों से अलग है।÷

यूरोपीय संसद के सदस्य सैंड्रो गोज़ी ने कहा कि यह समझौता साफ तौर पर साझेदारी में विविधता लाने और अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता बढ़ाने की ईयू की जरूरत को दिखाता है। उन्होंने भारत को एक प्रमुख वैश्विक राष्ट्र बताते हुए कहा कि भू-राजनीतिक और कूटनीतिक नजरिए से, यह समझौता यूरोपीय और भारतीयों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलता है।

व्यापार प्रमुख और संगठन: भारत में काम कर रहे यूरोपीय और वैश्विक व्यापार प्रमुखों ने इस समझौते से अत्यंत उम्मीद जताते हुए इसे लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता बताया।

एयरबस में भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया के अध्यक्ष जुर्गन वेस्टरमेयर ने एफटीए को 20 वर्ष की वार्ता के बाद एक ÷बड़ा पल÷ बताते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए अवसरों को बढ़ाने का काम करेगा।

एयरबस इंटरनेशनल के अध्यक्ष वाउटर वैन वर्श ने इसे ÷शानदार दिन÷ बताया, और मेक इन इंडिया, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, रक्षा, अंतरिक्ष और अत्याधुनिक विनिर्माण के प्रति एयरबस की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दोहराया।

इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक जान नोएथर ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों और वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से को एक साथ लाता है, और इसे मदर ऑफ ऑल ट्रेड्स÷ बताया। बर्लिन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएचके बर्लिन) के अध्यक्ष, सेबेस्टियन स्टीज़ेल ने भारत-ईयू एफटीए को लगातार तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति में खुलेपन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि भारत अब भविष्य का बाज़ार नहीं, बल्कि वर्तमान का बाज़ार है, जिसमें बर्लिन को अब अवसरों का फ़ायदा उठाना चाहिए।

वोक्सवैगन, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज जैसी प्रमुख जर्मन कार निर्माताओं के सीईओ सहित प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत में जर्मन निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के इस समझौते की क्षमता की सराहना की।

क्रोएशियाई एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन (एचयूपी) और बिजनेसयूरोप ने वैश्विक संरक्षणवाद के बीच ईयू-भारत एफटीए को ईयू के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक कदमों में से एक बताया।

स्वीडिश व्यापार संगठनों जैसे स्वेन्स्कट नेरिंग्सलिव और फ़ोरेटैगार्ना ने इसे एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें कम टैरिफ और बेहतर बाज़ार पहुंच का हवाला दिया गया है।

आयरिश आर्थिक और व्यावसायिक निकायों ने ईयू-भारत एफटीए का स्वागत किया है। चैंबर्स आयरलैंड ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया जो आयरिश निर्यातकों, विशेष रूप से मशीनरी और कृषि-खाद्य क्षेत्रों के लिए बाज़ार पहुंच और विविधीकरण को बढ़ाता है।

अन्य वरिष्ठ व्यावसायिक हस्तियों, जिनमें फ्रैंक श्लोडर (मैनेजिंग डायरेक्टर, हेफ़ेल साउथ एशिया), थॉमस वोल्टर (मैनेजिंग डायरेक्टर, क्रोन्स मशीनरी इंडिया), लार्स एरिक जोहानसन (एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, ऑक्सिया जीएमबीएच), जान-ओलोफ़ जैक (सीईओ, कन्फेडरेशन ऑफ़ स्वीडिश एंटरप्राइज) और फ्रेडरिक पर्सन (प्रेसिडेंट, बिजनेसयूरोप) शामिल हैं, ने इस समझौते का नियमों पर आधारित व्यापार, आपूर्ति-श्रृंखला उदारता, एसएमई विकास और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए एक मजबूत संकेत के रूप में स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और थिंक टैंक: वैश्विक नीति विशेषज्ञों और थिंक टैंक ने इस समझौते को ठोस रूप से मजबूत और रणनीतिक रूप से सही समय पर किया गया फैसला बताया।

सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के वरिष्ठ सलाहकार रिचर्ड रॉसो ने कहा कि यह समझौता दुनिया की एक चौथाई आबादी और वैश्विक व्यापार के एक बड़े हिस्से को एक साथ लाता है और उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के हाल के एफटीए गहरे और अधिक महत्वाकांक्षी व्यापार प्रतिबद्धताओं की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाते हैं।

अटलांटिक काउंसिल के सीनियर फेलो माइकल कुगेलमैन ने भारत-ईयू एफटीए को ÷सही समय पर सही समझौता÷ बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह अमेरिकी टैरिफ से परे है और एक व्यापक, तेजी से बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है।

भू-राजनीतिक रणनीतिकार वेलिना चकारोवा ने इसे पैमाने और रणनीतिक इरादे दोनों के मामले में इस दशक के सबसे महत्वपूर्ण भू-आर्थिक समझौतों में से एक बताया।

कील इंस्टीट्यूट फॉर द वर्ल्ड इकोनॉमी ने कहा कि गहरे ईयू-भारत एकीकरण से द्विपक्षीय व्यापार में 41 से 65 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, दोनों पक्षों में जीडीपी के 0.12-0.13 प्रतिशत तक वास्तविक आय बढ़ सकती है।

यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस ने ईयू-भारत एफटीए को हाल के वर्षों में हुए सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक बताया, जिसमें सामान, सेवाएं, निवेश, डिजिटल व्यापार और नियामक सहयोग शामिल हैं।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) ने कहा कि कई भागीदारों के साथ व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने पर भारत की हाल की प्रगति- एक अधिक खुली अर्थव्यवस्था की ओर एक कदम का संकेत देती है और यह भारत के अपने दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाओं को बढ़ाएगा।

कहीं भस्मासुर न बन जाए एआई

(अक्षय शुक्ला)

पौराणिक कथा है कि एक असुर घोर तपस्या से भगवान शिव को प्रसन्न कर वरदान पा लेता है कि जिसके भी सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा। फिर क्या था, भस्मासुर देवताओं के पीछे

पड़ गया। हद तो तब हो गई जब अहंकार में चूर होकर वह एक दिन शिवजी के पीछे ही दौड़ पड़ा। तब भगवान विष्णु मोहिनी रूप धारण कर उसे अपने ही वरदान से भस्म करवा देते हैं।

कुछ ऐसे ही भस्मासुर आज भी हमारे बीच मौजूद हैं, जो किसी भी अच्छी चीज़ का दुरुपयोग करने पर आमादा रहते हैं। एआई यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को ही ले लीजिए। जिस तरह से जीवन के हर क्षेत्र में यह मददगार साबित हो रहा है, वह किसी वरदान से कम नहीं। लेकिन इसका दुरुपयोग मानव जाति पर संकट भी खड़ा कर सकता है, जिसकी चिंता खुद इसके जनक कई बार ज़ाहिर कर चुके हैं।

चैटजीपीटी बनाने वाले ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने इसके बढ़ते खतरों के प्रति एक बार फिर आगाह किया है। वे पहले भी कह चुके हैं कि एआई पर सख्त नियंत्रण बेहद ज़रूरी है, वरना गलत हाथों में पड़कर यह सर्वनाश कर सकता है। उनकी कंपनी ने बढ़ते सुरक्षा खतरों पर नज़र रखने के लिए बाकायदा एक पोस्ट क्रिएट कर दी है।

सैम की यह चिंता बेवजह नहीं है। जिस तेज़ी से हर फील्ड में एआई की उपयोगिता बढ़ी है और यह दिन पर दिन खुद को बेहतर करता जा रहा है, उससे कई तरह के सुरक्षा खतरे पैदा हो गए हैं। यह बहुत तेज़ी से कंप्यूटर सुरक्षा से जुड़ी कमज़ोरियों का पता लगाने में सक्षम होता जा रहा है। यह बैंकिंग सिस्टम के लिए घातक हो सकता है क्योंकि एआई अब हैकिंग में भी गलतियां ढूंढना शुरू कर चुका है। इसके दूसरे खतरों की बात करें तो सोशल मीडिया पर जिस तेज़ी से फर्ज़ी व आपत्तिजनक कंटेंट और विडियो की भरमार हो गई है, वह किसी की निजी ज़िंदगी को बर्बाद करने के साथ ही समाज में आसानी से वैमनस्य बढ़ा सकता है। देखने में ये इतने वास्तविक लगते हैं कि बिना परखे इन पर विश्वास करने पर अनहोनी हो सकती है।

अरावली पर्वतमाला: अवैध खनन रोकने में जनसहभागिता भी जरूरी

अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है।

सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए हो जाती है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। यही कारण है कि 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है। 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है। अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेष को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेस चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है।

अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले

अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है।

अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है। दरअसल अरावली पर्वतमाला केवल प्राकृतिक अवस्था नहीं है बल्कि अन्य सब कारकों के साथ ही इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। अरावली श्रृंखला धूलभरी आंधियों से संरक्षित करती है तो जल संरक्षण और नदियों का स्रोत भी है। वन्य जीवों सहित जैव विविधता को अपनी कोख में संरक्षित किये हुए हैं। अब दोहरा संकट सामने हैं। एक और अरावली के संरक्षण की आवष्यकता है तो दूसरी और बेशकीमती खनिजों का खनन भी समय की मांग है। हांलाकि जैसा नवंबर के आदेश के बाद विशेषज्ञों के विष्लेषण सामने आये हैं वह कहानी कुछ और ही कहता है पर यह विवाद या बहस का विषय हो सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अवैध खनन एक प्रमुख कारण रहा है। हांलाकि दिसंबर के केप्ट इन एवियांस आदेश के साथ ही राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने प्रदेष में अरावली क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर, 25 से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। अभियान के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1445 प्रकरण दर्ज हुए और संबंधित पुलिस थानों में 320 एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान 140 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। 82898 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 68 एक्सक्वेटर, जेसीबी सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए और 1223 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये गये। अभियान के दौरान जुर्माने के रुप में 9 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा किए गए। यह भौतिक उपलब्धि रही है। खैर आंकड़ों को अलग रख भी दिया जाए तो राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ईमानदार प्रयास किये हैं। केन्द्र सरकार ने भी अरावली संरक्षण को लेकर कार्ययोजना घोषित की है। इस क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध तो है ही।

चिंतनीय और गंभीर सवाल यह उठता है कि नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय के अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के कुछ समय बाद जिस तरह से अरावली संरक्षण के लिए देश व्यापी आवाज उठी और जिस तरह से डीपी लगाने और प्रदर्शन आदि का दौर चला वह दिसंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नवंबर के आदेश को केप्ट इन एवियांस करने के साथ ही ना जाने कहां नेपथ्य में चला गया। हांलाकि अरावली पर्वतमाला को लेकर जिस तरह से आवाज उठाई गई वह जागरुकता की मिसाल मानी जा सकती है। बाद में तो कुछ छुट-पुट आवाज ही सुनाई दी।

इंटर परीक्षा को लेकर प्रशासन की तैयारी पूरी

2 से 13 फरवरी तक आयोजित होगी परीक्षा, कदाचारमुक्त परीक्षा संपन्न कराने का दिया गया टास्क

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने गुरुवार को कारगिल विजय सभा भवन में परीक्षा कार्य में संलग्न सभी पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। जिला प्रशासन बेगूसराय द्वारा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट वार्षिक (सैद्धान्तिक) परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। यह परीक्षा 2 फरवरी से 13 फरवरी तक जिले के कुल 39 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी।परीक्षा प्रथम पाली में पूर्वाह्न 9:30 बजे से अपराह्न 12:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली में अपराह्न 2 बजे से अपराह्न 5:15 बजे तक संचालित होगी। दोनों पालियों में परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व 15 मिनट का 'कूल-अफ समय निर्धारित किया गया है। परीक्षा की शुरूआत 2 फरवरी को प्रथम पाली में जीव विज्ञान तथा द्वितीय पाली में अर्थशास्त्र विषय से होगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार इस वर्ष जिले में कुल 37,935 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। जिनमें 16,480 छात्र तथा 21,455 छात्राएं शामिल हैं। इंटरमीडिएट परीक्षा के आयोजन के लिए पूरे जिले में कुल 39 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अनुमंडलवार व्यवस्था के अनुसार बेगूसराय अनुमंडल में सर्वाधिक 22 केंद्रों पर 24,490 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। तेघड़ा अनुमंडल में 05 केंद्रों पर 4,775, मंझौल अनुमंडल में 04 केंद्रों पर 2,317, बखरी अनुमंडल में 04 केंद्रों पर 2,705 तथा बलिया अनुमंडल में 04 केंद्रों पर 3,648 परीक्षार्थियों को आवंटित किया गया है। परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण एवं शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्रों पर धारा 144 के अंतर्गत निषेधाज्ञा प्रभावी रहेगी। सभी परीक्षार्थियों की मुख्य द्वार पर सघन तलाशी ली जाएगी, जबकि महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला कर्मियों द्वारा सुरक्षित घेरे में की जाएगी। परीक्षा केंद्रों के भीतर जूता-मोजा पहनकर प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा तथा परीक्षार्थियों को केवल चप्पल पहनकर ही प्रवेश की अनुमति होगी। मोबाइल फोन अथवा अन्य इलेक्ट्रनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, जो परीक्षार्थियों के साथ-साथ वीक्षकों एवं अन्य कर्मियों पर भी लागू होगा। प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी निकासी एवं खोलने की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। प्रथम पाली के प्रश्न-पत्र प्रातः 08:00 बजे से पूर्व तथा द्वितीय पाली के प्रश्न-पत्र पूर्वाह्न 11:30 बजे से पूर्व किसी भी स्थिति में नहीं निकाले जाएंगे। इसके अतिरिक्त परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित फोटोस्टेट मशीन, कपियर एवं डुप्लीकेटर के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों के आलोक में परीक्षा को पूर्णतः स्वच्छ, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराया जाएगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कर्मियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में भी दिया गया है। ताकि इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा का आयोजन सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जा सके।

यूजीसी व आईसी कानून को बताया फॉरवर्ड क्लास विरोधी

संविधान दिवस पर केन्द्र सरकार पर कांग्रेस का हमला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बक्सर। संविधान, समानता और न्याय की भावना के प्रतीक दिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि आज जब पूरा देश संविधान की मूल भावना को याद कर रहा है, उसी दिन केंद्र की अहंकारी सरकार देश के नागरिकों–विशेषकर छात्रों और फॉरवर्ड क्लास समाज–के अधिकारों पर लगातार प्रहार कर रही है। डॉ. पांडे ने आरोप लगाया कि एक ओर यूजीसी के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था पर अंधा और तानाशाही कानून थोपा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नए दंडात्मक प्रावधानों (आईसी कानून) के जरिए ऐसी कानूनी संरचना बनाई गई है, जिसमें कानून की नजर में सभी नागरिक समान नहीं रह गए हैं। उन्होंने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कोई फॉरवर्ड क्लास का व्यक्ति पिछड़ी जाति पर टिप्पणी करता है तो उसे तुरंत अपराधी मान लिया जाता है, लेकिन यदि पिछड़ी जाति का कोई व्यक्ति ब्राह्मण, भूमिहार या अन्य फॉरवर्ड क्लास समाज पर झूठा या अपमानजनक आरोप लगाता है, तो उसके लिए सरकार ने कोई स्पष्ट दंडात्मक प्रावधान तय नहीं किया है। उन्होंने इसे दोहरा कानून बताते हुए कहा कि यह न्याय और संविधान दोनों के खिलाफ है। डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था से फॉरवर्ड क्लास समाज के छात्र, युवा और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। झूठे आरोपों का डर, सामाजिक बदनामी और कानूनी उत्पीड़न उनके जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, जबकि सरकार इस पर आंख मूंदे बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जानबूझकर समाज को जातियों में बांटकर राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। शिक्षा के क्षेत्र में यूजीसी के नियमों और कानून व्यवस्था में आईसी जैसे प्रावधानों के जरिए फॉरवर्ड क्लास की आवाज दबाने तथा उनके संवैधानिक अधिकारों को सीमित करने की साजिश रची जा रही है।

ई-रिक्शा चालकों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। गुरुवार को समाहरणालय द्वार पर ई-रिक्शा चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला प्रशासन के विरुद्ध प्रदर्शन किया। हड़ताल के दौरान शहर के कई प्रमुख मार्गों पर ई-रिक्शा चालकों ने अपने वाहन सड़कों पर खड़े कर दिए।जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कई स्थानों पर चालकों ने रिक्शा में सवार यात्रियों को उतारकर सड़क जाम कर दिया। हड़ताली चौक के समीप बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक धरना-प्रदर्शन करते नजर आए। प्रदर्शन कर रहे चालकों का कहना है कि नगर निगम द्वारा बिना किसी बुनियादी सुविधा के पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। जो पूरी तरह अनुचित है। चालकों ने ई-रिक्शा चालकों के लिए विश्रामालय, शौचालय, सस्ती रोटी की व्यवस्था और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर ई-रिक्शा स्टैंड निर्माण, ई-रिक्शा पर लगाए गए कथित अवैध टैक्स को समाप्त करने की भी मांग उठाई। हड़ताल के कारण आम यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं शहर की यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। ई-रिक्शा संघ के बैनर तले यह धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया है। संघ के अध्यक्ष के नेतृत्व में हड़ताली चौक पर यह आंदोलन जारी है।फिलहाल मौके पर पुलिस बल की तैनाती नहीं की गई है, हालांकि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से ई-रिक्शा चालकों को कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया है।

बाल मेला सह स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। उत्क्रमित मध्य विद्यालय अतरूआ परिसर में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के साथ गुरुवार को संयुक्त रूप से बाल मेला एवं स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विद्यालय शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार विजय भारती तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक विश्वनाथ साह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उक्त बाल मेला में आंगनबाड़ी केंद्र में नामांकित बच्चों ने मिट्टी से आतियां व विभिन्न वस्तुएं बनाना, कलर गेम्स, रंगों के अनुसार वस्तुओं की छंटाई, गार्डेड पिक्चर बनाना, रिंग टस, सफ्ट बल थ्रो तथा छोटी कहानी सुनाने जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं विद्यालय के कक्षा एक, दो एवं तीन के बच्चों ने रीडिंग कर्नर विद्या के अंतर्गत छोटी कहानी पढ़ना, शब्द कार्ड लेटर साउंड गेम, गणित विद्या के तहत अंक पहचान व पैटर्न बनाना जैसी शैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी निभाई वहीं क्रिएटिव आर्ट के अंतर्गत मास्क निर्माण व पेपर फोल्डिंग का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा पारंपरिक खेलों में सफ्ट रिले गेम, पिठू आदि भी कराए गए। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका मधुमाला कुमारी एवं सहायिका उषा देवी ने खेल-आधारित शिक्षण से बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को सरल व रोचक बनाने पर विस्तार से चर्चा की। वहीं प्रधानाध्यापक विश्वनाथ साह ने उपस्थित अभिभावकों से आग्रह किया कि जिन बच्चों ने छह वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, उनका शत-प्रतिशत नामांकन विद्यालय में सुनिश्चित कराया जाए। बाल मेला व स्पोर्ट्स मीट में आंगनबाड़ी केंद्र के अदिति, आदिल, प्रिया, स्वाति, गणेश, अनुराग, आरूषि, आयुषी, साक्षी, सृष्टि, अभिराज, निधि, आयुष, दिव्यांशी, अंकुश, अंश, राखी, रानी, रूपेश सहित कई बच्चों ने भाग लिया। विद्यालय स्तर पर कक्षा एक के प्रियांशु कुमार, कक्षा दो की सरस्वती कुमारी व सिद्धांत कुमार तथा कक्षा तीन की सुहानी कुमारी ने कफी दौड़ में भाग लिया। नृत्य प्रतियोगिता में कक्षा तीन के शिवम कुमार तथा लंगड़ी रेस में कक्षा तीन के प्रिंस कुमार विजयी रहे। वहीं आंगनबाड़ी से कविता पाठ में आदित्य कुमार व आरव कुमार तथा शब्द पहचान में आदित्य कुमारी ने सराहनीय प्रदर्शन किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रधानाध्यापक के द्वारा कापी और कलम देकर त्वरित पुरिस्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक तहसीन अंजूम ने किया तथा सभी गतिविधियां शिक्षिका ललिता कुमारी, धर्मेंद्र सहनी, विरदेव कुमार व भारती सिंह के द्वारा करवाए गए।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक सुमित कुमार भारती, सुमन कुमार, नूतन कुमारी, विद्यालय शिक्षा समिति की अध्यक्ष जगतरणी देवी, सचिव रुक्मिणी देवी, सदस्य संजीला देवी, हीरा कुमारी सहित दर्जनों अभिभावक व विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

वार्षिक उत्सव बाल मेला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय बेगमपुर में गुरुवार को स्पोर्ट्स प्री प्राइमरी के अंतर्गत आंगनबाड़ी के बच्चों एवं उनकी माताओं के साथ वर्ग प्रथम से तृतीय के बच्चों के बीच वार्षिक उत्सव स्पोर्ट्स मीट सह बाल मेला का आयोजन किया गया। इसका नेतृत्व प्रधानाध्यापक राजेश कुमार चौधरी ने किया। पूर्व प्रधानाध्यापक राम बिलास मोची ने कहा कि जिस स्कूल में आंगनबाड़ी केन्द्र अवस्थित है। उस स्कूल के शिक्षक तथा आंगनबाड़ी सेविका सहायिका के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना ही इस आयोजन का उद्देश्य है। इसके तहत आंगनबाड़ी केन्द्र के प्री प्राइमरी कक्षा के शिक्षण प्राप्त कर चुके 6 वर्ष की उम्र के बच्चों का प्रथम कक्षा में शत प्रतिशत नामांकन कराने के लिए अभिभावकों को प्रेरित करना है। इसमें बच्चों को नये वातावरण में आने में हो रही झिझक को भी समाप्त करना है। बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत मिट्टी से निर्मित खिलौना, चित्रकला, संगीत, लंगड़ी दौड़, गोली चम्मच, संगीत कुर्सी का आयोजन किया गया। छोटी कहानी पढ़ने में जानकी कुमारी, शब्द निर्माण में अंजली कुमारी, चित्रांकन में रिषु, ऋषभ, ऋतु राज, पत्ते को रंगना में ऋषभ, ऋतु क्रिएटिव कार्य में आरती, श्वेता, श्रृष्टि, राज रानी, ऋतिका, डांली, करीना, टिंकल, चंदन कुमार ने बेहतर प्रदर्शन कर अव्वल रहा। मौके पर सेविका अविनाश कौर, सहायक शिक्षक संजय कुमार पासवान, निस्पम कुमारी, मुन्नी कुमारी, नागेन्द्र कुमार आदि मौजूद थे।

नीति आयोग के दिशा-निर्देशों पर डीएम ने की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। जिले के समग्र विकास और पिछड़े क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत शत-प्रतिशत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस पहल की जा रही है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें अभियान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं परिणामोन्मुखी कार्य करने के निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम का उद्देश्य विकास के प्रमुख मानकों पर पिछड़े जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्रों में लक्षित सुधार सुनिश्चित करना है। बेगूसराय इस कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल है और जिले में इन क्षेत्रों में प्रभावी हस्तक्षेप किए जा रहे हैं। इसी तर्ज पर आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के माध्यम से जिले के पिछड़े प्रखंडों की पहचान कर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को गति दी जा रही है। नीति आयोग की विशेष पहल 'संपूर्णता अभियान 2.0 का उद्देश्य चयनित प्रमुख सूचकांकों में शत-प्रतिशत संतृप्तता हासिल करना है। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीपीओ सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया तथा स्पष्ट किया कि अभियान की नियमित समीक्षा एवं निगरानी उप विकास आयुक्त और अपर समाहर्ता द्वारा की जाएगी। संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत जिला स्तर पर शिशुओं का जन्म के समय वजन, टीबी अधिसूचना, आंगनवाड़ी पोषण दिवस, बालिका शौचालय की उपलब्धता एवं पशु टीकाकरण जैसे सूचकांकों पर विशेष फोकस किया जाएगा। वहीं प्रखंड स्तर पर बच्चों को पूरक पोषाहार, आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों का शारीरिक मापन, पेयजल की उपलब्धता, शौचालय सुविधा तथा मवेशियों के टीकाकरण को प्राथमिकता दी जाएगी। अभियान का औपचारिक शुभारंभ आगामी 30 जनवरी को कारगिल विजय सभाभवन (प्रेक्षागृह), बेगूसराय में किया जाएगा, जहाँ जिले के सभी विभागों एवं पिरामल फाउंडेशन की टीम द्वारा एकजुट होकर बेगूसराय को विकास के नए आयाम तक पहुँचाने का संकल्प लिया जाएगा। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु पिरामल फाउंडेशन जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए तकनीकी सहयोग, क्षेत्रीय मार्गदर्शन एवं जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो में बक्सर के जयप्रकाश सिंह सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बक्सर। बेगूसराय स्थित हर्ल ग्राउंड में आयोजित बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो के अवसर पर पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को राज्य स्तरीय सम्मान से नवाजा गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, सुरेन्द्र महतो के कर-कमलों द्वारा महदह (बक्सर) निवासी, प्रगतिशील किसान, जदयू नेता एवं डेयरी क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे जयप्रकाश सिंह को डेयरी, मत्स्य, लेयर फार्मिंग एवं पशुपालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मंत्री सुरेन्द्र महतो ने कहा कि बिहार में डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। ऐसे प्रगतिशील किसानों का सम्मान अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो के माध्यम से किसानों, वैज्ञानिकों और पशुपालन से जुड़े संस्थानों को एक साझा मंच मिला है, जिससे नई तकनीकों, नवाचारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंच सकेगी। जयप्रकाश सिंह के सम्मानित होने पर जिला के किसानों में हर्ष का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि पर बक्सर जिला के समस्त किसानों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। किसानों का कहना है कि उनका समर्पण, मेहनत और नवाचार न केवल बक्सर बल्कि पूरे बिहार में डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर जदयू जिला महासचिव जितेन्द्र सिंह, अरुण कुमार सिंह, सिदेश सिंह, उनके पिता जीउत सिंह जी, विमलेन्द्र कुमार 'बब्लू', श्याम जी वर्मा, अनिरुद्ध तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं बक्सर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने भी जयप्रकाश सिंह की मेहनत और कर्तव्यनिष्ठता की सराहना करते हुए कहा कि वे सभी बक्सरवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। साथ ही, बिहार के डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस सफल एवं उपयोगी एक्सपो के लिए बक्सर जिला के किसानों की ओर से बिहार सरकार, पशु संसाधन विभाग एवं सभी आयोजकों को हार्दिक धन्यवाद एवं बधाई दी गई।

डीडीसी ने किया तेघरा गौशाला का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

तेघड़ा। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत संचालित गोवर्धन योजना के तहत तेघड़ा स्थित गौशाला में क्रियाशील सामुदायिक बायो-गैस इकाई का उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा बायो-गैस प्लांट के इनलेट, डाइजेस्टर, आउटलेट एवं कम्पोस्टिंग यूनिट का विस्तृत अवलोकन किया गया। साथ ही स्थानीय उपभोक्ता रामाज्ञा यादव के घर में बायो-गैस की निर्बाध आपूर्ति की स्थिति का भी जायजा लिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने सामुदायिक बायो-गैस इकाई से आय वृद्धि की संभावनाओं पर विशेष बल देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी, तेघड़ा एवं क्रियान्वयन एजेंसी के प्रतिनिधि को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्लांट हेतु गोबर की आपूर्ति केवल गौशाला तक सीमित न रखते हुए स्थानीय किसानों से भी सुनिश्चित की जाए तथा इसके बदले किसानों को तैयार कम्पोस्ट उपलब्ध कराया जाए, जिससे किसानों को प्रोत्साहन मिले एवं प्लांट की सततता बनी रहे। निरीक्षण के क्रम में सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योजना को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश उप विकास आयुक्त द्वारा दिए गए। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, तेघड़ा डीपीओ जिला समन्वयक, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियानय जीविका के प्रबंधक बीपीएम, जीविकाय गौशाला के प्रतिनिधि तथा सावित्री रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इसी क्रम में बिहार सरकार की सात निश्चय-3 योजना के अंतर्गत साथी इनिशिएटिव के तहत खेल मैदानों के विकास की कड़ी में आज उप विकास आयुक्त द्वारा तेघड़ा प्रखंड स्थित यमुना भगत स्टेडियम का भी निरीक्षण किया गया। योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले में खेल से जुड़े एक सेंटर अफ एक्सीलेंस की स्थापना की जानी है। जिसके तहत यमुना भगत स्टेडियम में लगभग 300 बच्चों को फुटबल प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु कार्य योजना तैयार की जा रही है। उल्लेखनीय है कि यमुना भगत स्टेडियम खेलो इंडिया के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर के फुटबल टूर्नामेंट के सफल आयोजन का साक्षी रहा है। जिला प्रशासन, बेगूसराय द्वारा इस स्टेडियम को सेंटर अफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां खिलाड़ियों के लिए आवासीय हॉस्टल सहित अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

तारा कॉलेज में फायर सेफ्टी का किया गया रिहर्सल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चेरिया बरियारपुर। प्रखण्ड के तारा कलेज अफ एजुकेशन बिक्रमपुर में फायर सेफ्टी विभाग ने गुरुवार को आग से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धक और व्यवहारिक दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। अग्निशमन अधिकारी राम बाबू राय और सुनील पाठक ने बड़े ही सरल और प्रभावी तरीके से समझाया कि आग किन कारणों से लगती है और इससे कैसे बचा जा सकता है। उन्होंने आपातकालीन स्थिति में घबराहट से बचने, तुरंत सुरक्षित स्थान की ओर जाने और दूसरों की सहायता करने के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सुरक्षा से जुड़े अनेक प्रश्न भी पूछे, जिनका अधिकारियों ने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ उत्तर दिया। इस सत्र ने सभी में सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, सचिव राज किशोर सिंह, प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य अगम कुमार तथा अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

उर्दू गंगा-जमुनी तहजीब की पहचान, इसके संवर्धन को प्रशासन प्रतिबद्ध : डीएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बक्सर। जिला उर्दू भाषा कोषांग के तत्वावधान में नगर भवन, में उर्दू कार्यशाला, सेमिनार एवं मुशायरा का आयोजन अत्यंत सफल, गरिमामय एवं साहित्यिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी साहिला द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में जिला पदाधिकारी ने कहा कि उर्दू भाषा गंगा-जमुनी तहज़ीब की एक अनूठी मिसाल है। इसके संवर्धन और विकास के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुशायरा, सेमिनार एवं कार्यशाला जैसे आयोजन उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डीडीसी ने अपने संबोधन में कहा कि वे स्वयं एक कवयित्री हैं और इस अवसर पर उन्होंने अपनी रचना को भावपूर्ण एवं प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उर्दू ऐसी भाषा है जिससे हम स्वयं को अलग नहीं कर सकते, क्योंकि इसका प्रयोग हमारे दैनिक जीवन में सहज रूप से होता है। कार्यक्रम में जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे भाषा-संवर्धन की दिशा में एक सार्थक प्रयास बताया। वहीं स्थानीय शायरों, वक्ताओं एवं साहित्य प्रेमियों ने उर्दू भाषा के महत्व और उसकी सामाजिक भूमिका पर अपने विचार रखे, जिससे पूरा वातावरण साहित्यिक रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के सफल संचालन में मो. अमानुल्लाह, अलीयुन हैदरी सहित अन्य कर्मियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहभागिता निभाई।

आनंद रंजन झा के कुशल नेतृत्व में कुशल युवा कार्यक्रम की फाइनल परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अधीन संचालित कुशल युवा कार्यक्रम के अंतर्गत कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी, जंदाहा में अक्टूबर 2025 बैच की फ्रेश परीक्षा एवं सितंबर 2025 बैच की री-एग्जाम परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण, अनुशासित, पारदर्शी एवं पूर्णतः सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साह, आत्मविश्वास एवं अनुशासन के साथ भाग लिया।

परीक्षा के दौरान केंद्र के संस्थापक एवं निदेशक आनंद रंजन झा स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने परीक्षार्थियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए

उन्हें तनावमुक्त, सकारात्मक एवं अनुशासित वातावरण में परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। उनके कुशल नेतृत्व, सतत निगरानी एवं दीर्घ अनुभव के कारण पूरी परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष, सुव्यवस्थित एवं विश्वसनीय रूप से संपन्न कराई गई। कुशल युवा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षार्थियों को 240 घंटे का अनिवार्य एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जो प्रतिदिन 4 घंटे की नियमित कक्षाओं के माध्यम से पूर्ण किया जाता है। परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु न्यूनतम 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं गंभीरता सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय है कि कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी, जंदाहा बीते 17 वर्षों से शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत एक प्रतिष्ठित संस्था है। वर्ष 2017 से यह संस्थान कुशल युवा कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्णतः निःशुल्क सरकारी कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, जिससे ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इस अवसर पर श्री आनंद रंजन झा ने कहा कुशल युवा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को डिजिटल दक्षता, आत्मविश्वास एवं रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना पूरी तरह सरकारी एवं निःशुल्क है तथा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त और दूरदर्शी पहल है। परीक्षा उपरांत सफल प्रशिक्षार्थियों को सरकारी प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनकी डिजिटल एवं व्यावसायिक दक्षता का प्रमाण होगा। परीक्षा व्यवस्था, अनुशासन एवं केंद्र की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए प्रशिक्षार्थियों ने कैरियर मिशन कंप्यूटर एकेडमी, जंदाहा को क्षेत्र का एक आदर्श, अनुशासित एवं भरोसेमंद केंद्र बताया।

बजट से पहले अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनियन बजट 2026 से पहले आर्थिक सर्वेक्षण पर सभी की नजर है, जो बजट का एक महत्वपूर्ण पूर्वाभास होता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज, 29 जनवरी को, बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में इस सर्वेक्षण को पेश करेंगी। वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा तैयार इस महत्वपूर्ण दस्तावेज को मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन प्रस्तुत करेंगे। परंपरागत रूप से इसे बजट से एक दिन पहले जारी किया जाता है, लेकिन इस बार यह 1 फरवरी को पेश होने वोल बजट से पहले आ गया है।

आर्थिक सर्वेक्षण क्या है- इकोनामिक सर्वे भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर एक वार्षिक रिपोर्ट है। यह पिछले वित्तीय वर्ष, आगामी वर्ष, ग्रोथ इंडिकेशन, मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान और रोजगार, व्यापार व देश के राजकोषीय स्वास्थ्य के दृष्टिकोण का डिटेल एनालिसिस और समीक्षा प्रस्तुत करता है। आर्थिक सर्वेक्षण बताता है कि पिछले एक साल में वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों सहित अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था ने कैसा प्रदर्शन किया। पिछले सर्वेक्षण में वित्त वर्ष 2026 के लिए आर्थिक दृष्टिकोण को सतर्क बताया गया था, जिसमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे माल की कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव की चुनौतियां थीं। निजी क्षेत्र के निवेश, उपभोक्ता विश्वास और ग्रामीण मांग में सुधार को प्रमुख विकास चालक माना गया था।

रोजगार के रुझान

भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार का सृजन जरूरी है। आर्थिक सर्वेक्षण सरकार के उस फोकस को रेखांकित करता है, जो वैश्विक कार्यबल की मांगों को पूरा करने के लिए पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन पर है। साथ ही, श्रम लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देकर रोजगार वृद्धि को गति देना इसका लक्ष्य है।

- **बाहरी क्षेत्र-** भारत का बाहरी क्षेत्र वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के लिए देश की तैयारियों को दर्शाता है। सरकार ने पहले ही मान लिया है कि संरक्षणवाद के अनुकूल होने और ग्लोबल सप्लाई चेन में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक व्यापार रोडमैप आवश्यक है। पिछले सर्वेक्षण के अनुसार, निर्यात 602.6 अरब डॉलर और आयात 682.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में मिले-जुले रुझान देखे गए, हालांकि मजबूत व्यापक आर्थिक कारकों ने एफपीआई फ्लो को सकारात्मक बनाए रखा। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 640.3 अरब डॉलर पर पहुंच गए, जो बाहरी ऋण के 90 प्रतिशत को कवर करता है।
- **कीमतें और मुद्रास्फीति-** पिछले आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था का आकलन करने के लिए मुद्रास्फीति के रुझानों को समझना महत्वपूर्ण था। 2022 में चरम पर पहुंचने के बाद वैश्विक मुद्रास्फीति में कमी आई। भारत में, सरकार के उपायों के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में कमी देखी गई, जबकि खाद्य कीमतों पर सप्लाई चेन और मौसम का प्रभाव रहा।
- **निवेश और बुनियादी ढांचा-** पिछले पांच वर्षों में, सरकार ने भौतिक, डिजिटल और सामाजिक बुनियादी ढांचे के निर्माण, सार्वजनिक खर्च बढ़ाने और विकसित भारत@2047 के लक्ष्यों को पूरा करने हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है।

गोल्डलोन 2 साल में हुआ दोगुना, कर्ज लेने में पुरुष आगे, चुकाने में महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच सुरक्षित माने जाने वाले इस सेगमेंट में बैंकों और अन्य कर्जदाताओं की दिलचस्पी बढ़ने से देश में सोने के आभूषण के बदले कर्ज दो साल में करीब दोगुना होकर नवंबर 2025 तक 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। क्रिफ हाई मार्क की रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2025 तक के एक साल में सोने के बदले कर्ज (गोल्ड लोन) में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पहले नवंबर 2024 तक के वर्ष में इसमें 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। इस वजह से नवंबर 2023

में 7.9 लाख करोड़ रुपये पर रहा कुल गोल्ड लोन पोर्टफोलियो दो साल में बढ़कर 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक, सोने के बदले कर्ज को लेकर बढ़ते भरोसे के कारण खुदरा कर्ज के कुल पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी भी बढ़ी है। नवंबर 2025 के अंत तक कुल खुदरा ऋण में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 8.1 प्रतिशत थी।

क्यों बढ़ा गोल्ड लोन- क्रिफ हाई मार्क ने कहा कि लोन पोर्टफोलियो में यह तेज बढ़ोतरी सोने की ऊंची कीमतों और मजबूत गारंटी की वजह से हो रही है। सोने की कीमतों में आई तेजी से कर्ज लेने वालों की पात्रता बढ़ने से कर्ज की राशि भी ज्यादा हो गई है। बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से गोल्ड लोन में सरकारी स्वामित्व वाले बैंकों का दबदबा बना हुआ है और इस कारोबार में उनकी हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है।

ईक्लर्क्स का चौथी बार बोनस शेयर देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ईक्लर्क्स सर्विसेज लिमिटेड शेयर के शेयर गुरुवार, 29 जनवरी को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज शुरुआती कारोबार में ही करीबन 5 प्रतिशत तक चढ़ गए और 4624 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे बोनस शेयर का ऐलान है। दरअसल, कंपनी के बोर्ड ने शेयरधारकों के लिए 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। इसका

eClerx

मतलब है कि रिकॉर्ड डेट पर जिन निवेशकों के पास जितने शेयर होंगे, उन्हें उतने ही अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेंगे। हालांकि, रिकॉर्ड डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है। बता दें कि कंपनी के शेयर का फेस वैल्यू 10 है। बोर्ड के फैसले के 60 दिनों के भीतर बोनस शेयर शेयरधारकों के डीमैट खातों में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। यानी 27 मार्च 2026 तक यह प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है।

चौथा बोनस शेयर दे रही कंपनी- बता दें कि ईक्लर्क्स सर्विसेज लिमिटेड का चौथा बोनस इश्यू है। इससे पहले कंपनी ने सितंबर 2022 में 1:2 के रेशियो में बोनस दिया था। उससे पहले दिसंबर 2012 में 1:3 और जुलाई 2010 में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी किए गए थे। खास बात यह है कि कंपनी बीते कुछ सालों से अपने शेयरधारकों को लगातार रिवार्ड करती आ रही है। बोनस के साथ-साथ ईक्लर्क्स ने शेयर बायबैक भी किए हैं। हाल ही में दिसंबर 2025 और उससे पहले जुलाई 2024 में कंपनी ने अपने इक्विटी शेयरों का बायबैक पूरा किया था। बता दें कि कंपनी के शेयर पिछले 6 महीनों में 22 प्रतिशत और 1 साल में करीब 45 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है।

पहली बार पेंशन को सीधे हेल्थ की जरूरतों से जोड़ने की पहल

इलाज के लिए पैसा निकालना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएफआरडीए ने एनपीएस स्वास्थ्य पेंशन योजना को एक अलग स्वास्थ्य आधारित योजना के रूप में तैयार किया है। असल में इसका मकसद यह है कि रिटायरमेंट से पहले या बाद में जब भी इलाज के लिए जरूरत पड़े, अंशधारक को कर्ज लेने, बीमा क्लेम के चक्कर या रिश्तेदारों पर निर्भर न रहना पड़े। इस योजना के जरिये वह अपने ही पेंशन फंड से इलाज का खर्च निकाल सकता है। इस योजना में कोई भी अपनी मर्जी से शामिल हो सकता है। इसकी शर्त बस इतनी है कि उसके पास पहले से एनपीएस का खाता होना चाहिए। वैसे सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों के कर्मचारी, स्वरोजगार करने वाले लोग और रिटायरमेंट की योजना बना रहे निवेशक सब इसके दायरे में आते हैं। इसमें योगदान की राशि भी अंशधारक अपनी क्षमता के अनुसार तय कर सकता है, ठीक वैसे ही जैसे सामान्य एनपीएस में किया जाता है।

इलाज के लिए पैसा निकालना होगा आसान- इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है इलाज खर्च के लिए आंशिक निकासी। अगर किसी को ओपीडी इलाज या अस्पताल में भर्ती होकर खर्च करना पड़ता है, तो वह अपने स्वास्थ्य पेंशन खाते से 25 प्रतिशत तक रकम निकाल सकता है।

- **गंभीर बीमारी में पूरी रकम निकालने की छूट-** अगर किसी अंशधारक को ऐसी गंभीर बीमारी हो जाती है, जिसमें इलाज का खर्च कुल फंड के 100 प्रतिशत से ज्यादा हो, तो उसे पूरा पैसा एकमुश्त निकालने की अनुमति मिलेगी यानी कैंसर, हार्ट सर्जरी या लंबे इलाज जैसी स्थितियों में रिटायरमेंट की उम्र का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।
- **40 साल से ऊपर वालों को खास फायदा-** 40 साल से ज्यादा उम्र के वे लोग जो सरकारी सेवा में नहीं हैं, उनके लिए इस स्कीम में एक खास सुविधा रखी गई है। ऐसे अंशधारक अपने मौजूदा एनपीएस खाते से 30 प्रतिशत तक की रकम स्वास्थ्य पेंशन योजना में ट्रांसफर कर सकते हैं।
- **पैसा सीधे अस्पताल को मिलेगा-** पीएफआरडीए ने साफ किया है कि इलाज के लिए निकाली गई रकम सीधे टीपीए या अस्पताल को भुगतान के रूप में जाएगी। इससे पैसों के दुरुपयोग की संभावना कम होगी और पूरा सिस्टम ज्यादा पारदर्शी रहेगा।

रक्षा क्षेत्र- सैन्य आधुनिकीकरण पर 20 प्रतिशत खर्च बढ़ाने की उम्मीद

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के पहले चरण की रणनीतिक सफलता के बाद सरकार इस बार सबसे एक्शन ओरिएंटेड रक्षा बजट पेश करने जा रही है। यह सिर्फ सैन्य आवंटन नहीं, बल्कि भारत की ऑफेंसिव-डिफेंस नीति का आर्थिक घोषणापत्र होगा, जो स्पष्ट करेगा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और सेनाएं भविष्य की किसी भी स्ट्राइक के लिए तकनीकी रूप से पूरी तरह तैयार हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में, रक्षा मंत्रालय ने इस बार सैन्य आधुनिकीकरण पर 20 फीसदी अधिक आवंटन का रोडमैप तैयार किया है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के हालिया संकेतों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेनाओं की कुछ तकनीकी कमियां सामने आई हैं। बजट में इन्हें दूर करने के

लिए विशेष प्रावधान होंगे।सरकार का ध्यान ऐसे जीपीएस-मुक्त ड्रोन निर्माण पर है, जो दुश्मन की जैमिंग के बावजूद सटीक प्रहार कर सकें। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रौद्योगिकी व ड्रोन-रोधी प्रणालियों के लिए मजबूत स्वदेशी ईको-सिस्टम का निर्माण प्राथमिकता होगी।

चार प्राथमिकताएं- स्वदेशी ड्रोन ईको-सिस्टमः बिना जीपीएस और जैमिंग-मुक्त ड्रोन निर्माण के लिए फंड।

एंटी-ड्रोन तकनीकः सीमाओं पर स्मार्ट फेंसिंग और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस का विस्तार।

डाटा ग्रिडः तीनों सेनाओं को एक ही डिजिटल नेटवर्क से जोड़कर त्वरित प्रहार की क्षमता।

फ्यूचर वेपन्सः निर्देशित ऊर्जा हथियार (डीईडब्ल्यू) और एआई आधारित रक्षा प्रणाली।

रुपये को लगा बड़ा झटका; डॉलर के मुकाबले गिरकर 92 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। लगातार बढ़ती डॉलर की मांग और वैश्विक बाजारों में सतर्क माहौल के कारण रुपये पर दबाव बढ़ गया, जिससे यह 92.00 प्रति डॉलर के ऑल-टाइम लो तक फिसल गया।

गिरावट के कारण- रुपये में गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी डॉलर में व्यापक मजबूती और एशियाई मुद्राओं में कमजोरी मानी जा रही है। वैश्विक बाजारों में डॉलर की तेजी के कारण उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ गया है, जिसका असर भारतीय रुपये पर भी साफ दिखाई दे रहा है। फॉरेक्स बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा 2026 की पहली मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों को तटस्थ रखने के फैसले के बाद डॉलर इंडेक्स में मजबूती आई, जिससे रुपये में गिरावट तेज हुई। इसके अलावा, भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से निवेशकों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जिससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर दबाव बना हुआ है।

इस साल कितना कमजोर हुआ रुपया?

इस साल अब तक रुपया करीब 2 प्रतिशत कमजोर हो चुका है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के माल निर्यात पर भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद से रुपया लगभग 5 प्रतिशत तक गिर चुका है।

इंटरबैंक बाजार में रुपया 91.95 पर खुला और गिरकर 92.00 तक पहुंच गया।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित पाबरी ने कहा कि लगातार पूंजी निकासी के कारण डॉलर की मांग बनी हुई है, जिससे रुपये पर दबाव कायम है। इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है और लगातार तीसरे सत्र में बढ़त दर्ज की गई है। यह तेजी अमेरिका द्वारा ईरान को लेकर संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद आई है, जिससे तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ गई है। पाबरी के अनुसार, भारत एक बड़ा तेल आयातक देश होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक बनी रहने वाली तेजी के प्रति अधिक संवेदनशील है।

डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.29 प्रतिशत गिरकर 96.16 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 69.30 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

आरबीआई के हस्तेक्षप से रुपये की गिरावट हो सकती है सीमित- फॉरेक्स विशेषज्ञों का मानना है कि नॉन-डिलीवरी फॉरवर्ड बाजार में यूएसडी/आईएनआर का 92.00 के आसपास बना रहना एक अहम तकनीकी स्तर है। अगर यह स्तर स्थायी रूप से टूटता है, तो रुपया 92.20 से 92.50 के स्तर तक कमजोर हो सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक के संभावित हस्तक्षेप और डॉलर में नरमी रुपये की गिरावट को सीमित कर सकती है और इसे 91.00-91.20 के स्तर की ओर वापस खींच सकती है।

घरेलू शेयर बाजार में दिखी कमजोरी

घरेलू शेयर बाजार में भी कमजोरी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 343.67 अंक गिरकर 82,001.01 पर आ गया, जबकि निफ्टी 94.2 अंक टूटकर 25,248.55 पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 480.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जो बाजार के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

ग्रीन-इलेक्ट्रिक नेशनल हाईवे की हो सकती है घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस बार आम बजट 2026-27 में पारंपरिक नेशनल हाईवे की लंबाई बढ़ाने के बजाय ग्रीन और इलेक्ट्रिक नेशनल हाईवे को प्राथमिकता दी जाएगी।

यही कारण है गत वर्ष की अपेक्षा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की बजटीय सहायता में महज 2-3 फीसदी की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार आम बजट में बड़े नीतिगत बदलाव किए जा सकते हैं। इसमें सड़क निर्माण के साथ-साथ ग्रीन एनर्जी और ई-मोबिलिटी को पहली प्राथमिकता दी जा सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट से इस बार विभाग को 2.92 लाख करोड़ रुपये (पिछले वर्ष से 1.8 फीसदी ज्यादा) की बजटीय सहायता मिल सकती है। सरकार का पीपीपी मोड के तहत अधिक से अधिक राशि जुटाने का प्रयास होगा।

इलेक्ट्रिक नेशनल हाईवे के लिए 5000 करोड़ का विशेष फंड- सरकार सड़कों के मुद्रीकरण से अतिरिक्त 35,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखेगी। इसे सीधे ग्रीन प्रोजेक्ट्स में निवेश किया जाएगा। बजट में इलेक्ट्रिक नेशनल हाईवे के लिए 5000 करोड़ का विशेष फंड का प्रावधान किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि आम बजट में दिल्ली-जयपुर और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के चुनिंदा सेक्शन को पायलट इलेक्ट्रिक नेशनल हाईवे के रूप में विकसित करने के लिए एक विशेष प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की जा सकती है।

इसमें स्वीडन और जर्मनी की तर्ज पर ओवरहेड केबल तकनीक, भारी ट्रकों के लिए ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइनों का ट्रायल अब बड़े स्तर पर शुरू किया जाएगा। हर 40-50 किलोमीटर पर सड़क किनारे फास्ट चार्जिंग स्टेशनों के लिए निजी ऑपरेटरों को 20-25 फीसदी की कैपिटल सब्सिडी मिलने की उम्मीद है। बजट में 10,000 से 11,000 किलोमीटर हाईवे निर्माण का लक्ष्य रखा जा सकता है। यानी प्रतिदिन 27 से 30 किलोमीटर सड़कों का निर्माण होगा।

सड़क निर्माण में कचरे का उपयोग

सरकार अब सर्कुलर इकोनॉमी के तहत नई सड़कों के निर्माण में नगर निगम के कचरे और प्लास्टिक के अनिवार्य उपयोग के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। इसमें सड़क बनाने वाली कंपनियों को कार्बन क्रेडिट दिए जाएंगे, जिन्हें वे बाजार में बेच सकेंगी।

सैटेलाइट से टोल कलेक्शन

इस साल मंत्रालय सैटेलाइट टोलिंग योजना शुरू करेगा। इसके तहत टोल प्लाजा के बजाय सैटेलाइट से टोल टैक्स कलेक्शन किया जाएगा। इससे ईंधन की बचत होगी और ट्रैफिक जाम नहीं होगा। सड़क बनाने से पहले उसका डिजिटल मॉडल तैयार होगा, जो निर्माण की गलतियों में कमी और पारदर्शिता लाएगा। सरकार नया बिजनेस मॉडल ला सकती है, जहां निजी कंपनियां हाईवे पर बिजली की बुनियादी संरचना लगाएंगी और ट्रकों से बिजली खपत के आधार पर शुल्क वसूलेंगी।

रेलवे की कंपनी को मिला एक और काम

मल्टीबैगर रिटर्न दे चुके शेयर की बढ़ी चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ साल में रेलवे से जुड़ी कंपनी-रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर ने निवेशकों का चौंकाने वाला रिटर्न दिया है। हालांकि, कुछ महीनों से यह शेयर बिकवाली मोड में भी नजर आया है लेकिन अब बुधवार को एक पॉजिटिव खबर ने फिर बूस्ट दे दिया। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन शेयर 5.73 प्रतिशत बढ़कर 342.45 रुपये के स्तर तक जा पहुंचा। शेयर में यह तेजी कंपनी को मिले एक प्रोजेक्ट की वजह से आई है।

क्या है प्रोजेक्ट डिटेल- दरअसल, कंपनी को एक प्रोजेक्ट उत्तरी रेलवे ने दिया है। इसके तहत उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी पर एक नए रेल-सह-सड़क पुल के डिजाइन और निर्माण का काम करना है। इस प्रोजेक्ट के लिए आरवीएनएल-जीपीटी ज्वाइंट वेंचर के साथ सबसे कम बोलीदाता (एल1) के रूप में उभरा है।

इस परियोजना में काशी रेलवे स्टेशन के पास मौजूदा मालवीय पुल से लगभग 50 मीटर नीचे की ओर स्थित नए रेल-सह-सड़क पुल संख्या 11 का निर्माण शामिल है। कार्यक्षेत्र में पुल के आधार और ऊपरी ढांचे दोनों का डिजाइन और निर्माण शामिल है। इसमें ओपन वेब स्टील गर्डरों का उपयोग करके 108.5 मीटर के आठ स्पैन और 103.3 मीटर के दो स्पैन शामिल हैं।

तृप्ति बेहतरीन एक्ट्रेस हैं और लगातार अच्छा काम कर रही हैं

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर जल्द फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी के साथ दिखाई देगी। हाल ही में दैनिक भास्कर के साथ बातचीत के दौरान शाहिद कपूर ने तृप्ति के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की और उनकी जमकर तारीफ की। शाहिद ने कहा कि तृप्ति एक बेहद शानदार एक्ट्रेस हैं और फिल्म में उनका किरदार बहुत खूबसूरत तरीके से लिखा गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनके और तृप्ति के किरदारों के बीच जो रिश्ता है, उसकी जर्नी काफी यूनीक और इंटरेस्टिंग है। शाहिद के मुताबिक, जब भी दो कलाकार पहली बार साथ काम करते हैं, तो उसमें एक अलग तरह की फ्रेशनेस होती है और अगर वह सही तरह से बैठ जाए, तो उसका असर स्क्रीन पर साफ दिखाई देता है।

शाहिद ने आगे कहा, मैंने तृप्ति के साथ काम करते हुए बहुत एंजॉय किया। वह अब अपने करियर के उस दौर में हैं, जहां वह लगातार अच्छा काम कर रही हैं। यह रोल उन्हें बहुत सूट करता है और जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें यह साफ नजर आएगा। फिल्म 'ओ रोमियो' का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है और यह शाहिद के साथ उनकी चौथी फिल्म है। यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 13 फरवरी 2026 को वैलेंटाइन डे के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में नाना पाटेकर, रणदीप हुड्डा, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी और तमन्ना भाटिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

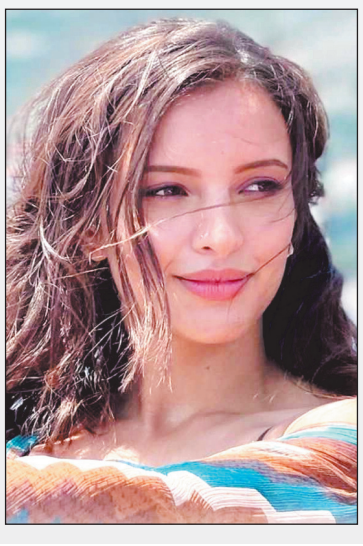

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, उनमें ताकत और डर का मिश्रण

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया। चित्रांगदा ने आगे कहा, ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।

फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी। बैटल ऑफ गलवान 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

मारिया आईपीएस हो सकता है जॉन की फिल्म का टाइटल

निर्देशक रोहित शेट्टी, जो अब तक कमर्शियल एक्शन और कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अपनी अगली फिल्म में अलग और गंभीर तेवर दिखाने जा रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म एक एक्शन ड्रामा है, जो पुलिस अधिकारी राकेश मारिया के जीवन से प्रेरित बताई जा रही है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका जॉन अब्राहम निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन अब तक मेकर्स ने इसके टाइटल को लेकर चुप्पी साध रखी थी। अब सूत्रों के हवाले से खबर है कि फिल्म का संभावित नाम मारिया आईपीएस तय किया गया है। रोहित, जॉन और कोर टीम को लगा कि मारिया आईपीएस इस फिल्म के लिए बिल्कुल उपयुक्त टाइटल है। यह राकेश की असल पहचान से जुड़ा है, साथ ही कमर्शियल अपील भी है। मेकर्स ने अन्य नामों पर भी विचार किया था, लेकिन फिलहाल मारिया आईपीएस ही सबसे आगे है।

महिलाएं जब पूरी ताकत से गेम में उतरती हैं, तो कोई उनके सामने खड़ा नहीं हो सकता

एक्ट्रेस युविका चौधरी जल्द ही अपकमिंग रियलिटी शो द 50 में नजर आएंगी, उन्होंने रियलिटी शो में महिलाओं के साथ होने वाले दोहरे मापदंडों पर खुलकर बात की। जहां अक्सर उनकी भावनाओं को गलत या कमजोर समझा जाता है। इस धारणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अपनी कमजोरी या भावनाएं दिखाने पर ज्यादा सख्ती से जज किया जाता है, युविका ने कहा कि जब महिलाएं पूरे विश्वास के साथ गेम में उतरती हैं, तो वे एक ऐसी ताकत बन जाती हैं जिसे कोई रोक नहीं सकता और वे शानदार प्रस्तुति देती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने बताया, जब कोई महिला सच में खेलती है, तो किसी और के लिए कोई जगह नहीं बचती। अगर महिलाएं पूरी तरह से गेम में उतरती हैं, तो कोई उनके सामने खड़ा नहीं हो सकता, वे इतनी मजबूत होती हैं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह अपनी इस यात्रा को अपनी व्यक्तिगत भागीदारी से कहीं ज्यादा देखती हैं। युविका ने बताया, मुझे ऐसा ही लगता है। मैं यहां सभी महिलाओं को रिप्रेजेंट करने और दुनिया को यह दिखाने आई हूं कि हम सब बहुत कुछ कर सकती हैं। बस अपने लिए स्टैंड लो। युविका ओम शांति ओम और तो बात पक्की! जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2009 में वह कन्नड़ फिल्म मलयाली जोतयाली में गणेश के साथ लीड रोल में भी काम कर चुकी हैं। साल 2015 में वह रियलिटी शो बिग बॉस 9 में कंटेस्टेंट थीं और साल 2019 में उन्होंने पति प्रिंस नरूला के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 9 में हिस्सा लिया और विनर बनीं।

उन्हें पिछली बार अंकुश भट्ट निर्देशित साइबर वार में देखा गया था। इसमें मोहित मलिक और सनाया ईरानी भी उनके साथ लीड रोल में हैं। युविका नच बलिए के बाद एक बार फिर से पति के साथ रियलिटी शो में नजर आएंगी। युविका की प्रिंस से मुलाकात बिग बॉस 9 के सेट पर हुई थी। प्रिंस ने साल 2018 में उन्हें प्रपोज किया और उनकी सगाई हो गई। उन्होंने साल 2018 में मुंबई में शादी की। उनकी एक बेटी है। बनिजय एशिया के रियलिटी शो द 50 जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर स्ट्रीम होने वाला, द 50 में युविका चौधरी, प्रिंस नरूला के साथ रिद्धि डोगरा, करण पटेल, मिस्टर फैजू, मोनालिसा, विक्रांत सिंह, दिव्या अग्रवाल, शाइनी दोशी, दुष्यंत कुकरेजा, शिव ठाकरे, नीलम गिरी, डिंपल सिंह, चाहत पांडे, हामिद बार्कजी, सुमायरा शेख, लवकेश कटारिया, नेहल चुडासमा, सपना चौधरी, निक्की तंबोली, अरबाज पटेल, वंशज सिंह, कृष्णा श्रॉफ समेत अन्य सितारे नजर आएंगे।

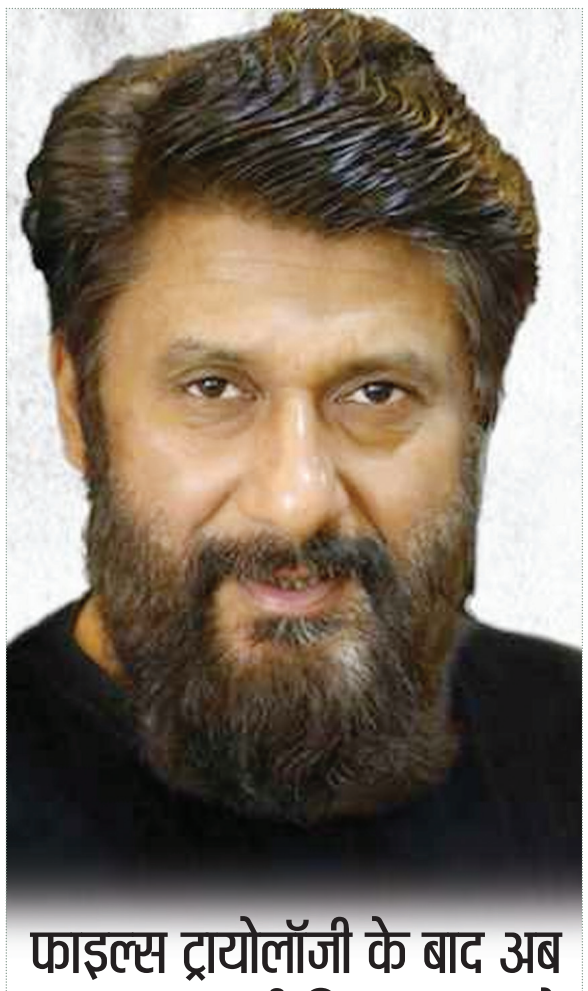

फाइल्स ट्रायोलॉजी के बाद अब खास तरह की फिल्म बनाएंगे विवेक रंजन अग्निहोत्री

फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की साल 2025 में रिलीज द बंगाल फाइल्स बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में सफल रही। द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और द बंगाल फाइल्स की चर्चित ट्रायोलॉजी पूरी करने के बाद फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री अब नई दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में इंटरव्यू में हिंट दिया कि ट्रायोलॉजी के बाद वह अब अलग और प्रेरणादायक फिल्में बनाएंगे, जो लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगी। उन्होंने बताया कि अब वह कुछ खास तरह की फिल्में बनाने पर विचार कर रहे हैं, जिसके केंद्र में देश होगा। इस साल वह तीन चीजों-नई प्रेरणादायक फिल्में, लेखन और युवा टैलेंट को मेंटरिंग पर फोकस कर रहे हैं। विवेक रंजन ने बताया, द बंगाल फाइल्स रिलीज के बाद मैं दो महीने अपनी पत्नी के साथ बाहर गया था। इस दौरान मैंने खुद के बारे में, समाज, राष्ट्र और फिल्मों के बारे में गहराई से सोचा। अब नई चेतना और उत्साह के साथ फिल्में बनाना चाहता हूं। साल 2012 में मैंने द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और द बंगाल फाइल्स की ट्रायोलॉजी की घोषणा की थी। बहुत संघर्ष और त्याग के बाद इन्हें पूरा किया। इनमें से दो फिल्में सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर रहीं, जबकि द बंगाल फाइल्स ने ऐसा प्रभाव डाला कि आने वाले सालों में इसकी चर्चा होती रहेगी। अब मैं अलग तरह की कहानियों पर काम करने की सोच रहा हूं। ऐसी फिल्में जो लोगों को प्रेरित करें कि राष्ट्र की बागडोर अपने हाथ में लें। उन्होंने आगे बताया, वास्तव में आज का सत्य क्या है, उससे कैसे जूझें और कैसे लड़ें? नई आशा, उमंग और उत्साह के साथ भारत का पुनर्निर्माण कैसे करें? बहुत समय हो गया है जब हमने भारत का वर्तमान और भविष्य सरकारों और राजनेताओं के हाथ में छोड़ दिया। स्वतंत्रता संग्राम की तरह अब युवाओं को बागडोर संभालनी होगी। इसलिए अब प्रेरणादायक और सकारात्मक कहानियां दिखाना चाहता हूं।

सोशल मीडिया के बारे में विवेक ने कहा कि वह साल 2008 से काफी एक्टिव थे और जागरूकता फैलाई, लेकिन अब सोशल मीडिया पैसे से जुड़ गया है। इसमें गंदगी, मनमुटाव, गाली-गलौज, नफरत और साइकोलॉजिकल हिंसा बढ़ गई है। महिलाओं और गरीबों के लिए सम्मान नहीं रहा। इसलिए सोशल मीडिया से हटकर लंबे लेख, अकादमिक वैल्यू वाले आर्टिकल्स पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने सबस्टैक और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर स्वतंत्र लेखन शुरू किया है। इसके अलावा वह युवा फिल्ममेकर्स को फिल्ममेकिंग में मेंटर करने का प्लान कर रहे हैं। उनकी कंपनी आई एम बुद्ध अब तक सिर्फ उनकी फिल्में प्रोड्यूस करती थी, लेकिन अब कई युवाओं की फिल्में प्रोड्यूस और मेंटर कर रही है। खासकर छोटे शहरों से आने वाले, कम अंग्रेजी जानने वाले लेकिन टैलेंटेड युवा लड़के-लड़कियां, जिन्हें मौका नहीं मिलता। उन्होंने दो ऐसी फिल्मों को मेंटर किया है जो बनकर तैयार हैं, एडिट हो चुकी हैं और सीबीएफसी में अप्लाई भी हो गई हैं। ये फिल्में बहुत अलग हैं। यही नहीं, वह ओटीटी के लिए भी काम कर रहे हैं, लेकिन सिर्फ रिसर्च-बेस्ड प्रोजेक्ट्स पर। वह खुद एक बड़ी फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका रिसर्च शुरू हो चुका है। कोई डेडलाइन नहीं है।

शादी और करियर पर विक्रांत सिंह और मोनालिसा ने साझा किए दिलचस्प किस्से

जल्द ही मोनालिसा और विक्रांत रियलिटी शो 50 में एक साथ नजर आएंगे। शो शुरू होने से पहले खास बातचीत में दोनों ने शो के फॉर्मेट, अपने रिश्ते और करियर को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। बता दें कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिसवास है और वे 50 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बिग बॉस 10 के बाद उनकी लोकप्रियता और भी बढी और उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई, जहां कई पापुलर शोज में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाईं।

मोनालिसा को लेकर समाज की सोच पहले निगेटिव थी - विक्रांत

विक्रांत सिंह के मुताबिक, मोनालिसा जब बिग बॉस में आई थी, उससे पहले लोगों की सोच ज्यादातर निगेटिव थी। हम जिस सोसाइटी से आते हैं, वहां खासकर लड़कियों के लिए निगेटिव सोच जल्दी बनती है। घर से निकलकर फिल्म इंडस्ट्री में आना गलत मान लिया जाता है। आप सही हों या गलत लोग की नजर में आप गलत ही हो जाते हैं। अगर आपने ऐसा किरदार चुना जिसे आपको परफॉर्म करना है, तो भी गलत माना जाता है। लोगों ने मोनालिसा के बारे में गलत सोचा। वो लोग बोलने से पहले सोचते नहीं।

शादी के बाद बदली राय, पर सोच धीरे बदलती है

वो आगे कहते हैं, बिग बॉस में आने के बाद कुछ हद तक राय बदली। हमारी शादी हुई तो और भी बदलाव आया। लेकिन सोच बहुत धीरे बदलती है। ज्यादातर लोग निगेटिव जाते हैं। आपकी मेहनत को लोग क्रेडिट नहीं देते कहते हैं अरे इसको ऐसे ही मिल गया होगा। ये सिर्फ मोना के साथ नहीं, कई लड़कियों के साथ होता है।

50 शो का स्केल देखकर दोनों ने तुरंत हां कहा

रियलिटी शो 50 के बारे में विक्रांत कहते हैं, मेकर्स ने बताया कि हिंदुस्तान का सबसे बड़ा शो बनाना चाहते हैं, 50 सेलेब्स आने वाले हैं। यह सुनकर कोई भी तुरंत सोच लेगा कि भाई मौका मिल रहा है, चौका मार देते हैं। तो हम तो तुरंत तैयार हो गए।

मोनालिसा - 15 नहीं, 50 लोग... फॉर्मेट ही सबसे बड़ा बदलाव

मोनालिसा ने आगे जोड़ा, जब फॉर्मेट सुना तो सबसे पहला सोच यही थी कि बहुत अलग होगा। पहले जब मैं बिग बॉस में गई थी, वहां 15 लोग थे, यहां 50 रहेंगे। और हमें दोनों को साथ बुलाया गया है। बिग बॉस के बाद हमें ज्यादातर रियलिटी शो ही ऑफर होते रहे, जैसे नच बलिये, स्मार्ट जोडी, किचन चैम्पियन यह सब बहुत एक्साइटिंग था। मुझे नए एक्सपीरियंस लेना पसंद है। मैं चाहती हूं कि करियर वाइज हमेशा कुछ नया करूं और लकी हूं कि मिल भी जाता है।

क्या रियलिटी शो रिश्ते पर असर डालते हैं?

विक्रांत साफ कहते हैं, पर्सनल लाइफ और घर में रहना एक बात है। लोगों के बीच जाकर कैसे रियेक्ट करते हो, वो दूसरी बात है। ऊपर से गेम खेलना है। तो मुझे लगता है कि डिफरेंसेज दिखेंगे ही। घर में भी कई मुद्दों पर हम सहमत नहीं होते। कोई प्लानिंग नहीं है हमारी। लोग मोना के नेचर को जानते हैं और मेरे लोग मुझे जानते हैं। मुझे उतना नहीं देखा है लोगों ने, तो इस शो से लोग मुझे पर्सनली जानेंगे। जो भी होगा नैचुरली होगा।

विक्रांत अपने प्रोफेशनल फैसलों पर मोना पर कितना निर्भर हैं?

विक्रांत कहते हैं, एक पैसे का निर्भर नहीं हूं। ये अच्छा नहीं है, लेकिन सच है। मोना को भी मालूम है। मैं भी ऐसा प्लेटफॉर्म चाहता हूं, जहां लोग मुझे जानें। जहां भी गया हूं, मेरे लोग जानते हैं कि मैं बिल्कुल नहीं सुनता हूं। सुनूंगा तभी जब बात में लॉजिक हो, वरना नहीं। उम्मीद करता हूं कि इस शो से मुझे मेरी पहचान मिले।

मोनालिसा किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मोनालिसा बताती हैं, बहुत सारे कैरेक्टर करना चाहती हूं। आजकल वेब सीरीज में इतने रियल रोल देखते हैं कि लगता है, ऐसा मैंने अभी तक किया ही नहीं है। रियल, नेचुरल, लोकेशन पर शूट बहुत कुछ बाकी है। पांच छह साल पहले पूछते तो कहती कि करीना की जब वी मेट जैसा चुलबुला रोल करना चाहती हूं। लेकिन अब उससे हटकर भी कई कैरेक्टर करना है।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड का ऐलान

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 15 फरवरी से सीरीज का आगाज होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ मल्टी फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड का ऐलान हो गया. सॉफी मॉलिन्यू की कप्तानी में टीम चुनी गई. एलिसा हीली के कप्तानी छोड़ने और भारत के साथ सीरीज के साथ संन्यास के ऐलान के चलते नेतृत्व में बदलाव करना पड़ा. हालांकि हीली भारत के खिलाफ वनडे सीरीज और इकलौते टेस्ट में कप्तानी संभालेंगे. इसके बाद वह इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ देंगी. 28 साल की मॉलिन्यू तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान बनाई गई है. वह इस भूमिका में आगाज टी20 सीरीज में कप्तानी के साथ करेंगी. उन्हें ताहलिया मैक्ग्रा और एश्ले गार्डनर पर तवज्जो दी गई है. ये दोनों भारत के खिलाफ सीरीज में उपकप्तान बनाई गई. मैक्ग्रा पहले से उपकप्तान थी और अब गार्डनर को दूसरी उपकप्तान बनाया गया है.

लगातार शतक ठोकने वाले सरफराज खान ने टीम इंडिया के सेलेक्शन पर तोड़ी चुप्पी- मॉलिन्यू ने 2018 में भारत के खिलाफ टी20 मुकाबले से इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था. लेकिन 2024 के बाद से वह अलग-अलग चोटों के चलते ऑस्ट्रेलिया के टी20 और टेस्ट नहीं खेल पाई हैं. हाल ही में वह डब्ल्यूबीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के सारे मैच भी नहीं खेल पाई थी. लेकिन 2024-25 के सीजन में इस टीम को पहली बार विजेता बनाने का उन्हें फायदा मिला. समझा जाता है कि कप्तान बनने में यह सफलता निर्णायक रही. मॉलिन्यू जून 2026 में टी20 वर्ल्ड कप से पहले वेस्ट इंडीज दौरे के साथ तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगी.

मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी

यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास वापस ले लिया है। मोईन ने सीजन 2026 के लिए ब्लास्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इस कॉन्ट्रैक्ट को 2027 तक बढ़ाया जा सकता है। मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी और कॉन्ट्रैक्ट की पुष्टि यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने बुधवार को की। मोईन ने क्लब द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैं ब्लास्ट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत खुश हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है, लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि टीम किस ओर जा रही है। टीम में बहुत प्रतिभा है। एंथनी के साथ काम करने और ग्रुप को आगे बढ़ाने में मदद करने का मौका मेरे लिए रोमांचक है। मुझे हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में मदद करना चाहता हूं।' यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रही थी। क्लब ने ऑफ-सीजन के दौरान डेविड मलान को ग्लूस्टरशायर और जॉर्डन थॉम्पसन को वारविकशायर के हाथों गंवा दिया। टीम ने कुछ विदेशी खिलाड़ियों सैम व्हाइटमैन, एंड्रयू टाई, नवीन-उल-हक और लोगान वैन बीक को साइन किया था। यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, 'मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं जिनका असर उनकी ऑन-फील्ड काबिलियत से कहीं ज्यादा है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को मजबूत करना जारी रखेंगे और ब्लास्ट में लगातार चुनौती देने में सक्षम टीम बनाएंगे। वह ड्रेसिंग रूम में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे, और उनके आने से पूरे क्लब और यॉर्कशायर में क्रिकेट पर सकारात्मक असर पड़ेगा। '

शिवम दुबे बने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में

तीसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत ने भले ही बुधवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के विरुद्ध चौथा टी20 मैच 50 रन से गंवाया, लेकिन इस मुकाबले में शिवम दुबे की पारी काबिल-ए-तारीफ थी। उन्होंने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो किसी भारतीय खिलाड़ी की ओर से तीसरी सबसे तेज फिफ्टी रही। इस लिस्ट में युवराज सिंह शीर्ष पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ डरबन के मैदान पर महज 12 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध इसी टी20 सीरीज में 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वह लिस्ट में दूसरे पायदान पर मौजूद हैं। यह मैच गुवाहाटी में खेला गया था।

तीसरे नंबर पर शिवम दुबे पहुंच गए हैं, जिन्होंने विशाखापत्तनम के मैदान पर महज 15 गेंदों में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 50 रन पूरे किए हैं। चौथे नंबर पर हार्दिक पंड्या हैं, जिन्होंने साल 2025 में अहमदाबाद के मैदान पर साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 16 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। वहीं, अभिषेक शर्मा 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए लिस्ट में पांचवें स्थान पर भी हैं। अभिषेक शर्मा ने साल 2025 में यह कारनामा इंग्लैंड के विरुद्ध वानखेड़े स्टेडियम में किया था। न्यूजीलैंड के विरुद्ध विशाखापत्तनम में खेले गए इस मैच में शिवम दुबे ने पारी के 12वें ओवर में ईश सोढ़ी के खिलाफ दो चौके और तीन छक्के लगाने के साथ एक डबल लिया। इस ओवर में दुबे ने कुल 28 रन हासिल किए, जबकि एक रन वाइड के रूप में भी आया। इसी के साथ दुबे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एक ओवर में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। रोहित शर्मा ने साल 2024 में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क के विरुद्ध एक ही ओवर में 28 रन बनाए थे।

आईसीसी टी20 रैंकिंग

अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बरकरार, सूर्यकुमार यादव की लंबी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी टी20 फॉर्मेट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले तीन टी20 मैचों में खेली 2 अर्धशतकीय पारियों के दम पर सूर्यकुमार यादव की एंट्री शीर्ष दस बल्लेबाजों में हो गई है। साल 2025 में बतौर बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे और एक भी

अर्धशतक लगाने में असफल रहे सूर्यकुमार यादव टी20 के शीर्ष दस बल्लेबाजों की रैंकिंग से बाहर हो गए थे। 2026 की शुरुआत भारतीय कप्तान के लिए बेहतरीन रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी 5 टी20 मैचों की सीरीज के पहले तीन मैचों में 2 अर्धशतक की बदौलत उन्होंने 171 रन बनाए हैं। पिछले दोनों मैचों में वह नाबाद रहे। उनका सर्वाधिक स्कोर 82 रहा है। तीन मैचों में किए दमदार प्रदर्शन की बदौलत सूर्यकुमार यादव ने पांच स्थान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। शीर्ष दस बल्लेबाजों की रैंकिंग पर नजर डालें तो भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर मजबूती से बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे, भारत के तिलक वर्मा तीसरे, इंग्लैंड के जोस बटलर चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान पांचवें नंबर पर हैं।

क्या भारत की वनडे और टी20 टीम में जगह बनाना ही सरफराज खान का अगला बड़ा लक्ष्य?

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान वर्तमान में जीने की सोच के साथ अपने खेल को लगातार निखार रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और फिटनेस पर फोकस के दम पर उनका लक्ष्य भारत की सफेद गेंद टीम में वापसी करना है। आईपीएल में सीएसके का हिस्सा बनना उनके लिए एक नई प्रेरणा है, और धोनी जैसे दिग्गज के साथ खेलने का मौका उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करता है।

भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान भले ही टेस्ट क्रिकेट में सीमित मौके पा सके हों, लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर देखने के बजाय आगे की राह पर ध्यान केंद्रित किया है। उनका साफ लक्ष्य है, कड़ी मेहनत के दम पर भारत की सीमित ओवरों की टीम में जगह बनाना। दिल्ली के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबले की पूर्व संध्या पर सरफराज ने मीडिया से बातचीत में अपने सोचने के तरीके और भविष्य की योजनाओं को स्पष्ट शब्दों में रखा। सरफराज का मानना है कि क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान पर फोकस सबसे जरूरी है, न कि बीते मौकों या आने वाले कल की चिंता करना।

मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं'- सरफराज ने कहा, 'मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं। मैं अतीत में कुछ नहीं कर सकता। मुझे नहीं पता कि कल क्या होगा।' यह बयान उनके मानसिक संतुलन और पेशेवर सोच को दर्शाता है, जो लंबे समय तक क्रिकेट में टिके रहने के लिए बेहद अहम मानी जाती है।

खराब फॉर्म से वापसी तक का सफर- घरेलू क्रिकेट में एक दौर ऐसा भी आया जब सरफराज रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। हालांकि उन्होंने धैर्य नहीं खोया और अपनी फिटनेस के साथ-साथ तकनीक पर लगातार काम करते रहे। मेहनत का नतीजा यह रहा कि उन्होंने न सिर्फ लाल गेंद के क्रिकेट में, बल्कि सफेद गेंद के प्रारूपों में भी दोबारा रन बनाना शुरू कर दिया। हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में सरफराज ने अपना पांचवां दोहरा शतक जड़ा और इसी के साथ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 5,000 रन पूरे करने का बड़ा मुकाम भी हासिल किया।

मैच से पहले की दिनचर्या में भी सादगी- टीम के अभ्यास सत्र के दौरान सरफराज ने अपनी दिनचर्या को लेकर कहा, 'मुझे बस इतना पता है कि मैं घर जाऊंगा, घर पर बल्लेबाजी करूंगा, अपने पिता के साथ समय बिताऊंगा, होटल में सोऊंगा और कल मैच खेलूंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं भविष्य के बारे में नहीं सोचता। मुझे बस इतना पता है कि मैं वही करूंगा जो मैं वर्षों से करता आ रहा हूं। मैं अभ्यास करूंगा और खुद को बेहतर बनाऊंगा।'

टी20 विश्व कप से पहले अमेरिका का स्टार बल्लेबाज सस्पेंड

आईसीसी ने इस वजह से की कार्रवाई

दुबई, एजेंसी। आईसीसी ने 2023-24 में बारबाडोस में आयोजित बीआईएम10 लीग के दौरान कथित फिक्सिंग के मामले में अमेरिका के बल्लेबाज आरोन जोन्स को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। जोन्स 2024 में टी20 विश्व कप में डेब्यू करते हुए सुपर-8 चरण तक पहुंचने वाली अमेरिकी टीम का हिस्सा थे। उन पर भ्रष्ट

प्रस्ताव की जानकारी संबंधित अधिकारियों को न देने और कथित अपराध की जांच में सहयोग न करने का भी आरोप लगाया गया है।

आईसीसी ने बयान जारी किया

आरोन जोन्स को लेकर आईसीसी ने बयान जारी किया। आईसीसी की तरफ से कहा गया, 'आईसीसी ने अमेरिका के खिलाड़ी आरोन जोन्स पर क्रिकेट वेस्टइंडीज और आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी संहिता के तहत पांच उल्लंघनों का आरोप लगाया है। ये आरोप मुख्य रूप से 2023-24 के बीआईएम10 टूर्नामेंट से जुड़े हैं, जो सीडब्ल्यूआई की भ्रष्टाचार-रोधी संहिता के अधिकार क्षेत्र में आता है, जबकि दो अन्य आरोप अंतरराष्ट्रीय मैचों से संबंधित हैं, जो आईसीसी संहिता के अंतर्गत आते हैं।'

भारत आएगी बांग्लादेश की टीम, इस खिलाड़ी के पास खास पासपोर्ट, नहीं लेगा वीजा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच बड़ा बवाल देखने को मिला था. बांग्लादेश ने अपनी टीम को भारत भेजने से मना कर दिया था, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से भी बाहर होना पड़ा. बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया था. लेकिन बांग्लादेश सरकार ने एशियन राइफल एंड पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए अपने फैसले से सभी को चौंका दिया है.

भारत आएगी बांग्लादेश की टीम- बांग्लादेश सरकार ने एशियन राइफल एंड पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए अपनी नेशनल शूटिंग टीम के भारत दौरे को मंजूरी दे दी है. यह चैंपियनशिप 2 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित होगी. इस फैसले से पहले टीम की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी, लेकिन अब आधिकारिक रूप से मंजूरी मिल गई है. युवा एवं खेल मंत्रालय ने बुधवार को आधिकारिक सरकारी आदेश (जीओ) जारी किया, जिसमें टीम को इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की छूट दी गई. शूटिंग चैंपियनशिप के मामले में बांग्लादेश सरकार का मानना है कि सुरक्षा जोखिम कम है, क्योंकि यह आयोजन इंदौर में होगा, जो सुरक्षित जगह है. युवा और खेल सचिव एमडी महबूब-उल-आलम ने फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि दौरे को मंजूरी देने से पहले सभी पहलुओं पर विचार किया गया. उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश टीम में सिर्फ एक एथलीट और एक कोच है, जिससे यह बहुत छोटा समूह बन है. इसके अलावा, आयोजकों ने हमें आश्वासन दिया है कि कोई सुरक्षा समस्या नहीं होगी.

'मैं टीम के लिए जरूरी नहीं हूं...'

रिटायरमेंट पर केएल राहुल ने अपने बयान से किया हैरान, जानिए क्या कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल भारत के स्टार क्रिकेटर हैं, जो टीम इंडिया की कप्तानी भी कर चुके हैं. हालांकि वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का हिस्सा नहीं हैं. राहुल जैसे बड़े खिलाड़ी का ये कहना कि वह खुद को टीम के लिए ज्यादा जरुरी नहीं मानते, हैरान करने वाली बात है. उन्होंने 'द स्विच, केविन पीटरसन' यूट्यूब चैनल पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान के साथ बातचीत में अपने भविष्य की प्लानिंग पर बात की. केएल राहुल ने पीटरसन के साथ बातचीत में कहा, 'मुझे लोगों के प्रति क्रिकेट को लेकर दीवानगी के चलते क्रिकेट से प्यार नहीं हुआ. ये बस मैंने चुन लिया. मुझे याद है कि मेरे पापा भी क्रिकेट खेला करते थे और जब भी हमारे घर पर सभी लोग साथ होते थे तो सभी मर्द क्रिकेट खेलते थे. पापा मुझे गेंद करवाते और मैं दिन भर खेलता था, क्योंकि मुझे इसमें मजा आता था. शायद मेरी किस्मत में ही क्रिकेट खेलना लिखा था. '

मैं सुपरस्टार नहीं हूं- केएल राहुल- राहुल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं सुपरस्टार हूं. लोग जब मेरी तारीफ करते हैं तो

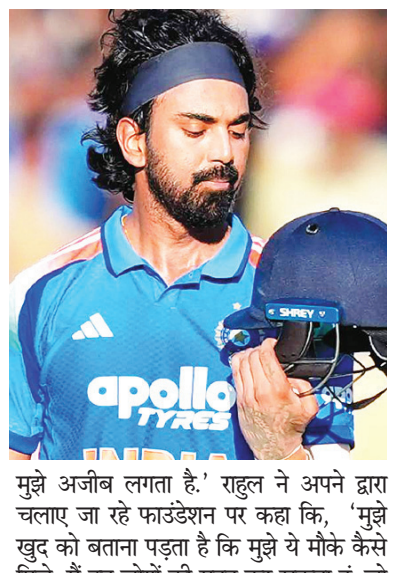

मुझे अजीब लगता है.' राहुल ने अपने द्वारा चलाए जा रहे फाउंडेशन पर कहा कि, 'मुझे खुद को बताना पड़ता है कि मुझे ये मौके कैसे मिले. मैं उन लोगों की मदद कर सकता हूं, जो अपनी जिंदगी में संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें सहारे की जरुरत है. लोग मुझसे सीधे भी संपर्क करते हैं, ये मौके मुझे क्रिकेट की वजह से मिले.

रिटायरमेंट पर क्या बोले राहुल- केविन पीटरसन ने कहा कि भारत में रिटायरमेंट के बारे में सोचना सबसे मुश्किल है, इस पर केएल राहुल ने कहा, 'मैंने जब भी इस बारे में सोचता हूं, तो जब आप खुद के लिए ईमानदार हैं तो ये सब करना मुश्किल नहीं है. जब रिटायरमेंट का समय आना होगा तो आएगा, इसे लंबा खींचने का कोई मतलब नहीं. जाहिर है कि अभी थोड़ा वक्त है. मैं कई बात चोटिल हुआ हूं और उससे उबरना किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल लड़ाई होती है. यह मानसिक लड़ाई होती है जब आप हार मान लेते हो. ' राहुल ने आगे कहा, 'क्रिकेट ने आपको बहुत कुछ दिया है, जिसमें अगले काफी समय तक गुजारा हो सकता है. इसलिए छोड़ दो, बस आनंद लो उन चीजों का जो आपके पास है. आपके पास आपका परिवार है. '

मैं इतना जरुरी नहीं- केएल राहुल ने आगे कहा, 'आप जानते हैं? मैं खुद को ये समझाने की कोशिश करता हूं कि मैं इतना महत्वपूर्ण प्लेयर नहीं हूं.

4टी20 वर्ल्ड कप 2026

रोहित शर्मा ने बताई टीम इंडिया की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए टीम इंडिया को टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम ने पिछले एक साल में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि यह सफर उतना सरल नहीं होगा जितना बाहर से दिखता है।

वर्ल्ड कप से पहले रोहित ने उस अहम चुनौती की ओर इशारा किया है, जो टीम मैनेजमेंट के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

- **भारत फेवरेट, लेकिन चुनौती बरकरार-** टीम इंडिया मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट की सबसे संतुलित और मजबूत टीमों में गिनी जाती है। बल्लेबाजी में गहराई, ऑलराउंडरों की भरमार और बेहतरीन गेंदबाजी विकल्प भारत की ताकत हैं। यही वजह है कि फैंस और एक्सपर्ट्स भारत को सेमीफाइनल तक का पक्का दावेदार मान रहे हैं। हालांकि, रोहित शर्मा के मुताबिक टूर्नामेंट में असली परीक्षा टीम कॉम्बिनेशन को लेकर होगी, जहां हर फैसला बेहद सोच-समझकर लेना पड़ेगा।
- **स्पिन अटैक बना सबसे बड़ा सवाल-** रोहित शर्मा ने खास तौर पर भारत के स्पिन आक्रमण को लेकर चिंता जाहिर की। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो स्पेशलिस्ट स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ वरुण पर भरोसा किया जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है।
- **दो स्पिनर या एक, यही है दुविधा** -रोहित के मुताबिक, अगर टीम मैनेजमेंट कुलदीप और वरुण दोनों को प्लेइंग इलेवन में शामिल करना चाहता है, तो उसे सिर्फ दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टर20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं।

ओस बनेगी बड़ा फैक्टर

रोहित शर्मा ने टूर्नामेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और कंट्रोल बनाए रखना मुश्किल हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का मोदी सरकार पर आरोप

● कहा- आपने तो गरीबों की कमर ही तोड़ दी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सरकार की नई रोजगार गारंटी योजना (वीबी-जी आरएएम जी) को पुरानी योजनाओं की 'नई पैकिंग' बताते हुए आलोचना की, जबकि मंत्री किरेन रिजिजू ने राष्ट्रपति के अभिभाषण में बाधा डालने को संसदीय मर्यादा का अपमान करार दिया। यह टकराव बजट सत्र में विपक्ष और सरकार के बीच तनावपूर्ण बहस का संकेत देता है।
संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बजट सत्र के संबोधन के दौरान हुए हंगामे के लिए विपक्ष की आलोचना करने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि पार्टी बुधवार को शुरू हुए बजट सत्र में एमएनआरईजीए का मुद्दा उठाएगी। इस सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के दोनों सदनों के संयुक्त संबोधन में शामिल होंगी। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने केंद्र सरकार की नई ग्रामीण रोजगार योजना, विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड रोजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी आरएएम जी) अधिनियम की आलोचना करते हुए सरकार पर गरीबों की कमर तोड़ने का आरोप लगाया।
मसूद ने एएनआई को बताया कि वे ऐसी बातें कर रहे हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। हमारा एमएनआरईजीए का एजेंडा है। आपने (सरकार ने) गरीबों की कमर तोड़ दी है, तो क्या हमें बोलने से भी रोक दिया जाएगा? क्या आप पुराने सामान को नए रूप में बेच रहे हैं, राष्ट्रपति के पूरे भाषण को पुराने और नए डिब्बों में लपेटकर दोबारा पेश कर रहे हैं? क्या इसके अलावा कुछ और है? हमने एमएनआरईजीए के बारे में बात की, और कुछ नहीं था।
बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र के स्थगित होने के बाद, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सत्र के दौरान विपक्ष के कृत्य की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष के व्यवहार ने देश को शर्मिंदा किया है। रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति के दोनों सदनों को संबोधित करते समय विपक्ष ने जो किया, उससे देश शर्मिंदा है। देश कांग्रेस और उसके सहयोगियों को कभी माफ नहीं करेगा।

दिल्ली-जयपुर हाईवे का सफर होगा नॉन स्टॉप, राजीव चौक पर जाम खत्म करने को बनेंगे फ्लाईओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित राजीव चौक पर ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए फ्लाईओवर तैयार किए जाएंगे। दिल्ली-जयपुर हाईवे से गुरुग्राम-सोहना हाईवे जाने के लिए फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सर्विस रोड पर जाने का भी प्रावधान होगा। सोहना-गुरुग्राम हाईवे से दिल्ली जाने के लिए फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। ट्रैफिक को झाड़सा की तरफ जाने का प्रावधान इस फ्लाईओवर में रखा जाएगा। बुधवार दोपहर को इस सिलसिले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा के बीच दिल्ली स्थित एनएचएआई कार्यालय में बैठक हुई। इसमें राजीव चौक के अलावा दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कई जगह पर ट्रैफिक जाम को कम करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कहा गया कि दिल्ली-जयपुर हाईवे, गुरुग्राम-सोहना हाईवे, दिल्ली-मुंबई हाईवे को जोड़ रही इस योजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए।

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे एलएफडी की जमीन पर बन सकेंगी सोसाइटी

7 गांवों के किसानों को मिलेगा मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे लैंड फॉर डेवलपमेंट (एलएफडी) की 500 हेक्टेयर भूमि पर सोसाइटी, खेल परिसर और व्यावसायिक केंद्र बनाने का रास्ता साफ हो गया है। प्राधिकरण ने उन सात गांवों के किसानों को 80 करोड़ रुपये मुआवजा वितरण की तैयारी कर ली है, जिनकी जमीन का एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहण हुआ था।

ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किलोमीटर लंबे यमुना एक्सप्रेसवे को जेपी इंफ्राटेक ने वर्ष 2012 में 12,000 करोड़ की लागत से तैयार किया था। एक्सप्रेसवे को बनाने के लिए 10 हजार किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई थी। ये किसान करीब 14 वर्षों से बढ़े हुए 64.7 प्रतिशत मुआवजे की मांग कर रहे थे। इन 10 हजार किसानों को करीब 1689 करोड़ रुपये मुआवजा मिलना है। इनमें 1335 करोड़ रुपये सुरक्षा रियलटी को देने हैं, जबकि 355 करोड़ प्राधिकरण को अपनी तरफ से देने हैं। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सुरक्षा को यह रकम चार किस्तों में चुकाने का आदेश दिया था। कंपनी ने यमुना प्राधिकरण को

पहली किस्त के अनुसार 254 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। एक्सप्रेसवे पर यमुना क्षेत्र माइलस्टोन 7.3 किलोमीटर पर शुरू होता है। यहां से 22.6 किलोमीटर तक आने वाली भूमि के किसानों को प्राधिकरण 80 करोड़ रुपये मुआवजा देगा। इसके लिए शिविर लगाए जाएंगे। प्राधिकरण ने दो महीने में किसानों को मुआवजा देने की योजना तैयार की है।

इन गांवों के किसानों को पहले मुआवजा मिलेगा- दनकौर, जगनपुर-अफजलपुर, सलारपुर, मिर्जापुर, निलौनी शाहपुर, अच्छेजा और रौनीजा।

एलएफडी भूमि पर विकास कार्य हो सकेंगे

जेपी इंफ्राटेक को यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे कुल 2500 हेक्टेयर एलएफडी (विकास हेतु भूमि) विकसित करने का अधिकार दिया गया था। इनमें से तीन एलएफडी गौतमबुद्ध नगर और एक-एक अलीगढ़ और आगरा में हैं। नोएडा में जेपी विश टाउन एलएफडी के तहत ही विकसित हो रहा है। इसी तरह से अन्य क्षेत्रों में भी विकास किया जाना है, लेकिन मुआवजा न मिलने के कारण यमुना सिटी की एलएफडी पर किसानों का कब्जा है। अब मुआवजा मिलने के बाद भूमि को कब्जा मुक्त कराया जा सकेगा, जिसके बाद यहां ग्रुप हाउसिंग, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, व्यावसायिक केंद्र बन सकेंगे।
आरके सिंह, सीईओ, यमुना विकास प्राधिकरण, सात गांवों के किसानों को 80 करोड़ रुपये मुआवजा वितरित किया जाएगा। इसके लिए सुरक्षा समूह से प्राधिकरण को 254 करोड़ रुपये मिल हो चुके हैं।

दिल्ली के गांवों में संपत्ति कर से छूट देने की तैयारी

जानें किन्हें मिल सकता है फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ग्रामीण इलाकों के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली नगर निगम ने विकास कार्यों के लिए प्रत्येक पार्षद को दो करोड़ रुपये हर वर्ष देने के प्रस्ताव को

प्राथमिक स्तर पर मंजूरी दे दी है। इसके साथ गांवों में संपत्ति कर से छूट देने की भी तैयारी की है। बजट संशोधन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान इस पर बहस होगी। इसके बाद नेता सदन प्रवेश वाही अंतिम संशोधन सदन में प्रस्तुत करेंगे।

रेहड़ी-पटरी के लिए अलग जोन तय होगा- स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि दिल्ली में कई स्थानों पर रेहड़ी-पटरी व साप्ताहिक बाजारों से जाम की शिकायतें मिली हैं। इसे देखते हुए रेहड़ी-पटरी वालों के लिए अलग जोन तय किए जाएंगे। दिल्ली पंचायत संघ ने एमसीडी की स्थायी समिति द्वारा आगामी बजट में गांवों के 200 वर्ग मीटर तक के आवासीय प्लॉट को हाउस टैक्स से मुक्त रखने, गांवों में मकान निर्माण के दौरान नगर निगम के भवन उपनियमों से आ रही परेशानियों से राहत दिलाने की पहल का स्वागत किया है।

● **एमसीडी ने बजट में शहरव्यापी सुधारों की रूपरेखा पेश की-** एमसीडी ने बुधवार को अपना पहला अधिशेष बजट अनुमान प्रस्तुत किया, जिसमें राजस्व में वृद्धि, व्यय पर कड़े नियंत्रण और शासन एवं अवसंरचना सुधारों की एक श्रृंखला के कारण 2026-27 में लगभग 1,200 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान लगाया गया है। स्थायी समिति के अध्यक्ष सत्य शर्मा ने बजट भाषण में कहा कि इस वर्ष के बजट में बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने, सुविधाओं और प्राथमिक शिक्षा सेवाओं में सुधार, पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया जाएगा, साथ ही वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित किया जाएगा।

दस करोड़ रुपये का प्रावधान

स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि लावारिस कुत्तों की समस्या को लेकर निगम ने एक नया मद बनाया है। इसमें पशु चिकित्सा विभाग को लावारिस कुत्तों की समस्या, बंध्याकरण, गणना जैसे कार्यों के लिए दस करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। हर जोन में कम से कम एक डॉग शेल्टर होम का निर्माण किया जाएगा।

'दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करेंगे'

दिल्ली नगर निगम के कई दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। इस संबंध में निगम के नेता सदन प्रवेश वाही ने कहा कि वर्षों से लंबित कर्मचारियों और डॉक्टरों के नियमितीकरण की प्रक्रिया को तेज करेंगे। इसे लेकर विभागों के आधिकारियों के साथ आगामी दिनों में बैठक कर चर्चा करेंगे। इसके तहत कई कर्मचारियों की पदोन्नति की प्रक्रिया भी शुरू करेंगे।

दिल्ली में फिर यूटर्न लेगा मौसम

40 की स्पीड से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बुधवार को पूरे दिन बादल छाए रहे। साथ कुछ जगहों पर बूंदाबांदी के कारण लोगों को कड़ाके की ठंड झेलनी पड़ी। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान अधिकतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत तापमान से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम है।

मौसम विभाग की मानें तो गुरुवार और शुक्रवार को भी दिन में बादल छाए रहेंगे और सुबह के वक्त हल्के से मध्यम कोहरा देखने को मिल सकता है।

वहीं गुरुवार तो अधिकतम तापमान 17-19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6-8 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है। इस बीच, 31 जनवरी और 1 फरवरी को फिर से तेज हवाओं संग बादल और बारिश का नया सिलसिला शुरू हो सकता है। मौसम विभाग की ओर से 1 फरवरी के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। दिल्ली में बुधवार को स्टेशनवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पालम में 16.5 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड पर

18 डिग्री सेल्सियस, रिज में 17.7 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 17 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत तापमान से 4.2 सेल्सियस अधिक है। आईएमडी के मुताबिक, 28 जनवरी सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटे के दौरान सफदरजंग में 4.3 मिलीमीटर, पालम में 14.8 मिलीमीटर, लोधी रोड पर 3.4 मिलीमीटर, रिज में 14.4 मिलीमीटर और आया नगर में पांच मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। सीपीसीबी ने बताया कि शाम चार बजे एक्यूआई 255 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है।

राजधानी की हवा में सुधार, एक्यूआई 255 पर पहुंचा

राजधानी में मंगलवार की तुलना में बुधवार को वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बुधवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 266 दर्ज किया गया, जो शाम चार बजे घटकर 255 अंक पर पहुंच गया। हालांकि यह अब भी खराब श्रेणी में बना हुआ है। मंगलवार को हल्की बारिश और तेज हवा के बावजूद प्रदूषण में खास सुधार नहीं हुआ था, लेकिन बुधवार को दिनभर बादल छाए रहने और हवा चलने से हालात बेहतर रहे।

लव इंश्योरेंस ने बदल दी जिंदगी महिला बनी 50 गुना अमीर

बीजिंग, एजेंसी। चीन में पेश किया गया एक अजीबो-गरीब इंश्योरेंस प्रोडक्ट, जिसे 'लव इंश्योरेंस' कहा जाता है, अचानक से वायरल हो गया है। कहानी एक महिला वू की है, जिन्होंने 2016 में इस पॉलिसी को सिर्फ 199 युआन में खरीदा था। लगभग 10 साल बाद, इस छोटी निवेश पर उन्हें 10,000 युआन (यूएस1,400) का फायदा हुआ, यानी उनके ओरिजिनल निवेश का लगभग 50 गुना रिटर्न।

लव इंश्योरेंस एक छोटा लेकिन काफी चर्चा में रहने वाला इंश्योरेंस प्रोडक्ट था। इसे 2015-16 में कुछ चीनी इंश्योरेंस कंपनियों ने लॉन्च किया था। यह पारंपरिक हेल्थ, लाइफ या प्रॉपर्टी इंश्योरेंस की तरह नहीं था। इसका मकसद रोमांटिक रिलेशनशिप्स को सपोर्ट करना था। इसे खासकर कॉलेज स्टूडेंट्स और युवा कपल्स को टारगेट

करके बनाया गया था।

इसका आइडिया बेहद आसान था- अगर कोई कपल लंबे समय तक साथ रहता है और अंत में शादी कर लेता है, तो उन्हें फाइनेंशियल इनाम मिलता। लेकिन अगर रिश्ता टूट जाता है, तो इंश्योरेंस कंपनी कोई पेमेंट नहीं करती।

इस पॉलिसी में एक विशेष नियम था। कपल को उसी पार्टनर से पॉलिसी लेने के बाद शादी करनी थी। शादी की अवधि पॉलिसी खरीदने के 3 साल बाद से लेकर 10 साल के अंदर होनी चाहिए थी। केवल इस तय समय में रजिस्टर्ड शादी को ही वैध माना गया और इनाम के लिए योग्य ठहराया गया।

क्यों बंद किया गया यह प्रोडक्ट

हालांकि यह पॉलिसी लोगों में लोकप्रिय थी, चीनी सरकार ने इसे सही इंश्योरेंस उत्पाद नहीं माना। 2017-18 के बीच, लव इंश्योरेंस पर बैन लगा दिया गया। सरकारी अधिकारियों का कहना था कि यह असली रिस्क कवर करने वाला उत्पाद नहीं था, बल्कि इसे जुए और मार्केटिंग के तौर पर ज्यादा देखा गया।

सऊदी क्राउन प्रिंस का ऐलानः ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए हमारा हवाई क्षेत्र या ज़मीन इस्तेमाल नहीं होगी

अबुधावी, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने साफ शब्दों में कहा है कि ईरान के खिलाफ किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई के लिए सऊदी अरब अपना हवाई क्षेत्र या अपनी जमीन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब मध्य पूर्व में तनाव लगातार बना हुआ है। सऊदी सरकारी समाचार एजेंसी एसपीए के मुताबिक, यह बात क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान के बीच हुई एक फोन बातचीत के दौरान कही गई। यह बातचीत मंगलवार देर रात हुई।

ईरान की संप्रभुता के सम्मान पर ज़ोर- क्राउन प्रिंस ने बातचीत में कहा कि सऊदी अरब ईरान की संप्रभुता (सॉवरेन्टी) का पूरा सम्मान करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब न तो अपने हवाई क्षेत्र और न ही अपने क्षेत्र का

इस्तेमाल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई या किसी भी पक्ष द्वारा किए जाने वाले हमले के लिए करने देगा, चाहे हमला कहीं भी किया जाना हो। इस बयान का मतलब साफ है कि अगर कोई भी देश या ताकत ईरान पर हमला करने की योजना बनाती है.

ब्रिटिश पीएम 8 साल बाद चीन पहुंचे

● कोरोनाकाल में चीनी कंपनी हुआवे को निकाला था ● अब बोले-

बीजिंग, एजेंसी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर बुधवार को 8 साल बाद तीन दिन के दौरे पर चीन पहुंचे। इससे पहले 2018 में तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे चीन पहुंची थी। पिछले 8 सालों में ग्लोबल राजनीति काफी बदल चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रमक नीतियों और बयानों की वजह से यूरोपीय देश नए पार्टनर तलाश रहे हैं, ऐसे में चीन उन्हें एक मजबूत विकल्प नजर आ रहा है। चीन रवाना होने से पहले स्टार्मर ने मीडिया से कहा था कि ब्रिटेन को अमेरिका और चीन में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं है। अमेरिका के साथ रिश्ते बने रहेंगे, लेकिन चीन को नजरअंदाज करना सही नहीं होगा। वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा और रिश्तों में स्थिरता आएगी। ब्रिटेन भले ही आज चीन को जरूरी देश बता रहा है, लेकिन 2020 में कोरोना के वक्त ही उसने चीनी टेक कंपनी हुआवे को जासूसी के शक में अपने देश से निकाल दिया था।

ब्रिटेन ने चीनी कंपनी को 5जी प्रोजेक्ट से निकाला था- ब्रिटिश सरकार ने 2010 में चीनी कंपनी हुआवे को देश में मोबाइल नेटवर्क पर काम करने की इजाजत दी। उसी समय हुआवे के ऑफिस में 'द सेल' नाम का एक खास दफ्तर बनाया गया, जिसके जरिए सरकार कंपनी के काम पर नजर रखती थी। इसे कई सालों तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम माना गया।

इस दफ्तर में ब्रिटेन के साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स काम करते थे। हुआवे के खर्च पर वे उसके हर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की जांच करते थे, ताकि कोई ऐसा कोड न हो जिसका गलत इस्तेमाल किया जा सके। फिर भी ब्रिटेन की सरकार को इस सिस्टम से पूरी तरह भरोसा नहीं हुआ। करीब 10 साल तक हुआवे को काम करने देने के बाद, सरकार ने साल 2020 में फैसला किया कि उसे ब्रिटेन के 5जी नेटवर्क से बाहर कर दिया जाएगा। उसी साल संसद की एक जांच में कहा गया कि हुआवे और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच मिलीभगत के साफ सबूत हैं। जो 5 जी इक्विपमेंट पहले से लगे हैं, उन्हें हटाना होगा।

अब 'द सेल' इस बात की मिसाल बन गया है कि चीन के साथ रिश्तों में ब्रिटेन को कितनी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। एक तरफ खुफिया एजेंसियों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं हैं, दूसरी तरफ प्राइवेट कंपनियां सस्ती तकनीक चाहती हैं और सरकार को अर्थव्यवस्था सुधारने की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स और पूर्व डिप्लोमेट्स का कहना है कि अलग-अलग सरकारें चीन को लेकर सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। इसकी वजह से ब्रिटेन की पॉलिसी में शक और डर नजर आता है।

एक्सपर्ट्स बोले- चीनी ऐसी हकीकत जिसका सामना करना जरूरी- स्टार्मर की ये यात्रा चीन को लेकर बने शक और डर को कम करने की कोशिश है। ये विजिट ऐसे समय हो रही है जब यूरोप और चीन के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हैं। हाल के हफ्तों में फिनलैंड और आयरलैंड के प्रधानमंत्री भी चीन जा चुके हैं।

नौजवानों को प्रोत्साहित कर सड़क सुरक्षा का वॉलेंटियर बनाएं : डीडीसी

जागरूकता कार्यक्रम के लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करना एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करना था। बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी मारूति मिंज, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर, उत्पाद अधीक्षक, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के अधिक से अधिक नौजवानों को सड़क सुरक्षा वोलेंटियर के रूप में प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ेगी। इसके लिए जिले के सभी विद्यालयों में विशेषकर सड़क किनारे स्थित विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रमों का एक वार्षिक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया। ताकि स्कूल, कॉलेज, चौक-चौराहों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अभियान चलाया जा सके।बैठक में चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सड़क किनारे संचालित अवैध मोटर वाहन गैरेजों एवं अवैध पार्किंग की समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। उप विकास आयुक्त ने नगर निगम प्रशासन को निर्देश दिया कि ऐसे अवैध गैरेजों एवं अवैध पार्किंग स्थलों की पहचान कर त्वरित एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे यातायात बाधित नहीं हो और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।

ट्रैफिक विभाग को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह की गई सभी कार्रवाई, जैसे चालान, वाहन जांच, जागरूकता अभियान एवं दुर्घटना से संबंधित आंकड़ों की समेकित रिपोर्ट तैयार कर जिला सड़क सुरक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत करें, ताकि नियमित समीक्षा के आधार पर आगे की रणनीति तय की जा सके।

जिले के चरगी, पेटरवार से दांतू चौक तक एनएच-23, एनएच-32 एवं 218 मार्ग पर दुर्घटना संभावित स्थलों को चिह्नित करते हुए सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रिफ्लेक्टिव स्टड्स एवं डिलाइनेटर लगाने का निर्देश राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) प्रतिनिधि को दिया गया। इससे रात्रि के समय दृश्यता बढ़ेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

स्कूल बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उप विकास आयुक्त ने डीटीओ एवं डीईओ को स्कूल प्रबंधन के साथ संयुक्त रूप से बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूल बसों के लिए जारी सभी दिशा-निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

हिट एंड रन से संबंधित लंबित मुआवजा आवेदनों की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जाए। उन्होंने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा कि दुर्घटना में मृतक के परिजनों को यथाशीघ्र मुआवजा राशि का भुगतान हो, ताकि उन्हें आर्थिक सहायता समय पर मिल सके।

बैठक के अंत में डीडीसी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी के संयुक्त प्रयास से ही सुरक्षित यातायात व्यवस्था संभव है।

इससे पूर्व, डीटीओ मारूति मिंज ने पिछली बैठक में विभिन्न विभागों को दिए गए निदेशों के अनुपालन की क्रमवार जानकारी दी।

डीडीसी एवं एसी ने प्रखंड कार्यालय का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। गुरुवार से नगर पालिका क्षेत्र में मेयर, चेयरमैन एवं वार्ड सदस्यों के लिए नाम निर्देशन प्रपत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

इसी क्रम में फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के लिए नाम निर्देशन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार एवं अपर समाहर्ता (एसी) मोहम्मद मुमताज अंसारी ने बेरमो प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीडीसी एवं एसी द्वारा प्रखंड कार्यालय के विभिन्न कक्षों का भ्रमण किया गया। इस क्रम में आरओ एवं एआरओ के कक्षों का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध सुविधाओं, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं नाम निर्देशन प्रक्रिया से संबंधित तैयारियों की जानकारी ली गई। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। वहीं, क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सख़्ती से सुनिश्चित करने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया।

चंद्रशेखर अग्रवाल ने किया नामांकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद । धनबाद नगर निकाय चुनाव के लिए राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। गुरुवार को धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने समाहरणालय पहुंचकर मेयर पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे। नामांकन से पहले चंद्रशेखर अग्रवाल ने झरिया स्थित श्याम मंदिर से समर्थकों के साथ एक रैली निकाली. यह रैली झरिया से धनसार होते हुए शक्ति मंदिर पहुंची। इसके बाद नया बाजार, राजेंद्र सरोवर, सिटी सेंटर होते हुए मेमको मोड़ तक गई। मेमको मोड़ से चंद्रशेखर अग्रवाल अपने समर्थकों के साथ पैदल ही समाहरणालय पहुंचे, जहां उन्होंने नामांकन प्रक्रिया पूरी की. चंद्रशेखर अग्रवाल को जीत की उम्मीद रैली के दौरान जगह-जगह समर्थकों ने उनका स्वागत किया। मीडिया से बातचीत करते हुए चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि पूर्व में मेयर रहते हुए उन्होंने जनता के हित में कई विकास कार्य किए हैं, जिसे धनबाद की जनता भली-भांति जानती है। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्हीं कार्यों के आधार पर जनता एक बार फिर उन्हें सेवा का अवसर देगी। आगे उन्होंने कहा कि यदि जनता का समर्थन मिला और वे दोबारा मेयर चुने गए तो धनबाद के विकास के लिए और अधिक मजबूती से काम करेंगे।

मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन अस्पताल परिसर में किया। इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप मे जिले के सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद उपस्थित थे और उनके द्वारा इस रक्तदान शिविर का विधिवत उद्घाटन भी किया गया। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ नितेंद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में अस्पताल के कर्मचारी,नर्स, एवं चिकित्सकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। रक्तदान शिविर का आयोजन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी बोकारो शाखा के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में मुस्कान हॉस्पिटल के वरीय निदेशक डॉ सुबोध चंद्र मुंशी, डॉ शाहनवाज अनवर एवं डॉ मनोज श्रीवास्तव उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि एवं आगंतुकों का स्वागत हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ इरफान अंसारी ने किया। रक्तदान शिविर में तकरीबन 33 यूनिट रक्त संग्रह किए गए। इस शिविर के सफल आयोजन एवं संचालन में हॉस्पिटल की उप चिकित्सा अधीक्षक वंदना सहाय एवं नर्सिंग इंचार्ज उत्तम खवास का योगदान काफी सराहनीय रहा।

पहले दिन 198 उम्मीदवारों ने खरीदे पर्चे

बोकारो। नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर जिले में नामांकन प्रपत्रों की बिक्री एवं नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन बोकारो जिले के दोनों नगर निकाय क्षेत्रों में कुल 198 उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्रों की खरीदारी की।

चास नगर निगम क्षेत्र में महापौर पद के लिए कुल 16 उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र खरीदे, जबकि वार्ड पार्षद पद के लिए 116 उम्मीदवारों ने प्रपत्र लिया।

वहीं, नगर परिषद फुसरो में अध्यक्ष पद के लिए कुल 02 उम्मीदवारों तथा वार्ड पार्षद पद के लिए 64 उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र की खरीदारी की। इस प्रकार, पहले दिन जिले के दोनों नगर क्षेत्रों में कुल 198 उम्मीदवारों द्वारा नामांकन प्रपत्र खरीदा गया। नामांकन प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने एसडीओ कार्यालय, चास परिसर तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, बेरमो कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार के समक्ष बैरिकेटिंग की व्यवस्था की है।

चुनाव की अवधि में व्यावसायिक गतिविधियों में बाधा ना डाली जाए: चैंबर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक प्रतिनिधिमंडल ने उच्च न्यायालय के एक आदेश के संदर्भ में उप विकास आयुक्त, बोकारो, शताब्दी मजूमदार से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उप विकास आयुक्त को चुनाव अवधि के दौरान कृषि उपज बाजार परिसर में व्यावसायिक गतिविधियों में किसी प्रकार की बाधा न डाले जाने के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि किसी भी परिस्थिति में व्यावसायिक परिसरों को अवरुद्ध नहीं किया जाए। न्यायालय के आदेश की अवमानना होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में चुनाव के दौरान जिला प्रशासन द्वारा कृषि उपज बाजार परिसर में व्यापारियों को आवंटित दुकानों को खाली करा लिया जाता था, जिससे व्यापार पूरी तरह ठप हो जाता था। व्यापारियों को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है। इस विषय में पूर्व में उपायुक्त, बोकारो को भी ज्ञापन के माध्यम से लिखित रूप से अवगत कराया गया था।

प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरतापूर्वक सुनने के पश्चात उप विकास आयुक्त ने आश्वासन दिया कि उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श कर इस संबंध में उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर मुकेश अग्रवाल, राजेश पोद्दार, अंकित चोपड़ा, प्रेम अग्रवाल ,अशोक गोयल सहित अनेक व्यापारी उपस्थित थे।

विस्थापितों की समस्याओं को सांसद ने लोकसभा में उठाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। लोकसभा के पटल पर गुरुवार को धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद दुलू महतो ने बोकारो इस्पात संयंत्र से जुड़े हजारों विस्थापित परिवारों की पीड़ा को मजबूती से उठाया। नियम 377 के तहत उन्होंने सरकार और इस्पात मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जिन परिवारों ने देश के औद्योगिक विकास के लिए अपनी उपजाऊ जमीन, घर और पहचान तक त्याग दी, आज उन्हीं के बच्चों का भविष्य प्रशासनिक लापरवाही और नीतिगत अड़चनों के कारण अंधकार में धकेला जा रहा है।

सांसद महतो ने सदन को अवगत कराया कि विस्थापित परिवारों के सैकड़ों युवाओं ने वर्षों पहले इस उम्मीद में आईटीआई और अप्रेंटिस प्रशिक्षण पूरा किया था कि उन्हें उसी बोकारो स्टील प्लांट में रोजगार मिलेगा, जिसके लिए उनके पुरखों ने जमीन दी थी। लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण प्रशिक्षण प्रक्रिया बाधित हुई और इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर हुई देरी ने इन युवाओं को ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया, जहां वे उम्र सीमा पार कर चुके हैं और अब रोजगार की प्रक्रिया से बाहर किए जा रहे हैं।

सांसद दुलू महतो ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह मुद्दा केवल कुछ लोगों को नौकरी देने का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाने का है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि महामारी और सिस्टम की वजह से हुई देरी का खामियाजा विस्थापित युवाओं को न भुगतना पड़े, इसके लिए आयु सीमा में विशेष छूट दी जाए और अप्रेंटिस पूरा कर चुके युवाओं के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया जाए, ताकि वे सम्मान के साथ अपने हक का रोजगार पा सकें।

दुलू महतो ने सदन में भावुक शब्दों में कहा कि बोकारो स्टील प्लांट की चमक-दमक के पीछे उन हजारों परिवारों का पसीना और बलिदान छिपा है, जिन्होंने अपने खेत, घर और जीवन का आधार खो दिया। यदि आज उनके बच्चों को उम्र की सीमा का हवाला देकर बाहर किया जा रहा है, तो यह सामाजिक न्याय की आत्मा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वे विस्थापित परिवारों के अधिकारों की रक्षा के लिए संसद से लेकर सड़क तक हर मंच पर संघर्ष करते रहेंगे।

सांसद दुलू महतो द्वारा लोकसभा में इस मुद्दे को मजबूती से उठाए जाने के बाद बोकारो और धनबाद क्षेत्र के विस्थापित परिवारों में नई उम्मीद जगी है। लोगों को भरोसा है कि अब केंद्र सरकार इस गंभीर और संवेदनशील विषय पर ठोस निर्णय लेगी और वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को उनका अधिकार मिलेगा। यह मुद्दा अब केवल रोजगार का नहीं, बल्कि सम्मान, अधिकार और पीढ़ियों के भविष्य का सवाल बन चुका है।

बीएसएल में महिला अधिकारियों के लिए "बही खाता" प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। प्रबंधकीय क्षमताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों के अनुरूप विकसित करने के उद्देश्य से मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में महिला अधिकारियों के लिए बही खाता नामक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की कुल 14 महिला अधिकारियों ने भाग लिया। वरीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) प्रीति कुमारी ने अपने स्वागत सम्बोधन में आज के गतिशील कारोबारी माहौल में वित्तीय साक्षरता के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान सभी सत्रों का संचालन अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के द्वारा किया गया, जिन्होंने संकाय के रूप में बुनियादी लागत, वित्तीय विवरणों की समझ और विश्लेषण, वाणिज्यिक पहलुओं

के बुनियादी सिद्धांत और अनुपात विश्लेषण सहित प्रमुख विषयों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की तथा व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विशेष रूप से डिजाइन किए गए कार्यक्रम में प्रतिभागियों को क्रॉस-फंक्शनल निर्णय लेने और बेहतर व्यावसायिक प्रदर्शन के बारे में अपने मूल्य-संचालित अनुभवों को साझा किए।

सेल के विभिन्न समीक्षा बैठकों में, परिचालन दक्षता बढ़ाने और संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन को संरेखित करने के लिए अधिकारियों के वित्तीय और वाणिज्यिक कौशल को मजबूत करने की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया गया है। वित्तीय और वाणिज्यिक अवधारणाओं की अच्छी समझ अधिकारियों को निर्णय लेने, संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने और बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) की लाभप्रदता और दीर्घकालिक स्थिरता में सार्थक योगदान करने के लिए सशक्त बनाती है।

कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने प्रतिभागियों को संगठनात्मक प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए अपनी संबंधित भूमिकाओं में कार्यक्रम में शामिल विषयों को ब्यवसायिक जीवन में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समन्वय प्रीति कुमारी, वरीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सीमा कुमारी का विशेष योगदान था। मानव संसाधन के अन्तर्गत ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग बीएसएल में वित्तीय रूप से सूचित, व्यावसायिक रूप से जागरूक और प्रदर्शन संचालित प्रशिक्षण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के रूप में बहीखाता कार्यक्रम को भविष्य में भी जारी रखेगा।

प्रयास कार्यक्रम के तहत चार छात्रों को आठवीं की प्री-बोर्ड परीक्षा में कराया शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने, एक भी छात्र परीक्षा से वंचित नहीं रहे, उसके लिए ₹प्रयास₹ कार्यक्रम की शुरूआत की है।

इसके तहत राजकीयकृत मध्य विद्यालय दुगार्मंदिर में अष्टम प्री बोर्ड परीक्षा को लेकर आज चार बच्चों को परीक्षा में शामिल कराया गया।

इसमें छात्र उत्तम हाड़ी को परीक्षा में शामिल कराना प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार कर्ण तथा शिक्षक राज कुमार वर्मा के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। परंतु उनके दृढ़संकल्प से उन्हें सफलता मिली।दोनों उत्तम हाड़ी को खोजने के लिए सर्वप्रथम सरायढेला गए। वहाँ नहीं मिलने पर उसे ढूंढ़ते हुए मांझीबांध तालाब के निकट जंगल में गए और उसे खोज निकाला। तत्पश्चात उसके घर जाकर उसे तैयार कर परीक्षा में शामिल कराया। इस तरह दोनों ने विद्यालय में शत प्रतिशत छात्रों को प्री-बोर्ड परीक्षा में शामिल कराया।

वहीं इसके पूर्व खोजे गए प्रमाण मरांडी, जो विद्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर रहता है, उससे दोनों ने लगातार संपर्क बनाए रखा और आर्थिक मदद कर? परीक्षा में शामिल कराया। कर्ण तथा वर्मा ने बताया कि छात्रों के उज्ज्वल भविष्य से जुड़ा हुआ यह उनका एक छोटा सा प्रयास था। कहा कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती '

धनबाद नगर निगम चुनाव को ले राजद ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद नगर निगम चुनाव को लेकर गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल के महानगर अध्यक्ष मुमताज कुरैशी की अध्यक्षता में बसंत विहार कॉलोनी में एक बैठक हुई। बैठक में राजद के कार्यकताओं ने नगर निगम के हर वार्ड तथा महापौर के चुनाव में राजद अपना उम्मीदवार उतारने की बात कही। महानगर अध्यक्ष मुमताज कुरैशी ने जिला के सभी पदाधिकारी प्रदेश के सभी पदाधिकारी तथा जिला में सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने धनबाद नगर निगम चुनाव में महापौर के लिए पाँच नामों का सुझाव दिया। इन उम्मीदवारों में यादव, दलित, मुस्लिम वर्ग का नाम आया है।मुमताज कुरैशी ने कहा कि इन सभी नामों को झारखंड प्रदेश कार्यालय में भेजकर तथा प्रदेश चुनाव समिति को भेजकर किसी एक नाम पर सहमति लेकर नाम की घोषणा कर दिया जाएगा। धनबाद नगर निगम में 55 वार्ड पार्षद उम्मीदवार जो राजद समर्पित होंगे उनकी मदद की जाएगी और उन्हें विजय बनाने की कोशिश की जाएगी। जरूरत पड़ने पर झारखंड प्रदेश के राजद विधायक मंत्री को चुनाव प्रचार प्रसार में बुलाया जाएगा। बैठक में प्रदेश राजद उपाध्यक्ष विक्रम प्रसाद यादव, व्यवसायी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष तारकेश्वर यादव, जिला अध्यक्ष राघवेंद्र यादव, बिनोद पासवान, गणेश यादव, पन्ना लाल यादव, अनवरी खातून, राजू यादव, मनन यादव, गुलशन खातून सहित कई राजद नेता मौजूद रहे।

20वीं राज्य स्तरीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो में 20वीं राज्य स्तरीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता 2025झ26 का भ उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सुनील भास्कर पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता झारखंड सशस्त्र पुलिसझ4, बोकारो के कमांडेंट शंभु कुमार सिंह ने की, जिन्होंने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता 31 जनवरी 2026 तक झारखंड सशस्त्र पुलिसझ4, बोकारो फायरिंग बट पर आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में कुल 08 टीमों के 158 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इनमें झारखंड सशस्त्र पुलिस, कोयला क्षेत्र बोकारो, कोल्हान क्षेत्र चाईबासा, पलामू, उत्तरी एवं दक्षिणी छोटानागपुर, संथाल परगना तथा

झारखंड जगुआर/अपराध अनुसंधान विभाग/रेल एवं विशेष शाखा की टीमें शामिल हैं।

प्रतियोगिता के दौरान 5.56 एमएम इंसास राइफल, 9 एमएम रिवॉल्वर/पिस्टल तथा 9 एमएम कार्बाइन से विभिन्न पोजीशनों में फायरिंग कराई जाएगी।

उद्घाटन समारोह में पुलिस उपमहानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक, सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारीगण एवं विभिन्न प्रक्षेत्रों से आए पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त झारखंड सशस्त्र पुलिसझ4, बोकारो तथा राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के लगभग 1000 पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी समारोह में शामिल हुए। यह प्रतियोगिता पुलिस बल की पेशेवर दक्षता एवं अनुशासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

क्षेत्रीय उपनिदेशक को सौंपा मांग पत्र

बोकारो। भारतीय मजदूर संघ से संबंध बियाडा औद्योगिक मजदूर संघ का एक प्रतिनिधि मंडल बियाडा में कार्यरत मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर बियाडा के क्षेत्रीय उपनिदेशक के नाम एक मांग पत्र सौंपा। जिसमें मजदूरों को पहचान पत्र,वेतन पर्ची,अटेंडेंस कार्ड उपलब्ध कराना, झारखंड सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित केटेगरी अनुसार न्यूनतम वेज सुनिश्चित करना, पीएफ एवं ई एस आई की सदस्यता, सड़क चौड़ीकरण कर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करना, बियाडा औद्योगिक क्षेत्र में बियाडा औद्योगिक क्षेत्र में शौचालय की व्यवस्था करना, विभिन्न कंपनियों से निकलने वाले प्रदूषण पर रोक लगाना, सी एस आर के तहत प्रभावित क्षेत्रों में विकास का कार्य करना, सड़कों की लाइटें को मरम्मत कराना आदि मांगे शामिल है।

मौके पर प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं बियाडा औद्योगिक मजदूर संघ के महामंत्री रितवरण सोरेन ने कहा कि अगर समय रहते बियाडा प्रबंधन मजदूरों की मांगों एवं समस्याओं को पूरा नहीं करती है तो भारतीय मजदूर संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

बीएसएल के एसएमएस-न्यू विभाग द्वारा सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा सुरक्षा सर्वप्रथम की भावना को कार्य संस्कृति में प्रभावी रूप से आत्मसात करने के उद्देश्य से निरंतर विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी क्रम में एसएमएस-न्यू विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता संवाद कार्यक्रम तथा प्लांट प्लाजा रोड पर विशेष मानव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मियों में सुरक्षा चेतना को सशक्त बनाना और सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को दैनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना रहा।

सुरक्षा जागरूकता संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त उपस्थित रहे9 उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) बीके सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-न्यू) पीवी राव सहित एसएमएस-न्यू एवं सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त ने एसएमएस-न्यू विभाग में कार्यरत कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से सीधा संवाद किया।

उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने और प्रत्येक परिस्थिति में सतर्क रहने का आह्वान किया। दत्त ने सुरक्षित, स्वस्थ एवं दुर्घटना-मुक्त कार्य वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही सतत उत्पादन और संगठन की प्रगति की आधारशिला है।

संवाद सत्र के दौरान उन्होंने उपस्थित कर्मियों से सुरक्षा से संबंधित सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए तथा अपने अनुभव भी साझा किए. इस अवसर पर कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सुरक्षित कार्य परिवेश को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा शून्य-दुर्घटना कार्यस्थल की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया।

वहीं, प्लांट प्लाजा रोड पर आयोजित मानव श्रृंखला कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त तख्तियाँ के माध्यम से सड़क एवं कार्यस्थल दोनों पर सतर्कता, अनुशासन एवं जिम्मेदार व्यवहार का सशक्त संदेश दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com